महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

सुविचार

सभी खुश रहें स्वस्थ रहें सकारात्मक ऊर्जा से परिपूर्ण रहें इसी कामना के साथ सुबह का प्रारंभ हो...

वर्ष : 17 अंक : 115 | उज्जैन, रविवार 04 अक्टूबर 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

सोशल मीडिया पर जातिसूचक गाली भी एससी-एसटी एक्ट के दायरे में, कलकत्ता हाई कोर्ट ने दिया नए सिरे से जांच का आदेश

कोलकाता/ जीएनएस। सोशल मीडिया पर जाति का उल्लेख कर अपमानजनक टिप्पणी करना भी 'जनसमक्ष अपमान' की श्रेणी में आ सकता है। कलकत्ता हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि एससी-एसटी (अत्याचार निवारण) कानून के तहत कार्रवाई केवल सड़क, बाजार या किसी सार्वजनिक स्थान पर किए गए अपमान तक सीमित नहीं है। सोशल मीडिया पर जातिसूचक गाली भी इस कानून के दायरे में आ सकती है। मामले में अनुसूचित जाति समुदाय से जुड़े शिकायतकर्ता ने रबिउल इस्लाम बुलबुल और सायन दत्त के खिलाफ बेहाला थाने में शिकायत की थी। आरोप था कि दोनों ने फेसबुक पर उनकी जाति, धर्म और परिवार को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। शिकायतकर्ता ने पोस्ट के स्क्रीनशॉट के साथ शिकायत दर्ज कराई थी। वर्ष 2022 में मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने गुप्त बयान, गवाहों के बयान और फेसबुक लिंक की जांच की। हालांकि, 20 जनवरी 2023 को पुलिस ने जांच में कोई सूत्र नहीं मिलने का हवाला देते हुए 'नील' फाइनल रिपोर्ट दाखिल कर दी। पुलिस का कहना था कि साइबर थाने के माध्यम से फेसबुक से यूजर की जानकारी मांगी गई थी, लेकिन कंपनी से जानकारी नहीं मिली। अलीपुर की विशेष अदालत ने शिकायतकर्ता की आपत्ति खारिज करते हुए पुलिस रिपोर्ट स्वीकार कर ली थी। विशेष अदालत के फैसले को चुनौती देते हुए शिकायतकर्ता हाई कोर्ट पहुंचे। न्यायमूर्ति उदय कुमार ने पुलिस की फाइनल रिपोर्ट को स्वीकार करने से इनकार करते हुए उसे खारिज कर दिया। अदालत ने मामले की नए सिरे से जांच साइबर-फोरेंसिक विशेषज्ञों की मदद से कराने का निर्देश दिया। अदालत के आदेश में कहा गया कि एससी-एसटी कानून में 'जनसमक्ष अपमान' की अवधारणा सोशल मीडिया जैसे डिजिटल मंचों तक भी लागू हो सकती है। कानून की संबंधित धाराओं में अनुसूचित जाति-जनजाति के व्यक्ति को जानबूझकर अपमानित या भयभीत कर सार्वजनिक रूप से अपमानित करने पर दंड का प्रावधान है।

रूसी सेना से भारतीय नागरिकों की वापसी की कोशिशें तेज, 55 अभी भी फंसे

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत-रूस के बीच सलाहकार समिति की बैठक हुई है। इस बैठक के बाद सामने आई जानकारी से पता चला है कि रूसी सेना में भर्ती किए गए लगभग 140 भारतीय नागरिकों को सेवा से मुक्त कर दिया गया है। वहीं भारत रूसी सशस्त्र बलों में सेवा कर रहे अन्य 55 लोगों के बारे में जानकारी मांग रहा है। एएनआइ की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने ऐसे सभी लोगों को जल्द से जल्द सेवा से मुक्त कराने के लिए रूसी अधिकारियों से बातचीत की है। बैठक की जानकारी में कहा गया, भारत सरकार ने ऐसे सभी लोगों को जल्द से जल्द सेवा से मुक्त कराने के लिए रूसी अधिकारियों के साथ, उच्चतम स्तर पर भी, बातचीत की है। अब तक, लगभग 140 भारतीय नागरिकों को सेवा से मुक्त किया जा चुका है। बैठक में आगे बताया गया, भारतीय पक्ष रूसी सेना में कथित तौर पर मौजूद 55 भारतीय नागरिकों के बारे में जानकारी के लिए रूसी अधिकारियों के संपर्क में है। भारतीय कानून प्रवर्तन एजेंसियां बेईमान एजेंटों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रही हैं। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने पिछले महीने ये ताजा आंकड़े साझा किए थे। उस समय, मिसरी ने कहा था कि रूसी सशस्त्र बलों में भर्ती किए गए 227 भारतीय नागरिकों में से 139 को सेवा से मुक्त कर दिया गया था, जबकि 51 की मौत हो गई थी। विदेश सचिव मिसरी ने कहा कि यह मुद्दा रूस के साथ अलग-अलग मौकों पर अलग-अलग स्तरों पर उठाया गया था। मिसरी ने कहा था, आखिरी गिनती के अनुसार, हमारे पास रूसी सेना में भर्ती किए गए 227 भारतीय नागरिकों के बारे में जानकारी थी।

पशुधन और दुग्ध उत्पादन से आएगी गौपालकों के घरों में समृद्धि : केंद्रीय मंत्री शाह

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सरकार के तीन संकल्पों की पूर्ति के लिए की तीन घोषणाएं

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्रीय सहकारिता एवं गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा है कि पशुधन (लाईव स्टॉक) और दुग्ध उत्पादन देश के किसानों और गौवंश पालकों की समृद्धि का प्रमुख आधार है। पशुधन जितना होगा, उतनी ही होगी समृद्धि। देश के किसानों और पशुपालकों की आर्थिक समृद्धि ही हमारा लक्ष्य है। पशुधन से दुग्ध उत्पादन और दुग्ध उत्पादन से ही गौपालकों के घर समृद्धि आती है। उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादन किसानों और पशुपालकों की आय का बड़ा जरिया है। केंद्र सरकार देश में दुग्ध उत्पादन तेजी से बढ़ाने के लिए पशुपालकों को कई प्रकार की सहायता भी उपलब्ध करा रही है। सहकारिता मंत्री श्री शाह ने कहा कि भोपाल में हुआ यह विशाल गौपालक सम्मेलन मध्यप्रदेश में हो रही श्वेत क्रांति का एक शुभ संकेत है। सहकारिता मंत्री श्री शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव स्वयं एक गौपालक हैं, उनके नेतृत्व में मध्यप्रदेश पूरे देश में दुग्धोत्पादन क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। केन्द्रीय मंत्री श्री शाह ने प्रदेश के सभी गौपालकों से मप्र में प्रतिदिन 50 लाख लीटर दूध उत्पादन का बड़ा लक्ष्य लेकर चलने की अपील करते हुए कहा कि सब मिल-जुलकर एक साथ आगे बढ़ेंगे, तभी यह लक्ष्य हासिल होगा। मंत्री श्री शाह शनिवार को भेल दशहरा मैदान में आयोजित विशाल राज्य स्तरीय गौ-पालक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

प्रदेश को दीं कई सौगातें- सहकार से समृद्धि की थीम पर केंद्रित राज्य स्तरीय सम्मेलन में केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री शाह ने उज्जैन में 255 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 3 लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता वाले मिल्क प्रोसेसिंग प्लांट का डिजिटल भूमि-पूजन किया। उन्होंने भोपाल में 16.50 करोड़ रुपये की लागत से नव निर्मित 40 हजार लीटर प्रतिदिन क्षमता के फर्मेंटेड प्रोडक्ट डेयरी प्लांट, भोपाल में ही 12.42 करोड़ रुपये से नव निर्मित राज्य स्तरीय केंद्रीय गुणवत्ता प्रयोगशाला तथा शिवपुरी जिले में 6.50 करोड़ रुपये की लागत से मिनी डेयरी प्लांट के सुदृढ़ीकरण कार्य का लोकार्पण किया। केंद्रीय मंत्री ने सम्मेलन में भोपाल एवं इंदौर दुग्ध संघों से जुड़े पशुपालक सदस्यों को 15.10 करोड़ रुपये की लाभांश (बोनस) राशि तथा प्रदेश की गौशालाओं को गौवंश के संरक्षण एवं आहार आदि के लिए 88 करोड़ रुपये की सहायता राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की। केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने मंच से 5 गौपालक दीदियों और सर्वश्रेष्ठ दुग्ध उत्पादन करने वाली समिति के सदस्यों को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही 2 पशुपालकों को राज्य सरकार की डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना के हितग्राहियों को स्वीकृति आशय-पत्र भी प्रदान किए।

भोपाल में मोरवन प्रोजेक्ट के तहत नगर वन विकसित करने कृभको एवं म.प्र. बॉयोडायवर्सिटी बोर्ड के मध्य समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर परस्पर आदान-प्रदान किया गया। इसका उद्देश्य भोपाल में हरित क्षेत्र का विस्तार करने के साथ जैव विविधता संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और नागरिकों के लिए बेहतर प्राकृतिक वातावरण विकसित करना है। नगर वन के विकास से स्थानीय जैव विविधता को संरक्षण मिलेगा तथा शहर में हरित आवरण को बढ़ावा मिलेगा। सम्मेलन में मप्र में वर्तमान में मनाये जा रहे कृषक कल्याण वर्ष 2026 (बलराम कृषि महोत्सव) पर केंद्रित लघु फिल्म तथा मप्र में दुग्ध क्रांति का सूत्रपात विषयक एक आकर्षक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने कहा कि देश को नक्सलवाद की समस्या से हमेशा के लिए निजात मिल गई है। अब बारी पूरे देश को नशामुक्त बनाने की है। भारत को वर्ष 2029 के अंत तक नशामुक्त बनाना हमारा लक्ष्य है। मंत्री श्री शाह ने नागरिकों से मध्यप्रदेश को 31 दिसम्बर 2029 तक पूर्णतः नशामुक्त प्रदेश बनाने का संकल्प लेकर आगे बढ़ने और इस दिशा में सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों में सहयोग करने की अपील की। केन्द्रीय मंत्री श्री शाह ने कहा कि नशामुक्ति के लिए सभी संभव योजनाएं तैयार की जाएंगी। इससे देश-प्रदेश के युवाओं को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने मध्यप्रदेश में करीब 50 एकड़ भूमि में गौवंश एवं भैंसों की नस्ल सुधार का काम प्रारंभ करने के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कारगर उपायों से ही मप्र अगले तीन साल में 50 लाख लीटर प्रतिदिन दूध उत्पादन का लक्ष्य हासिल करेगा।

लद्दाख के 28 स्थानों के मानक नाम जारी, भारत ने नक्शे पर स्पष्ट की अपनी संप्रभुता

नई दिल्ली/ जीएनएस। चीन के साथ संबंध सुधारने की कोशिश जारी है, लेकिन भारत ने शुक्रवार को यह स्पष्ट कर दिया कि भौगोलिक संप्रभुता के मसले पर वह अपने हितों के अनुसार कदम उठाता रहेगा। इसी क्रम में केंद्र सरकार ने पूर्वी लद्दाख समेत केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख के 28 स्थानों और भौगोलिक संरचनाओं के मानक नाम जारी किए हैं।

ये नाम अब भारतीय सर्वेक्षण विभाग के आधिकारिक मानचित्र पर दर्ज हो गए हैं। इनमें गोगरा और हॉट स्प्रिंग जैसे वे इलाके भी शामिल हैं, जो जून 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच तनाव के बिंदु रहे हैं।

भारत सरकार ने केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख के परामर्श से इन 28 स्थानों को मानक नामों के साथ चिह्नित किया है। सरकारी बयान के अनुसार, इसका उद्देश्य इनकी सटीक पहचान आसान बनाना और आम लोगों में बेहतर जागरूकता पैदा करना है।

सूची में चोटियां, पहाड़, दर्रे, ग्लेशियर, घाटी, नदी, झील और कई भौगोलिक इकाइयां शामिल हैं। चोटियों में अतिश गिरि, कनिष्क पीक, मार्तंड गिरि, जोरावर पीक, रिनचेन जांगपो, शाक्यश्री गिरि, मार्पा लोत्सवा री, मिलारेपा कांगरी, शिव री और महेश्वर री हैं।

पहाड़ों में करुण पीर, द्रक कार्पो और जोलमोरी दर्रों में चपचिंगल पास और शचमिर्क पास और ग्लेशियरों में परपिक और स्कामरी शामिल हैं। श्कोर्गा घाटी, यांगपा नदी, गुरु रिनपोछे झील और हाट स्प्रिंग भी सूची में हैं।

भूमि-क्षेत्रों में ब्रंगसा, कुक्सेल, देहरा कम्पास, गोगरा, कुमारायण प्वाइंट, पांगलुंग और शमल लुंगपा शामिल हैं। यहां बताते चलें कि देहरा कम्पास अक्साई चिन क्षेत्र से जुड़ा माना जाता है, जिस पर चीन दावा करता है। मानचित्र सर्वेआफइंडियाडाटगोवडॉटइन पर देखा जा सकता है। इस साल चीन के साथ लगी सीमा पर अपने भौगोलिक दावे को पुख्ता करने का यह भारत की तरफ से उठाया गया दूसरा कदम है। अगस्त 2026 की शुरुआत में भारत ने अरुणाचल प्रदेश के 27 स्थानों और भौगोलिक संरचनाओं को भी भारतीय सर्वेक्षण विभाग के आधिकारिक मानचित्र पर उनके मानक नामों के साथ चिह्नित किया था। उस सूची में लान्गजू, माजा, थाग ला, जोल दर्रे और जसवंत गढ़ जैसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थान शामिल थे।

चीन अरुणाचल प्रदेश को 'जांगनान' या दक्षिणी तिब्बत कहकर अपना बताता है, जिसे भारत खारिज करता रहा है। सरकारी भाषा में यह कदम पहचान और जन-जागरूकता के लिए बताया गया है, लेकिन समय और जगहें इसका राजनीतिक संदेश साफ करती हैं।

गोगरा और हाट स्प्रिंग वास्तविक नियंत्रण रेखा पर घर्षण के प्रमुख बिंदु रहे हैं। 2020 के बाद दोनों ओर बड़ी संख्या यहां पर तैनात हुई थी। कई दौर की सैन्य और कूटनीतिक बातचीत के बाद कुछ बिंदुओं पर पीछे-हटने और गश्त को लेकर समझौता हुआ है लेकिन कुछ इलाकों में आंशिक तौर पर ही सैनिकों की वापसी हुई थी। मानचित्र पर मानक नाम दर्ज करना भारत का यह संकेत है कि बातचीत चाहे जारी रहे, नक्शे और नामकरण पर वह अपनी स्थिति नहीं छोड़ेगा।

कम बारिश, सूखा और चारे की कमी... महाराष्ट्र में लगेगा महंगाई का झटका, बढ़ सकते हैं दूध के दाम

पुणे/ जीएनएस। महाराष्ट्र में आने वाले महीनों में दूध की खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। चारे की कमी कारण दूध के उत्पादन पर असर पड़ रहा है और डेयरियों के लिए दूध खरीदने की लागत बढ़ रही है। दूध की कीमत में बढ़ोतरी की वजह सितंबर में पड़ने वाली गर्मी है, सूखे की वजह से चारे की कमी हुई है। कम बारिश की वजह से चारे की उपलब्धता पर असर दिखना अभी से शुरू हो गया है। महाराष्ट्र में क्यों बढ़ रहे दूध के दाम- महाराष्ट्र राज्य दूध व्यावसायिक संगठन के सचिव प्रकाश कुटवाल ने कहा, पिछले दो-तीन महीनों में किसानों को दूध खरीदने के लिए दिए जाने वाले दाम लगभग 35 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 42 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं। कुटवाल ने आगे कहा, सूखे से प्रभावित जिलों में चारे के स्टॉक पर भी दबाव बढ़ रहा है। हमने पहले बिक्री की कीमत में सिर्फ 2 रुपये की बढ़ोतरी की थी। आने वाले दिनों में हमें बिक्री की कीमत और बढ़ानी पड़ सकती है। कुटवाल ने कहा कि खराब मॉनसून का असर चारे और दूध की उपलब्धता पर पड़ने लगा है। उन्होंने कहा, अगर बारिश कम होती है तो हमारे पास मौजूद घास अगले ही दिन खत्म नहीं हो जाती। इसका असर धीरे-धीरे होता है। वह असर अब शुरू हो गया है और अगले एक-दो महीनों में यह और साफ दिखेगा।

सुप्रीम कोर्ट को अगले हफ्ते मिल सकते हैं तीन नए जज, कोलेजियम ने की सिफारिश

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट में अगले सप्ताह तीन नए जजों की नियुक्ति होने की संभावना है। सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम ने 29 सितंबर को तीन हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों को शीर्ष न्यायालय में पदोन्नत करने की सिफारिश की थी।

नियुक्ति प्रक्रिया से जुड़े सूत्रों के अनुसार, गुजरात हाई कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश सुनीता अग्रवाल, दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और तेलंगाना हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह को सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त किया जा सकता है। सूत्रों ने बताया कि इन नियुक्तियों की प्रक्रिया अगले सप्ताह तक पूरी होने की संभावना है। औपचारिक शपथ लेने के बाद सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 37 हो जाएगी, जो स्वीकृत संख्या से एक कम होगी। फिलहाल प्रधान न्यायाधीश समेत सुप्रीम कोर्ट में 34 न्यायाधीश हैं। सुप्रीम कोर्ट अमेंडमेंट एक्ट, 2026 के बाद सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 34 से बढ़ाकर 38 कर दी गई है।

SIR विवाद के बीच चुनाव आयोग का बड़ा फैसला, UP-बंगाल समेत 20 राज्यों में चलेगा विशेष अभियान

नई दिल्ली/ जीएनएस। एसआईआर को लेकर चल रहे आंदोलन और विवाद के बीच चुनाव आयोग एक बार फिर से उन मतदाताओं के नामों की उनके घर जाकर जांच करेगा जिनके नाम अंतिम सूची से हट गए हैं।

उत्तर प्रदेश, बंगाल सहित देश के ऐसे सभी 20 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में छूटे मतदाताओं की खोजबीन और नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए विशेष अभियान शुरू हो गया है। जिसमें बीएलओ (बूथ लेवल ऑफीसर) घर-घर जाकर इसकी पड़ताल करेंगे। साथ ही मतदाता पंजीयन अधिकारी (ईआरओ) को इसकी रिपोर्ट देंगे। जो नाम जोड़ने पर अंतिम निर्णय लेंगे।

आयोग ने राज्यों को दिए गए निर्देश में साफ किया है कि इस काम को महीने भर में पूरा कर लिया जाए। जिसमें प्रत्येक बीएलओ को हफ्ते में कम से कम 20 से 25 मतदाताओं तक पहुंचने का लक्ष्य दिया गया है। इससे पहले आयोग ने सभी बीएलओ से एसआईआर से पहले और एसआईआर के बाद की अंतिम मतदाता सूची में जिन मतदाताओं के नाम नहीं छूट गए है या हटा दिए गए है, ऐसे सभी नामों को एक सूची बनाने के निर्देश दिए है। बाद में इस सूची के आधार पर छूटे या हटाए गए नामों की घर-घर जाकर फिर से पड़ताल करनी है।

174 जिंदगियों के लिए संकटमोचक बने कैप्टन स्मित, पीएम मोदी को बताया अपना आदर्श

नई दिल्ली/ जीएनएस। भवायह मौत से मुकाबले में जिंदगियों की जीत की ये कुछ मिनटों की कहानी बरसों-बरस याद की जाएगी। स्वाभाविक है कि दुनिया इस कल्पना से ही सिहर जाए कि काल-दूत बने ओमान के को-पायलट के मंसूबे सफल हो जाते तो क्या होता?

लेकिन शायद तब-तब सभी के कानों में 174 जिंदगियों के लिए संकटमोचक बने भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार के वह शब्द भी अवश्य गूंजेंगे, जो उन्होंने घटना के समय की मनोदशा बताने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ वीडियो कॉल पर साझा किए।

वह बोले- उस समय मुझे इतना पता था कि मैं उन सबको मरने नहीं दे सकता...। ये शब्द एक हिंदुस्तानी के शौर्य और पराक्रम की गाथा सुनाते हैं।

वहीं, जड़ों से जुड़ाव, आस्था और संस्कृति के प्रति विश्वास के लिए इससे बड़े क्या शब्द होंगे, जब उन्होंने पीएम को बताया- जब भी मेरे को दर्द होता है, मुझे एक ही चीज आती है, मैं सिर्फ हनुमान चालीसा बोलता हूं। उस समय भी मैं सिर्फ हनुमान चालीसा ही बोल रहा था और मुझे पता है कि भगवान ने ही मेरे को बचाया।

फ्लाईदुबई फ्लाइट को क्रैश होने से बचाने में सबसे बड़ी भूमिका निभाने वाले भारतीय कैप्टन स्मित मच्छर से शुक्रवार को जब प्रधानमंत्री मोदी ने वार्ता की तो दोनों ओर से गर्व, सम्मान और प्रेम की परस्पर अभिव्यक्ति थी।

कैप्टन से स्वास्थ्य का हालचाल लेने के साथ ही पीएम बोले- देखिए, पूरा देश आपके लिए प्रार्थना कर रहा है, महामृत्युंजय के जाप सब जगह चल रहे हैं। आपकी हिम्मत ने, आपके धैर्य ने और आपकी सूझबूझ ने, एक क्षण में इतने निर्णय कर लिए आपने... और इतने लोगों की जान बचाई। आज पूरा देश गर्व से कह सकता है कि हम हिंदुस्तानी जान लेने वाले लोग नहीं है, जान बचाने वाले लोग हैं।

140 करोड़ देशवासियों का मान बढ़ाने के लिए कैप्टन के प्रति हृदय से गर्व की अनुभूति व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने उनके परिवार से बातचीत के अनुभव साझा किए। फिर पीएम ने कहा- स्मित अब मैं आपसे सुनना चाहूंगा।

IAF प्रमुख ने 5वीं पीढ़ी के जेट के लिए विदेशी विकल्पों का दिया संकेत, पाकिस्तान-चीन की साझेदारी पर भी जताई चिंता

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारतीय वायु सेना प्रमुख मार्शल अमर प्रीत सिंह ने शनिवार को कहा कि पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान बनाने के लिए पाकिस्तान और चीन का सहयोग भारत के लिए चिंता का विषय है।

अमर प्रीत सिंह ने कहा कि द्वुस्र फिलहाल इस खतरे का सामना कर सकती है, लेकिन भारत को जल्द ही पांचवी पीढ़ी के लड़ाकू विमान शामिल करने होंगे।

उन्होंने कहा कि इसमें कोई शक नहीं कि यह चिंता की बात है, लेकिन क्या यह ऐसी स्थिति है जिससे निपटा नहीं जा सकता? मैं इससे सहमत नहीं हूं। हमारे पास क्षमताएं हैं। ऐसा नहीं है कि सिर्फ एक प्लेटफॉर्म ही मायने रखता है। असल बात उस प्लेटफॉर्म को अपने सिस्टम में शामिल करना है। जैसे पाकिस्तान के पास दूसरे प्लेटफॉर्म थे, लेकिन जब हमने ऑपरेशन सिंदूर चलाया तो वे ज्यादा इस्तेमाल नहीं कर पाए।

इसलिए, जब हम अलग-अलग प्लेटफॉर्म खरीदते हैं और उन्हें शामिल करते हैं, तो हमें यह पक्का करना होगा कि उन्हें हमारे सिस्टम में ठीक से शामिल किया जाए। तो, हम फिलहाल इस खतरे का सामना कर सकते हैं, जब कर कि वे इसे अपने सिस्टम में अच्छी तरह से शामिल न कर लें।

भविष्य के लिए, हमें आगे की सोचनी होगी। हमें जल्द ही पांचवीं पीढ़ी का विमान लाना होगा। हमें स्वष्ट प्रोग्राम को आगे बढ़ाना होगा और अगर इसमें देरी होती है, तो हमें कुछ दूसरे फैसले लेने होंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना के पास अभी 42 की मंजूर संख्या के मुकाबले 29 फाइटर स्क्वाड्रन हैं।

ट्रैफिक सफारी में 450 बच्चों ने सीखे सड़क सुरक्षा के नियम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुरक्षित सफर की शुरुआत जागरूक बचपन से होती है। इसी उद्देश्य से यातायात पुलिस इंदौर द्वारा सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति बच्चों में जागरूकता बढ़ाने के लिए 'ट्रैफिक सफारी' का आयोजन किया गया। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय आर.के. सिंह तथा पुलिस उपायुक्त क्राइम एवं यातायात राजेश कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में दिल्ली पब्लिक एलिमेंट्री स्कूल के करीब 450 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

रेसीडेंसी क्षेत्र स्थित ट्रैफिक पार्क में बच्चों को खेल-खेल में सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों की जानकारी दी गई। यातायात निरीक्षक नारायण सिंह डामोर, निरीक्षक सीमा गुप्ता और आरक्षक सुमंत सिंह ने बच्चों के साथ दोस्ताना अंदाज में संवाद करते हुए यातायात संकेतों, जेब्रा क्रॉसिंग, सड़क पार करने के सुरक्षित तरीकों और विभिन्न ट्रैफिक नियमों के बारे में समझाया। बच्चों ने भी उत्साह के साथ सवाल पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान जाना।

कार्यक्रम में बच्चों को स्कूल बस में सुरक्षित सफर से जुड़े महत्वपूर्ण सुरक्षा उपायों की जानकारी भी दी गई। बस में चढ़ते और उतरते समय बरती जाने वाली सावधानियों, बस के आसपास सुरक्षित दूरी बनाए रखने और यात्रा के दौरान अनुशासन के महत्व को समझाया गया। बच्चों को स्कूल बस में उपलब्ध पैनिक बटन, कैमरा, फर्स्ट एड बॉक्स, फायर एक्सटिंग्विशर और स्पीड गवर्नर सहित विभिन्न सुरक्षा उपकरणों के बारे में बताया गया और उनके उपयोग की जानकारी दी गई।

ट्रैफिक सफारी के दौरान बच्चों ने यातायात पुलिसकर्मियों के साथ हाथों के संकेतों के जरिए ट्रैफिक कंट्रोल करने की गतिविधि में भी हिस्सा लिया। इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों ने यातायात संचालन में पुलिस की भूमिका को समझा और विभिन्न संकेतों को स्वयं करके देखा।

यातायात पुलिसकर्मियों ने बच्चों को बताया कि यातायात नियम किसी डर के कारण नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति की सुरक्षा के लिए बनाए गए हैं। नियमों का पालन करने से सड़क पर स्वयं के साथ-साथ अन्य लोगों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सकती है। बच्चों ने इस दौरान पुलिसकर्मियों के साथ संवाद करते हुए 'पुलिस हमारी दोस्त है' और 'ट्रैफिक रूल्स हमारी सेफ्टी के लिए हैं' जैसे संदेश भी दिए।

विद्यालय की ओर से कॉर्डिनेटर दीपा यादव, प्रियंका गुप्ता और रेखा शर्मा ने बताया कि बच्चों में कम उम्र से ही सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूकता विकसित करना जरूरी है। विद्यालय प्रबंधन द्वारा इस सप्ताह को 'सड़क सुरक्षा सप्ताह' के रूप में मनाया जा रहा है, जिसके तहत बच्चों के लिए सड़क सुरक्षा विषय पर पेंटिंग, स्लोगन, कविता और ट्रैफिक पार्क भ्रमण जैसी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

उन्होंने बच्चों की उत्साहपूर्ण सहभागिता की सराहना करते हुए यातायात पुलिस इंदौर के मार्गदर्शन और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। 'ट्रैफिक सफारी' बच्चों के लिए केवल शैक्षणिक भ्रमण तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने पुलिस और बच्चों के बीच संवाद और विश्वास को भी मजबूत किया। यातायात पुलिस का मानना है कि बच्चों को कम उम्र से यातायात नियमों की जानकारी मिलने से वे स्वयं जागरूक होने के साथ अपने परिवार को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक कर सकते हैं।

यातायात पुलिस की सतर्कता से राजवाड़ा क्षेत्र में मिली चोरी की स्कूटी बरामद

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में सुगम यातायात और सड़क सुरक्षा व्यवस्था के साथ संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के दौरान यातायात पुलिस की सतर्कता से चोरी की एक स्कूटी बरामद की गई। स्कूटी राजवाड़ा क्षेत्र में लावारिस हालत में खड़ी मिली थी। जांच में पता चला कि इसकी चोरी की रिपोर्ट कई माह पहले सराफा थाने में दर्ज कराई गई थी।

यातायात निरीक्षक राजू सावले अपनी टीम के साथ यशवंत रोड से बैंक टी होते हुए राजवाड़ा की ओर भ्रमण पर थे। इसी दौरान टीम को स्कूटी क्रमांक [illegible]09 [illegible] 8786 लावारिस हालत में खड़ी दिखाई दी। आसपास के लोगों से पूछताछ करने पर पता चला कि स्कूटी काफी समय से उसी स्थान पर खड़ी थी। वाहन संदिग्ध लगने पर यातायात पुलिस ने उसकी जांच शुरू की।

आरक्षक 4876 जयंत शुक्ला ने पीओएस मशीन के माध्यम से वाहन का नंबर चेक किया। जांच में सामने आया कि स्कूटी के चोरी होने की रिपोर्ट सराफा थाने में एफआईआर क्रमांक 0076, दिनांक 26 अप्रैल 2026 को दर्ज थी। इसके बाद आरक्षक 3705 पूरन शाक्यवार ने सराफा थाने से संपर्क कर वाहन के संबंध में जानकारी दी।

यातायात पुलिस ने वाहन के पंजीकृत स्वामी मोहम्मद इकबाल से भी संपर्क किया। वाहन स्वामी ने पुलिस को बताया कि उनकी स्कूटी चोरी हो गई थी, जिसकी रिपोर्ट उन्होंने 26 अप्रैल को सराफा थाने में दर्ज कराई थी। इसके बाद बरामद स्कूटी को थाना बीट सराफा के सुपुर्द कर दिया गया।

चोरी की स्कूटी बरामद होने पर वाहन स्वामी और आसपास के लोगों ने यातायात पुलिस की सतर्कता एवं त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया।

इस कार्रवाई में उनि वालिया थान्दार, आरक्षक 3696 शेखर गवली, आरक्षक 3705 पूरन शाक्यवार और आरक्षक 4876 जयंत शुक्ला की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

ग्लोबल लेंस- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत 25 छायाचित्रकारों की कृतियां दिखाएंगी बदलते दौर की तस्वीर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतरराष्टीय मंचों पर अपनी कला का परचम लहराने वाले अंचल के चुनिंदा छायाचित्रकारों की कृतियां अब इंदौरवासियों के रूबरू होंगी। स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. द्वारा भारतीय पत्रकारिता महोत्सव के अंतर्गत जाल सभागृह परिसर में विशेष फोटोग्राफी प्रदर्शनी ग्लोबल लेंस का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतिष्ठित प्रदर्शनी के प्रायोजक प्लास्टपैक 2026 हैं। प्रदर्शनी का क्यूरेशन समन्वयक पुष्कर सोनी द्वारा किया गया है।

प्रदर्शनी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें विभिन्न अंतरराष्टीय प्रतियोगिताओं में पुरस्कृत एवं सराहे गए 25 वरिष्ठ व चर्चित छायाचित्रकारों के उत्कृष्ट छायाचित्र प्रदर्शित किए जा रहे हैं। एक ही समय, समाज और परिवेश को 25 अलग-अलग नजरियों से देखने का यह अवसर दर्शकों के लिए एक जीवंत विजुअल दस्तावेज साबित होगा। प्रदर्शनी का शुभारम्भ सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश जे.के. माहेश्वरी, इंडियन प्लास्ट पैक फोरम के अध्यक्ष सचिन बंसल, जाहिद शाह, विशाल सोनी, संदीप ठाकुर एवं रामकिशोर राठी ने फीता काटकर किया। अतिथियों का स्वागत अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल, वरिष्ठ छायाचित्रकार कैलाश मित्तल एवं सत्यजीत शिवणेकर ने किया।

ग्लोबल लेंस में अंकित पोरवाल, अखिल हार्डिया, अनुराग बडोलिया, उपेंद्र उपाध्याय, ओ. पी. सोनी, कैलाश मित्तल, कैलाश सोनी, चेतन सोनी, गिरीश जे. किंगर, गुरदास दुआ आदी।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान एवं सेवा संकल्प अभियान के तहत मानपुर में स्वास्थ्य शिविर आयोजित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नागरिकों को सुलभ, सहज एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान एवं सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मानपुर ब्लॉक में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई गई। शिविर में ग्रामीणों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया।

डॉ. अम्बेडकर नगर महू की विधायक सुश्री उषा ठाकुर ने स्वास्थ्य शिविर का भ्रमण किया तथा वहां उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने शिविर में स्वास्थ्य जांच एवं उपचार के लिए की गई व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित गतिविधियों की जानकारी भी प्राप्त की।

शिविर में ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया गया। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को और अधिक प्रभावी बनाना तथा नागरिकों को उनके निकट ही स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है। ऐसे शिविरों के माध्यम से लोगों को समय पर स्वास्थ्य जांच कराने, बीमारियों के प्रति जागरूक रहने तथा आवश्यकता के अनुसार चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त करने का अवसर मिलता है।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान एवं सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित यह स्वास्थ्य शिविर आम नागरिकों को शासकीय स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। शिविर के माध्यम से नागरिकों को निःशुल्क जांच एवं उपचार की सुविधा प्रदान कर स्वास्थ्य सेवाओं को जनसामान्य तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।

7 अक्टूबर को निकलेगी सेवा ज्योति संकल्प यात्रा, बूथों से बाइक रैली के रूप में पहुंचेंगे कार्यकर्ता

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन और जनसेवा के अवसर पर भाजपा द्वारा चलाए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत 7 अक्टूबर को इंदौर में 'सेवा ज्योति संकल्प यात्रा' निकाली जाएगी। भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, कार्यक्रम संयोजक विधायक रमेश मेंदोला, सचिन बंसल, मुकेश मंगल, सौगात मिश्रा, निखिल सोनी, भूपेंद्र चौहान और भरत खस ने बताया कि यात्रा के माध्यम से प्रधानमंत्री के 25 वर्षों की सेवा के प्रति आभार व्यक्त किया जाएगा। भाजपा के राष्टीय स्तर पर घोषित 'सेवा संकल्प अभियान' में 7 अक्टूबर को सेवा ज्योति कार्यक्रम प्रस्तावित है।

नेताओं के अनुसार, इंदौर के सभी विधानसभा क्षेत्रों में प्रत्येक बूथ से भाजपा कार्यकर्ता लाभार्थियों को साथ लेकर बाइक रैली के रूप में अपने निर्धारित वार्ड स्थल पर पहुंचेंगे। यहां से रैली मंडल के निर्धारित स्थान पर पहुंचेगी और इसके बाद विधानसभा स्तर पर एकत्रित होकर विजय नगर स्थित आईडीए ग्राउंड के मुख्य कार्यक्रम स्थल तक रैली के रूप में पहुंचेगी।

मुख्य कार्यक्रम में सभी विधानसभा क्षेत्रों के कार्यकर्ता शामिल होंगे। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से एक मशाल ज्योति लेकर कार्यकर्ता रैली में शामिल होंगे। इस दौरान कार्यकर्ताओं के हाथों में भाजपा के ध्वज और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करने वाली तख्तियां भी रहेंगी।

आईडीए ग्राउंड पर होगा विजय संकल्प सम्मेलन- आयोजकों के अनुसार, सुबह 10 बजे विजय नगर स्थित आईडीए ग्राउंड पर कार्यकर्ताओं के एकत्रीकरण के बाद विजय संकल्प सभा सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल माध्यम से जुड़ेंगे और सम्मेलन को संबोधित करने के साथ 'विकसित भारत' का संकल्प दिलाएंगे। 7 अक्टूबर को देशभर में 'सेवा ज्योति कलश यात्रा' के आयोजन की जानकारी भी सार्वजनिक रूप से दी गई है।

श्यामाप्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर स्थापित होगी सेवा ज्योति मशाल- आयोजकों ने बताया कि आईडीए ग्राउंड पर प्रधानमंत्री के संबोधन और विकसित भारत के संकल्प के बाद कार्यकर्ता 'सेवा ज्योति मशाल' लेकर पंडित श्यामाप्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा स्थल तक पहुंचेंगे। यहां मशाल स्थापित की जाएगी। भाजपा नेताओं ने कहा कि डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के कश्मीर से जुड़े संकल्प और अनुच्छेद 370 के संदर्भ में पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यों को इस कार्यक्रम से जोड़ा जा रहा है।

'सेवा संकल्प अभियान' के तहत देशभर में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन को केंद्र में रखते हुए विभिन्न सेवा और जनभागीदारी कार्यक्रम आयोजित करना है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत वृद्धाश्रम में सेवा कार्य, राजवाड़ा पर लगेगा नमो चाय सेवा स्टॉल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत 4 अक्टूबर को भाजपा द्वारा विभिन्न सेवा गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, सेवा संकल्प अभियान संयोजक जीतू जिराती, सहसंयोजक शंकर लालवानी, सुधीर कोल्हे, दीपक जैन टीनू एवं प्रियंका चौहान ने बताया कि 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम के अंतर्गत भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा द्वारा परदेशीपुरा स्थित वृद्धाश्रम में सुबह 9 बजे सेवा कार्य किया जाएगा। वहीं भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा द्वारा शाम 4:30 बजे राजवाड़ा पर 'नमो चाय सेवा' स्टॉल लगाया जाएगा। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा नगर अध्यक्ष निखिल सोनी ने बताया कि वृद्धाश्रम में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, सांसद शंकर लालवानी, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. निशांत खरे और मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार की उपस्थिति में कार्यकर्ता वृद्धजनों का सम्मान करेंगे। कार्यक्रम में आर्केस्ट्रा के माध्यम से भजन एवं गीतों की प्रस्तुति भी दी जाएगी। इस दौरान भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता वरिष्ठजनों के साथ भोजन भी करेंगे।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा नगर अध्यक्ष भूपेंद्र चौहान ने बताया कि राजवाड़ा पर शाम 4:30 बजे 'नमो चाय सेवा' का स्टॉल लगाया जाएगा, जहां आम लोगों को निशुल्क चाय वितरित की जाएगी। आयोजन में चाय के अलग-अलग नाम केंद्र सरकार की योजनाओं से प्रेरित रखे गए हैं। इनमें 'आयुष्मान भारत चाय' के नाम पर फीकी चाय और 'उज्ज्वला चाय' के नाम पर केसरयुक्त चाय सहित अन्य चाय शामिल रहेंगी।

तीन दिवसीय भारतीय पत्रकारिता महोत्सव का भव्य शुभारम्भ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बहुत ही गरिमामय एवं भव्य स्तर पर शुक्रवार को स्टेट प्रेस क्लब म.प्र. द्वारा आयोजित तीन दिवसीय भारतीय पत्रकारिता महोत्सव का जाल सभागृह में शुभारम्भ हुआ। पहले दिन ही मंच पर भारत सहित बांग्लादेश ओर नेपाल के विद्वान वक्ताओं की उपथिति से अखंड भारत की झलक दिखी। सभागृह में देश के कौने-कौने से आये प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के 150 से अधिक मीडियाकर्मियों की उपस्थति में सर्वाधिक संख्या जेन-जी की रही। समारोह में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जे.के. माहेश्वरी, माखनलाल चतुर्वेदी राष्टीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलगुरु श्री विजय मनोहर तिवारी, फेडरेशन ऑफ़ प्रेस क्लब्स के अध्यक्ष गौतम लाहिड़ी, मध्य प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, एमडीएच मसाला समूह के चैरमैन महाशय राजीव गुलाटी, सार्क मीडिया फोरम के अध्यक्ष नेपाल के राजू लामा, महासचिव बांग्लादेश के अब्दुर रहमान, फॉरेन कॉरेस्पोंडेंट प्रेस क्लब, नई दिल्ली के महासचिव प्रकाश नंदा अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

अपने उद्बोधन में सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश जे. के. माहेश्वरी ने कहा कि ज़ेन-जी एक विचार है, एक मन है। जेन-जी आज अपनी बात रील और हैश टैग में कर रहा है। इस पर विचार करने की आवश्यकता है। ऐसे विचार कितने विश्वसनीय, प्रमाणिक और उपयोगी होंगे इस पर भी विचार करने की आवश्यकता है। हर व्यक्ति को अपनी मातृभाषा में सोचने का पूरा अधिकार है और उसे अपनी मातृभाषा का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने जेन-जी वाले प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के पत्रकारों को आव्हान करते हुए कहा कि जेन-जी के पत्रकारों में सदैव जिज्ञासा होना चाहिए, साहस होना चाहिए और साथ में जवाबदेही की भावना होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संविधान में सभी को बोलने का अधिकार है। पत्रकारों की न कलम रुकनी चाहिए, न टूटनी चाहिए और न वह झुकनी चाहिए। कलम की धार ऐसी हो कि समाज में बड़ा बदलाव आये। उन्होंने अकबर इलाहबादी, दुष्यंत कुमार, अब्दुल रहीम सहित विभिन्न विद्वानों के उद्वारों को रेखांकित करते हुए कहा कि जेन-जी पत्रकारों को अपनी बात निर्भीकता के साथ और निष्पक्षता के साथ करनी चाहिए। जेन-जी की आवाज़ अंतिम आदमी की आवाज़ बने। जेन-जी के तथ्य पवित्र होना चाहिए और गलती होने पर उनको माफ़ी मांगने की हिम्मत भी होनी चाहिए। जेन-जी अगली पीढ़ी को क्या देना चाहता हैं यह स्पष्ट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि एआई एक टूल है और यह मानवीय बुद्धि और विवेक को अपने नियंत्रण में नहीं करे इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि जेन-जी की अवधारणा पश्चिमी सोच का परिणाम है। भारतीय समाज में बच्चों का नामकरण एक संस्कार है और उसका विशेष महत्त्व है। किसी उम्र के आधार पर हम व्यक्ति को जेन-जी, जेन अल्फ़ा आदि शीर्षक में बाँट नहीं सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जंतर-मंतर पर जारी आन्दोलन की भाषा जेन-जी की भाषा कभी नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि भारत में महापुरुषों की जयंती, पुण्यतिथि आदि अवसरों पर अवकाशों की संस्कृति से देश को आर्थिक स्तर पर बड़ा नुकसान हो रहा है।

रिएक्टिव नहीं, प्रिवेंटिव पुलिसिंग हो हमारी प्राथमिकताः पुलिस कमिश्नर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण, बीट स्तर की पुलिसिंग को और अधिक सुदृढ़ एवं जवाबदेह बनाने तथा आमजन को संवेदनशील और बेहतर पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह ने 3 अक्टूबर को पुलिस अधिकारियों की बैठक ली। कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) आर.के. सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) मयंक अवस्थी सहित नगरीय इंदौर के सभी पुलिस उपायुक्त, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त और थाना प्रभारी मौजूद रहे।

बैठक में बीट प्रणाली, माइक्रो बीट पुलिसिंग, अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था, स्पेशल क्राइम यूनिट (एससीयू), साइबर अपराधों की रोकथाम, सामुदायिक पुलिसिंग और जनसंतुष्टि से जुड़े विषयों की समीक्षा की गई। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि बीट प्रणाली पुलिस और जनता के बीच सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। बीट और माइक्रो बीट में तैनात पुलिसकर्मियों से ही आमजन का सबसे पहले संपर्क होता है। ऐसे में क्षेत्र में पुलिस की सक्रिय मौजूदगी और संवेदनशील व्यवहार अपराधों की रोकथाम के साथ नागरिकों में सुरक्षा और विश्वास की भावना मजबूत कर सकता है।

उन्होंने अधिकारियों को प्रत्येक बीट में नियमित भ्रमण और माइक्रो बीट पुलिसिंग को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। साथ ही क्षेत्र की गतिविधियों और संवेदनशील स्थानों पर लगातार निगरानी रखने, थाना स्तर पर उपलब्ध पुलिस संसाधनों और उपकरणों की नियमित समीक्षा कर उनकी कार्यशीलता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। थाने पहुंचने वाले फरियादियों और आगंतुकों की शिकायतों को गंभीरता और सम्मान के साथ सुनकर उनके त्वरित निराकरण के निर्देश भी दिए गए।

पुलिस कमिश्नर ने स्पष्ट किया कि किसी भी शिकायत या अपराध की सूचना मिलने पर तत्काल वैधानिक कार्रवाई की जाए। अपराध पंजीयन में अनावश्यक देरी या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। आदतन और सूचीबद्ध अपराधियों की गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखते हुए उनके विरुद्ध प्रतिबंधात्मक और वैधानिक कार्रवाई को प्राथमिकता देने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए गए। बैठक में बढ़ते साइबर अपराधों की रोकथाम पर भी विशेष जोर दिया गया। प्रत्येक थाने में साइबर डेस्क को प्रभावी ढंग से संचालित करने, साइबर अपराध संबंधी शिकायतों के त्वरित निराकरण और आमजन को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए गए।

जोन-2 में मोहल्ला मीटिंग के जरिए नागरिकों को सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दीपावली पर्व को देखते हुए शहर में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और नागरिकों को सतर्क रहने के लिए पुलिस द्वारा जोन-2 के सभी थाना क्षेत्रों में मोहल्ला एवं रहवासी समिति की बैठकें आयोजित की गईं। पुलिस अधिकारियों ने रहवासियों से संवाद कर कॉलोनी और आसपास के क्षेत्रों की सुरक्षा से जुड़े आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा संदिग्ध गतिविधियों की तत्काल सूचना पुलिस को देने की अपील की।

पुलिस आयुक्त इंदौर संतोष कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मयंक अवस्थी, पुलिस उपायुक्त जोन-2 अमन सिंह राठौड़ एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-2 अमरेंद्र सिंह के निर्देशन में आयोजित इन बैठकों में नागरिकों से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई। पुलिस ने दीपावली के दौरान बाजारों और रहवासी क्षेत्रों में बढ़ने वाली आवाजाही को देखते हुए विशेष सतर्कता बरतने की समझाइश दी।

मोहल्ला बैठकों में पुलिस ने घरों में काम करने वाले नौकर, घरेलू सहायकों, सुरक्षा गार्ड, मजदूर, प्लंबर, इलेक्ट्रिशियन और अन्य सेवा प्रदाताओं का पुलिस वेरिफिकेशन कराने की अपील की। साथ ही किसी नए व्यक्ति को काम पर रखने से पहले उसकी पहचान और आवश्यक दस्तावेजों की जांच करने की सलाह दी गई।

कॉलोनियों की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए टूटी हुई बाउंड्रीवॉल को दुरुस्त कराने तथा आवश्यक स्थानों पर सुरक्षित फेंसिंग और बाउंड्री की व्यवस्था करने के संबंध में भी रहवासियों को समझाइश दी गई। पुलिस ने बताया कि इससे अनधिकृत प्रवेश की संभावनाओं को कम करने में मदद मिल सकती है।

बैठकों के दौरान घरों, दुकानों, कॉलोनी के प्रवेश एवं निकास मार्गों और प्रमुख आवागमन वाले स्थानों पर ष्टष्टञ्जङ्क कैमरे लगाने तथा उनकी नियमित निगरानी के महत्व के बारे में भी नागरिकों को बताया गया। पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सुरक्षा संबंधी ई-ऐप इंस्टॉल करने का सुझाव भी दिया, ताकि नागरिक उपलब्ध डिजिटल सुविधाओं का उपयोग कर सकें।

थाना परदेशीपुरा क्षेत्र में क्लर्क कॉलोनी, अनाज मंडी क्षेत्र, बाबा की कुइया मंदिर क्षेत्र, पंचमुखी हनुमान मंदिर क्षेत्र, जाट धर्मशाला के पीछे स्थित विश्वकर्मा सुमन वाटिका और सुभाष नगर में मोहल्ला समिति की बैठकें आयोजित की गईं। वहीं थाना कनाड़िया क्षेत्र के सर्वसंपन्न नगर और करुणा सागर में भी रहवासियों के साथ बैठक कर सुरक्षा संबंधी विषयों पर चर्चा की गई।

पुलिस ने नागरिकों को आपराधिक घटना की स्थिति में आवश्यक सावधानियों की जानकारी देते हुए कहा कि किसी संदिग्ध व्यक्ति, वाहन या गतिविधि की जानकारी मिलने पर स्वयं कानून हाथ में लेने के बजाय तत्काल पुलिस को सूचना दें। पुलिस ने नागरिकों से पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने तथा अपने क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। पुलिस ने नागरिकों को संदेश दिया कि उनकी सतर्कता ही उनके और उनके मोहल्ले की सुरक्षा को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने वीसी के माध्यम से निर्वाचन कार्यों की समीक्षा की

छूटे एवं विलोपित मतदाताओं का पुनः परीक्षण कर पात्रता अनुसार नाम जोड़ने के दिए निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से निर्वाचक नामावली के निरंतर अद्यतन तथा पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा निर्देश दिए गए कि अभियान के तहत पात्र मतदाताओं को चिन्हित कर उनके नाम निर्वाचक नामावली में जोड़ने की कार्यवाही निर्धारित अवधि में प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित की जाए। बैठक में इंदौर से कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शिवम वर्मा, उप जिला निर्वाचन अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान विभिन्न कारणों से निर्वाचक नामावली से विलोपित किए गए मतदाताओं के प्रकरणों का पुनः परीक्षण कर पात्रता के अनुसार उनके नाम सम्मिलित किये जायें। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान जिन निर्वाचक नामावलियों के आधार पर कार्यवाही की गई थी, उसके पश्चात यदि किसी मतदान केन्द्र में परिवर्तन हुआ है, तो संबंधित सूचियों का मिलान किया जाए। मिलान के उपरांत छूटे हुए मतदाताओं की सूची दो दिवस के भीतर बी.एल.ओ. एवं बी.एल.ए. को उपलब्ध कराई जाए, ताकि सूची में छूटे पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने की कार्यवाही की जा सके।

लोकसभा सांसद सुधीर गुप्ता को रेलवे संबंधी स्थायी समिति की कमान मिली

संसदीय अनुभव और कार्यकुशलता के साथ अब रेलवे से जुड़े राष्ट्रीय मुद्दों की समीक्षा में निभाएंगे भूमिका

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केन्द्र सरकार द्वारा मंदसौर संसदीय क्षेत्र के सांसद सुधीर गुप्ता को रेलवे संबंधी स्थायी समिति का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। इसको लेकर क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। यह जिम्मेदारी संसदीय कार्यप्रणाली में उनके महत्वपूर्ण दायित्व को दर्शाती है। रेलवे संबंधी स्थायी समिति संसद की महत्वपूर्ण समितियों में शामिल है, जो रेलवे के कामकाज, यात्री सुविधाओं, सुरक्षा, आधारभूत संरचना के विकास तथा रेलवे से जुड़े विभिन्न मुद्दों की समीक्षा करती है। कॉरपोरेट विधियां विधेयक से संबंधित संयुक्त संसदीय समिति में उनकी भूमिका और संसदीय अनुभव के बाद रेलवे जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र से जुड़ी समिति की जिम्मेदारी मिलना उनके संसदीय कार्यक्षेत्र के विस्तार के रूप में देखा जा रहा है। इस महत्वपूर्ण दायित्व के साथ रेलवे की नीतियों, बजट, यात्री सुविधाओं, सुरक्षा और विकास परियोजनाओं जैसे विषयों पर संसदीय समीक्षा में उनकी भूमिका अहम रहेगी।

रेलवे संबंधी स्थायी समिति संसद की विभाग-संबंधी स्थायी समितियों में से एक है। इसका प्रमुख दायित्व रेल मंत्रालय के कामकाज, बजट, नीतियों और महत्वपूर्ण योजनाओं की समीक्षा करना तथा आवश्यक सुझाव और सिफारिशें संसद के समक्ष प्रस्तुत करना है। समिति रेलवे के विकास से जुड़े विषयों का अध्ययन करती है और संबंधित मंत्रालय से जवाबदेही तथा कार्यों की प्रगति के संबंध में जानकारी मंत्रालय को देती है।

रेलवे देश की आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। यात्रियों की सुरक्षित यात्रा, समयबद्ध रेल सेवाएं, आधुनिक स्टेशन, बेहतर कनेक्टिविटी और माल परिवहन की प्रभावी व्यवस्था सीधे तौर पर आम नागरिकों, व्यापारियों, किसानों और उद्योगों से जुड़ी हुई है। ऐसे में रेलवे संबंधी स्थायी समिति की भूमिका नीतिगत समीक्षा और सुधार के सुझाव देने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। समिति के चेयरमैन के रूप में बैठकों की अध्यक्षता करना, चर्चा को दिशा देना, विभिन्न विषयों पर सदस्यों के विचारों को सुनना तथा समिति की रिपोर्ट और सिफारिशों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में भूमिका निभाना महत्वपूर्ण दायित्व हैं। कॉरपोरेट विधियां विधेयक से संबंधित संयुक्त संसदीय समिति में कार्य के अनुभव से लेकर रेलवे जैसे व्यापक राष्ट्रीय महत्व के क्षेत्र की संसदीय समीक्षा तक, सांसद सुधीर गुप्ता की यह नई जिम्मेदारी अब तक दिए गए सभी महत्वपूर्ण दायित्वों में सफलता के कारण केन्द्र सरकार द्वारा उन्है अहम जिम्मेदारी दी जा रही है। अब वह रेलवे से जुड़े जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता के साथ मंत्रालय के समक्ष रखेंगे। और रेल सुविधाओं एवं विकास के लिए अहम साबित होंगे। सांसद सुधीर गुप्ता ने इस नवीन दायित्व के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला एवं केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह इस नवीन जिम्मेदारी पर पूर्ण समर्पण भाव से कार्य करेंगे।

नशे में धुत मंडी उप निरीक्षक पर MBBS छात्र से मारपीट का आरोप, आक्रोशित मेडिकल छात्रों ने घेरा कैंट थाना

देर रात ढाबे पर हुआ विवाद, आरोपी अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग पर अड़े सहपाठी

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानीय कृषि उपज मंडी के उप निरीक्षक निलेश चौहान पर बीती रात एक ढाबे पर मेडिकल कॉलेज के छात्र के साथ नशे की हालत में बेरहमी से मारपीट करने का गंभीर आरोप लगा है। पीड़ित छात्र हर्ष गुप्ता मूल रूप से ग्वालियर का निवासी है और वर्तमान में नीमच मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस का छात्र है। घटना के बाद मेडिकल कॉलेज के छात्रों में भारी आक्रोश फैल गया और उन्होंने देर रात ही कैंट थाने का घेराव कर दिया।

ढाबे पर हुआ विवाद, आपा खोया- मिली जानकारी के अनुसार, घटना बीती रात शहर के एक स्थानीय ढाबे की है। पीड़ित छात्र हर्ष गुप्ता वहां मौजूद था, तभी किसी बात को लेकर मंडी उप निरीक्षक निलेश चौहान और छात्र के बीच कहासुनी हो गई। चश्मदीदों के मुताबिक, उप निरीक्षक चौहान अत्यधिक नशे की हालत में थे। विवाद बढ़ने पर उन्होंने आपा खो दिया और छात्र हर्ष गुप्ता के साथ मारपीट शुरू कर दी।

थाने पहुंचे सैकड़ों छात्र, कार्रवाई की मांग- सहपाठी के साथ हुई इस अभद्रता और मारपीट की खबर जैसे ही मेडिकल कॉलेज के अन्य छात्रों को लगी, हॉस्टल में हड़कंप मच गया। सहपाठी के समर्थन में बड़ी संख्या में मेडिकल छात्र एकजुट होकर नीमच कैंट थाने पहुंचे। छात्रों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जाहिर करते हुए आरोपी उप निरीक्षक के विरुद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज करने और सख्त विभागीय कार्रवाई की मांग को लेकर शिकायती आवेदन सौंपा।

पुलिस ने शुरू की जांच- कैंट थाना पुलिस ने आक्रोशित छात्रों को समझा-बुझाकर शांत कराया और शिकायत दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ढाबे के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और चश्मदीदों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। जांच के आधार पर आरोपी अधिकारी के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

रतनगढ़ क्वाष्ट के लाइफ सेवियर्सः जब साक्षात यमराज बनकर आए कोबरा को डॉक्टरों ने दी शिकस्त

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रामीण अंचलों में यह मिथक आम है कि जहरीले काले नाग (कोबरा) का डसा व्यक्ति जीवित नहीं बचता, लेकिन रतनगढ़ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ ने अपनी सूझबूझ, अटूट कर्तव्यनिष्ठा और त्वरित चिकित्सा प्रबंधन से इस मिथक को मटियामेट कर दिया है।

ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. मोहन मुजाल्दे के कुशल मार्गदर्शन में अस्पताल की क्विक रिस्पॉन्स टीम ने एक ही रात में साक्षात मौत (कोबरा के डसने) का सामना कर रहे चार ग्रामीणों की जिंदगी बचाकर चिकित्सा जगत में एक अद्भुत मिसाल पेश की है। डॉक्टरों के इस जज्बे को देखकर पूरा क्षेत्र आज इन्हें धरती का भगवान कह रहा है।

जब आंखों के सामने छा गया था अंधेरा, डॉक्टरों ने लौटाया जीवन- अस्पताल में आए सर्पदंश के चारों मामले बेहद क्रिटिकल थे, जिनमें डॉक्टरों की एक सेकंड की भी देरी मरीज की जान ले सकती थी।

सबसे चुनौतीपूर्ण मामला देहपुर निवासी 25 वर्षीय दयाल का था। कोबरा के न्यूरोटॉक्सिक जहर ने दयाल के नर्वस सिस्टम पर इतनी तेजी से हमला किया कि अस्पताल पहुंचते-पहुंचते उसकी आंखों की रोशनी पूरी तरह जा चुकी थी और सांसें उखड़ रही थीं। ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों ने बिना पैनिक हुए तुरंत लाइफ सेविंग प्रोटोकॉल एक्टिव किया। महज कुछ ही मिनटों के भीतर 10 जीवन रक्षक एएसवी (एंटी-स्नेक वेनम) इंजेक्शन का सटीक डोज दिया गया। परिणाम किसी चमत्कार से कम नहीं था–इंजेक्शन लगते ही दयाल की आंखों की रोशनी वापस लौट आई और उसकी उखड़ती सांसें स्थिर हो गईं।

मजदूरों और बेसहारा मरीजों के लिए मसीहा बनी मेडिकल टीम- इसी तरह, रतलाम के मेसापुरा/बाजना निवासी 25 वर्षीय मजदूर मुन्ना, जो क्षेत्र में मजदूरी के दौरान काले नाग का शिकार हुआ था, उसे डॉक्टरों ने त्वरित उपचार देते हुए 12 एएसवी की प्रारंभिक हैवी डोज देकर सुरक्षित नीमच जिला अस्पताल रेफर किया। वहीं, जाट क्षेत्र के गोलडूंगरी में खेत पर काम कर रहे 38 वर्षीय आदिवासी मजदूर बापूलाल को भी डॉक्टरों ने तुरंत भर्ती कर सटीक एंटीडोट थेरेपी दी और मौत के मुंह से बाहर खींच लिया।

चौथे मामले में ग्राम सांडा की 45 वर्षीय बगदीबाई को जब समाजसेवी गोविंद सिंह सांडा अस्पताल लेकर पहुंचे, तो मरीज शॉक (स्द्धश्चष्द्म) में जा चुकी थी। डॉक्टरों की टीम ने तुरंत मोर्चा संभाला, 10 एंटीवेनम इंजेक्शन दिए और ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखकर उन्हें नीमच रेफर किया।

सीमित संसाधन, पर हौसला आसमान पर ये हैं असली नायक ग्रामीण क्षेत्र का यह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अक्सर संसाधनों की कमी से जूझता है, लेकिन डॉ. प्रांकुर यादव और डॉ. जसीम खान की जोड़ी ने नर्सिंग व सहयोगी स्टाफ चंचल प्रजापत, पवन भंडारी, तारेश ग्वाला, प्रियंका मेघवाल और नेहा गोले के साथ मिलकर जिस तल्लीनता और मुस्तैदी से काम किया, उसने साबित कर दिया कि बेहतरीन इच्छाशक्ति से हर आपदा को जीता जा सकता है।

जिला गरबा मंडल की बैठक सम्पन्न, आयोजन सनातन धर्म की परंपरा के अनुसार हो

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शनिवार को नपा सभागृह में जिला गरबा मंडल की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में दिनांक 11 अक्टूबर से प्रारंभ हो रहे नवरात्रि पर्व को हर्षोल्लास से मनाने व मंदसौर जिले के समस्त जो भी गरबा मंडल नवरात्रि पर्व में गरबा का आयोजन करते हैं, उन्हें समस्या नहीं आए तथा गरबा का आयोजन सनातन धर्म की परंपरा के अनुसार हो, इस पर विस्तृत चर्चा की गई।

जिला गरबा मंडल अध्यक्ष हिम्मत डांगी की अध्यक्षता व जिला गरबा मंडल संयोजक सावन सांखला, हिंदू जागरण मंच के प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य भगवान सिंह चौहान एड., संगठन मंत्री उमेश गोस्वामी, पूर्व नपा नेता प्रतिपक्ष डॉ. प्रीतिपाल सिंह राणा, वरिष्ठ पत्रकार ब्रजेश जोशी, पूर्व नपा उपाध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल, समाजसेवी हरिशंकर शर्मा, बंशी राठौर, सुरेश राठौर, शंकर डोडिया एड., वरदीचंद कुमावत, मनोज सांखला की विशेष उपस्थिति में सम्पन्न इस बैठक में बड़ी संख्या में जिला गरबा मंडल के पदाधिकारीगण भूपेंद्र सांखला, राजू अखेरिया, राकेश दुग्गड़, पार्षद गोवर्धन कुमावत, मनोहर घारू, जगदीश बैरागी बुगलिया, नवीन सकलेचा, पुलकित डांगी, मनोज चौधरी, वरदीचंद कुमावत, जयवर्धन गुप्ता, हेमराज खाबिया, अंकित चावड़ा सहित कई गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे। जिला गरबा मंडल अध्यक्ष हिम्मत डांगी ने कहा कि नवरात्रि पर्व के 9 दिन में हम सनातन धर्म की परंपरानुसार माता की धर्म आराधना करें तथा परंपरानुसार जहां गरबा होता है, हम वहां गरबा का आयोजन करें। गरबा मंडल के सदस्य ध्यान रखें कि फिल्मी गानों पर गरबा नहीं हो। गरबा मंडल के पदाधिकारी रसीद कट्टों व दुपट्टों पर माताजी व देवी-देवताओं का चित्र प्रिंट नहीं करवाएं। गरबा मंडल के सदस्य अपने गरबों में संदिग्ध प्रवृत्ति की महिला व पुरुष दोनों पर निगाह रखें। ऐसे लोग आभूषण चोरी व अन्य वारदात कर सकते हैं। माता की आराधना में आने वाली युवतियां व महिलाएं मर्यादित वस्त्र पहनें। जींस-टीशर्ट में किसी भी तरह से गरबा नहीं करें। गरबा आयोजक अपने क्षेत्र के थानों में गरबा आयोजन की सूचना देवें ताकि पुलिस बंदोबस्त हो सके। हिंदू जागरण मंच के भगवान सिंह चौहान एडवोकेट ने कहा कि व्यावसायिक गरबे नगर व पूरे जिले में कहीं नहीं होंगे। जो भी गरबों का आयोजन करे, माताजी की तस्वीर या मूर्ति स्थापित व घट स्थापना करके ही करे। गरबा में जो भी माता-बहनें प्रतिदिन गरबा देने आती हैं, वे सकुशल घर पहुंचें, यह गरबा मंडल की जिम्मेदारी है और सभी को इसे निभाना है। इस अवसर पर सुरेश राठौर, जयवर्धन गुप्ता एडवोकेट, ब्रजेश जोशी पत्रकार, संजय भाटी पत्रकार ने भी अपने सुझाव बैठक में रखे। बैठक में जिला संयोजक धर्मसेवी सावन सांखला का 101 मां अम्बे की तस्वीर भेंट करने का कार्यक्रम प्रतिवर्ष करने के कारण उनका पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया गया।

अंचल के प्रभावशाली धाकड़ परिवार के आंगन पहुंचे विधायक सखलेचा व पत्नी संगीता

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंगोली अंचल के राजनैतिक और सामाजिक क्षितिज पर अपनी गहरी पैठ रखने वाले जनप्रिय धाकड़ परिवार में संगठन और सत्ता के शीर्ष नेतृत्व का आत्मीय समागम देखने को मिला। सिंगोली भाजपा महिला मंडल मोर्चा की मंडल उपाध्यक्ष और क्षेत्र की बेहद कद्दावर व प्रखर महिला नेत्री श्रीमती संतोष धाकड़ के दोनों घुटनों का सफल ऑपरेशन हाल ही में अहमदाबाद के सुप्रसिद्ध कृष्णा शेलबी हॉस्पिटल में संपन्न हुआ।

अस्पताल में बिताए एक सप्ताह के दौरान देश और प्रदेश के कई शीर्ष व राष्ट्रीय स्तर के राजनेताओं ने दूरभाष पर लगातार उनके स्वास्थ्य की सुध ली, जो श्रीमती धाकड़ के व्यापक राजनैतिक कद और प्रभाव को स्पष्ट रूप से बयां करता है।

श्रीमती संतोष धाकड़ के सिंगोली आगमन की सूचना मिलते ही क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक ओमप्रकाश सखलेचा अपनी धर्मपत्नी श्रीमती संगीता सखलेचा के साथ सिंगोली नगर स्थित उनके निवास स्थान पर पहुंचे। विधायक ओमप्रकाश सखलेचा व उनकी पत्नी संगीता सखलेचा ने आवास पर पहुँचकर आत्मीयता के साथ उनके हाल-चाल और कुशलक्षेम को जाना। इस दौरान श्रीमती संगीता सखलेचा ने करीब 1 घंटे तक उनके समीप बैठकर ऑपरेशन के बाद की रिकवरी और डॉक्टरों की गाइडलाइंस पर गहन चर्चा की। विधायक दंपति ने उनके शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होकर पुनः जनसेवा के मैदान में सक्रिय होने की मंगलकामना की।

अंचल की राजनीति और समाज सेवा के धुरी हैं मोतीलाल-संतोष दंपति- क्षेत्र में इस राजनैतिक हलचल और उनके निवास पर उमड़ रहे जनसैलाब के पीछे धाकड़ दंपति का निस्वार्थ सेवाभाव है। नगर परिषद उपाध्यक्ष श्री मोतीलाल धाकड़ जहाँ अपनी बेदाग छवि, सहज उपलब्धता और हर वर्ग के सुख-दुख में सदैव तत्पर रहने के कारण सिंगोली की जनता के दिलों पर राज करते हैं।

चारा विकास योजना के हितग्राही की डेयरी का सीईओ जिला पंचायत ने किया निरीक्षण

वर्ष में छह बार चारा उत्पादन, पशुपालन व्यवसाय से प्रतिमाह करीब 1.50 लाख रुपये की आय

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा सेतु अभियान-सरकार आपके द्वार अंतर्गत मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अमन वैष्णव ने शनिवार को जीरन में चारा विकास योजना से लाभान्वित पशुपालक श्री उमेश कुमार शर्मा के खेत एवं डेयरी का निरीक्षण किया। उन्होंने खेत में उत्पादित चारे, पशुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं तथा तापमान नियंत्रण के लिए विकसित सुविधाओं का अवलोकन किया।

पशुपालक श्री शर्मा ने बताया कि चारा विकास योजना के तहत लगाए गए चारा फसल से वर्ष में लगभग छह बार चारा प्राप्त हो रहा है तथा एक वर्ष में करीब 100 क्विंटल तक चारा उत्पादन किया जा रहा है। इससे पशुओं के लिए पर्याप्त चारा उपलब्ध होने के साथ पशुपालन की लागत कम करने में भी मदद मिल रही है।

श्री शर्मा ने बताया कि उन्होंने दो गायों से पशुपालन व्यवसाय की शुरुआत की थी। वर्तमान में उनके पास 19 एचएफ नस्ल की गायें हैं, जिनसे प्रतिदिन करीब 100 लीटर दूध का उत्पादन हो रहा है। दुग्ध व्यवसाय से उन्हें लगभग 1.50 लाख रुपये प्रतिमाह की आय प्राप्त हो रही है।

उन्होंने बताया कि चारा उत्पादन की सुविधा से डेयरी संचालन में सहूलियत हुई है और पशुओं के लिए वर्षभर चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिल रही है।श्री वैष्णव ने पशुपालक द्वारा विकसित अन्य व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया गया। इस अवसर पर उप संचालक पशुपालन विभाग श्री ए.आर.धाकड़ सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ई स्कूटी वितरण योजना में 16 मेधावी छात्र-छात्राओं को मिली स्कूटी, आपकी मेहनत और लगन का पुरस्कार- सिसौदिया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश शासन की प्रतिभाशाली विद्यार्थी स्कूटी वितरण योजना के अंतर्गत शासकीय उत्कृष्ट उ. मा. विद्यालय मंदसौर में जिला स्तरीय ई स्कूटी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं स्वागत उद्बोधन जिला शिक्षा अधिकारी पंकज जाट ने दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा पाटीदार एवं विशेष अतिथि के रूप में पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रवक्ता यशपाल सिंह सिसौदिया उपस्थित रहे। अतिथि के रूप में नगर पालिका उपाध्यक्ष नम्रता चावला एवं वार्ड पार्षद सुनीता भावसार मंचासीन रहीं। अतिथियों का स्वागत पुष्पमाला द्वारा किया गया। नगर पालिका उपाध्यक्ष नम्रता चावला एवं वार्ड पार्षद सुनीता भावसार ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह योजना विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी है। विशेष अतिथि यशपाल सिंह सिसौदिया ने कहा कि यह ई. स्कूटी आपकी मेहनत और लगन का पुरस्कार है। जीवन में हमेशा बड़ा लक्ष्य रखें, अनुशासित रहें और अपने जिले व प्रदेश का नाम रोशन करें। मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा पाटीदार ने कहा कि बेटी-बेटा दोनों को समान शिक्षा मिलना जरूरी है। राज्य सरकार विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कृतसंकल्पित है। सभी विद्यार्थी यातायात नियमों का पालन करें और हेलमेट का उपयोग अवश्य करें। कार्यक्रम में ब्लॉक स्तर के 16 प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को अतिथियों द्वारा स्कूटी की चाबी वितरित की गई। स्कूटी पाकर छात्र-छात्राओं में हर्ष व्याप्त रहा। कार्यक्रम का संचालन सुश्री खुशबू शर्मा एवं विनोद जोशी ने किया। आभार प्राचार्य उत्कृष्ट विद्यालय केसी सोलंकी ने माना।

11 सूत्री मांगों को लेकर दुग्ध संघ के सीईओ को सौंपा ज्ञापन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन सहकारी दुग्ध संघ की 45वीं साधारण सभा के दौरान सचिव कर्मचारी संगठन शीत केंद्र मंदसौर के समस्त सचिवों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मुख्य कार्यपालन अधिकारी, उज्जैन सहकारी दुग्ध संघ उज्जैन को 11 सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन संगठन के अध्यक्ष नवल सिंह एवं सचिव मनोहर माली के नेतृत्व में सौंपा गया। इस दौरान सचिव कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों से मुख्य कार्यपालन अधिकारी को अवगत कराया तथा मांगों के निराकरण की मांग की। संगठन पदाधिकारियों ने बताया कि कर्मचारियों की लंबे समय से चली आ रही जायज मांगों को लेकर 11 सूत्री मांग पत्र सौंपा गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि संगठन की मांगों पर सकारात्मक रूप से विचार करते हुए जल्द उचित निर्णय लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत जीरन में सातवां शिविर संपन्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाने के उद्देश्य से शनिवार को जीरन में सेवा सेतू अभियान- सरकार आपके द्वारा अंतर्गत मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत सातवां समाधान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर सामुदायिक एवं व्यक्तिगत समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक नीमच श्री दिलीप सिंह परिहार ने कहा कि मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान शासन-प्रशासन को जनता के और अधिक निकट लाने तथा समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि कोई भी पात्र हितग्राही जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने जीरन में निर्मित हो रहे संदीपनी विद्यालय पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को शीघ्र लाभ मिलेगा।

श्री परिहार ने कहा कि जीरन क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार सहित विभिन्न विकास कार्य किए जा रहे हैं। पात्र हितग्राहियों को उज्ज्वला गैस कनेक्शन, आयुष्मान भारत, लाड़ली बहना, प्रधानमंत्री आवास, जल जीवन मिशन सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उन्होंने किसानों को खेती के साथ पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन से जोड़ने तथा युवाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। साथ ही जीरन को प्लास्टिक मुक्त बनाने में नागरिकों से जनभागीदारी का आह्वान किया।

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान प्रशासन और जनता के बीच विश्वास को मजबूत करने का माध्यम है। शिविर में प्राप्त आवेदनों का यथाशीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है।

ग्रामीणों ने रखीं विभिन्न समस्याएं- शिविर में ग्रामीणों ने सीमांकन, सीमा विवाद, पेंशन, फसल बीमा, आंगनवाड़ी, विद्यालय, सड़क सहित विभिन्न समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। विधायक एवं कलेक्टर ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं तथा नियमानुसार त्वरित निराकरण करने की बात कही।

विभागों द्वारा लगाई गई आकर्षक प्रदर्शनी- शिविर में स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग तथा पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा विभागीय योजनाओं एवं गतिविधियों से संबंधित प्रदर्शनी लगाई गई। अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

विद्यार्थियों एवं हितग्राहियों को वितरित किए हितलाभ- शिविर में एसएएम से पीड़ित बच्चों की माताओं को पोषण संबंधी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए 6 न्यूट्री बास्केट वितरित किए गए। पात्र विद्यार्थियों में से 7 विद्यार्थियों को लैपटॉप एवं स्कूटी तथा खिलाड़ी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 2 बालिकाओं को 25-25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। उच्च शिक्षा विभाग की छात्रवृत्ति 22 विद्यार्थियों को, संबल योजना का लाभ 3 हितग्राहियों को, राष्ट्रीय पेंशन योजना का लाभ 4 हितग्राहियों को तथा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का लाभ 9 हितग्राहियों को दिया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।

शिविर के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव,वनमण्डलाधिकारी श्री एस के अटोदे,नगर परिषद अध्यक्ष श्री रामकरण सकवारिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जीरन का निरीक्षण, मरीजों से ली स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा सेतु अभियान- 'सरकार आपके द्वार' के अंतर्गत मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जीरन का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में उपचाररत मरीजों से चर्चा कर उन्हें मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं, उपचार एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली। श्री वैष्णव ने ओपीडी का निरीक्षण कर चिकित्सकों से प्रतिदिन आने वाले मरीजों की संख्या एवं विभिन्न प्रकार के रोगियों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सकों की उपस्थिति एवं मरीजों को प्रदान किए जा रहे उपचार की भी जानकारी ली। अस्पताल में उपचार व्यवस्था, स्वच्छता एवं चिकित्सकों की उपलब्धता पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया। इसके उपरांत उन्होंने मेडिकल ऑफिसर से अस्पताल में होने वाले प्रसव, उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान मेडिकल ऑफिसर ने अस्पताल में वाहन चालक की आवश्यकता से अवगत कराया। इस पर जिला पंचायत सीईओ ने आवश्यक कार्रवाई के लिए आश्वस्त किया। उन्होंने अस्पताल में मरीजों के पंजीयन सहित अन्य व्यवस्थाओं की भी जानकारी ली। श्री वैष्णव ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या अथवा कमी होने पर तत्काल अवगत कराएं, ताकि उसका समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जा सके।

सम्पादकीय

सुपरइंटेलिजेंस का बढ़ते खतरे के बीच भारत के सामने बड़ी चुनौती

दो अक्टूबर को हम महात्मा गांधी की जयंती के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाते हैं। इस वर्ष यह तारीख एक परेशान करने वाली चेतावनी के साथ आई है। इस समय मानवता को इस सदी के नहीं बल्कि शायद इस दशक के अंत तक ही अस्तित्व के संकट से जूझना पड़ सकता है। खुद मानवता के खत्म होने से ज्यादा हिंसक शायद ही कोई काम हो सकता है।

ओपनएआई और एंथ्रोपिक के लिए काम करने वाले जेकब कॉक्सन ने चेतावनी दी है कि ये कंपनियां 'तेजी से खुद को बेहतर बनाने वाली सुपरइंटेलिजेंस की ओर बढ़ रही हैं' और 'हमारी जिंदगी को दांव पर लगा रही हैं।'

यह केवल बयानबाजी नहीं है। आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) जल्द ही अपनी क्षमताओं में इतनी तेजी से सुधार कर सकती है कि शोधकर्ताओं के लिए उसे समझना या नियंत्रित करना मुश्किल हो जाए। कई देशों को लगता है कि इस मामले में उनकी भूमिका बहुत सीमित है क्योंकि अत्याधुनिक एआई का विकास मुख्य रूप से अमेरिका और चीन की कुछ ही प्रयोगशालाओं में केंद्रित है। लेकिन अमेरिका और चीन के बीच तकनीकी और रणनीतिक वर्चस्व की होड़ को देखते हुए एकतरफा संयम की संभावना कम है। यदि एक देश अपनी गति धीमी करता है तो दूसरा तेजी से आगे निकल सकता है।

एआई के शासन और नियमन को दो जोखिमों से निपटना होगा- सुपरइंटेलिजेंस के खतरे और महज दो देशों में इसके अत्यधिक संकेंद्रण के खतरे। अत्याधुनिक एआई को तेज-धीमा करने या उस पर अंकुश लगाने के फैसले का असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। एआई की क्षमताएं भले ही कुछ देशों में केंद्रित हों लेकिन परिणाम पूरी दुनिया को भुगतने होंगे।

अमेरिका-चीन धुरी से बाहर की पहलों में यूरोपीय संघ का एआई अधिनियम दुनिया का पहला बाध्यकारी एआई कानून है जिसने जोखिम-आधारित नियामकीय ढांचा स्थापित किया है। यह कुछ हानिकारक गतिविधियों पर रोक लगाता है, चिह्नित उच्च-जोखिम वाली प्रणालियों के लिए पारदर्शिता और जोखिम-प्रबंधन संबंधी आवश्यकताएं लागू करता है और सामान्य-उद्देश्य वाले एआई मॉडलों पर भी दायित्व तय करता है। इनमें उन मॉडलों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय भी शामिल हैं जो प्रणालीगत जोखिम पैदा कर सकते हैं। यूरोपीय संघ का बड़ा बाजार इन नियमों को खासा महत्त्वपूर्ण बनाता है और दुनिया भर के डेवलपर्स को इन्हें ध्यान में रखने के लिए प्रेरित करता है।

तेजी से अधिक सक्षम और संभावित रूप से खुद को बेहतर बनाने वाले एआई के उभरने से अब एक नया नियामकीय सवाल सामने आने लगा है। यूरोपीय संघ का एआई अधिनियम मुख्य रूप से इस आधार पर तैयार किया गया है कि एआई प्रणाली का इस्तेमाल कैसे और कहां किया जा रहा है और उससे जुड़े जोखिम क्या हैं। भविष्य की अत्याधुनिक एआई प्रणालियों के मामले में हमें इस पर भी उतना ही विचार करना पड़ सकता है कि कोई मॉडल आगे चलकर क्या करने में सक्षम हो सकता है।

जो प्रणाली आरंभ में कम जोखिम वाले किसी काम में इस्तेमाल हो रही हो वह क्षमताओं के विस्तार के साथ ऐसे कार्य करने में सक्षम हो सकती है, जिनका प्रभाव कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण हो। उदाहरण के लिए ग्राहक सेवा के लिए इस्तेमाल होने वाला एआई गलतियों की पहचान करने और अपने स्तर पर उन्हें सुधारने की क्षमता हासिल कर सकता है।

इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होगा कि यदि इन क्षमताओं में कोई महत्त्वपूर्ण बदलाव आता है और उसके संभावित रूप से खतरनाक परिणाम हो सकते हैं तो नियमन और शासन-व्यवस्था उसके अनुरूप प्रतिक्रिया दे सके। भारत के पास अभी अत्याधुनिक या सुपरइंटेलिजेंस स्तर की एआई क्षमता नहीं है और एआई को लेकर उसकी रणनीति तत्काल जरूरतों यानी विकास के लक्ष्यों और उत्पादकता में सुधार से निर्धारित होती है।

अब तक भारत ने एआई के नियमन के प्रति एक व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाया है। एआई के उपयोगकर्ता के रूप में ही नहीं, बल्कि इसके वैश्विक भविष्य में एक हितधारक के रूप में भी भारत के सामने एक रणनीतिक अवसर और जिम्मेदारी है। अभूतपूर्व स्तर पर डिजिटल बुनियादी ढांचा तैयार करने में सफलता सुपरइंटेलिजेंस पर वैश्विक बहस को प्रभावित करने की भारत की क्षमता को और मजबूत करती है।

भारत एआई के लिए ऐसे नियमन विकसित करने पर विचार कर सकता है जिसमें अलग-अलग क्षमता-सीमाएं तय की जाएं। इन सीमाओं को पार करने पर परीक्षण, निगरानी और एआई की तैनाती से जुड़ी आवश्यकताएं क्रमशः अधिक कड़ी होती जाएं। ऐसा ढांचा परमाणु सामग्री की सुरक्षा जरूरतों या रोगजनकों के लिए निर्धारित जैव-सुरक्षा स्तरों जैसा हो सकता है।

जैसे-जैसे एआई प्रणालियां स्वायत्त होती जाएं, उनकी तैनाती से पहले आवश्यक प्रमाण और परीक्षण का स्तर भी बढ़ना चाहिए। इसके लिए इंडिया एआई मिशन को मॉडल मूल्यांकन, इंटरप्रेटेबिलिटी, एआई सुरक्षा और स्वायत्त प्रणालियों के आकलन में निवेश करना होगा, ताकि इस ढांचे को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। भारत के जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम को विश्वस्तरीय समाधान विकसित करने के लिए इस दिशा में सक्रिय किया जा सकता है। वास्तविक समय में नीति-निर्माण की चुनौती से भी निपटना होगा। नियमन को अनुकूलनशील होना चाहिए, उसमें लगातार निगरानी का प्रावधान होना चाहिए और नई तरह के जोखिम सामने आने पर कार्रवाई करने के लिए संबंधित प्राधिकरणों को आवश्यक अधिकार दिए जाने चाहिए। स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थितियों के दौरान दवाओं के आपातकालीन उपयोग की अनुमति और विमानन क्षेत्र में लागू प्रक्रियाएं जो नए सुरक्षा जोखिमों की पहचान होने पर कार्रवाई की अनुमति देती हैं, इसके लिए उपयोगी मॉडल हो सकती हैं।

सहज योग ध्यान : विचार-शून्य निर्विकल्प समाधि का सहज मार्ग

विचार शून्यता वह स्थिति है जहाँ मन पूरी तरह शांत और सचेत रहता है। यही अवस्था गहन ध्यान की अवस्था है जो हमें स्वयं से और पूरे ब्रम्हांड में फैले परा शक्ति से जोड़ता है। हमारी इस स्थिति की अभिव्यक्ति हमारे मध्य नाड़ी तंत्र पर होती है।

ध्यान मार्ग पर अग्रसर सभी साधकों को निर्विचार होना सबसे कठिन लगता है। हम सप्रयास ध्यान करते हैं तो असहजता महसूस होती है और विचार पीछा नहीं छोड़ते। इसका सबसे बड़ा कारण हमारा संतुलित ना होना ही होता है। सहजयोग की ध्यान पद्धति हमारी बाई ओर की ईडा नाड़ी और दाहिनी ओर की पिंगला नाड़ी को संतुलित करती है। बाई ओर की नाड़ी हमारे भूतकाल की और दाहिनी ओर की नाड़ी हमारे भविष्य काल की नाड़ी है। पंचतत्वों के प्रभाव से जब नाड़ियां संतुलित होती हैं। तब हमारे मन को अतीत के पछतावे और भविष्य की चिंताओं से मुक्त करती है जिससे कुंडलिनी शक्ति का सहज जागरण होता है, मध्य नाड़ी में स्थित चक्र भी संतुलित होते हैं और हमारे अंदर परा शक्ति के चैतन्य का बहाव होने लगता है। यह एक बहुत ही सुखद अवस्था है, जिसकी अनुभूति हमें ध्यान मार्ग के उच्च अवस्था में ले जाता है। अतः हमारे अंदर स्थित कुंडलिनी शक्ति का जागरण आत्मसाक्षात्कार के माध्यम से होना आवश्यक है, तभी हम निर्विकल्प समाधि की इस अवस्था का अनुभव कर सकते हैं, जो वास्तविक मानसिक शांति और आनंद का स्त्रोत है। यही हमारे आंतरिक विकास की प्रक्रिया है और हम मानव का, सर्वोच्च गौरव? आत्मस्वरुप को पा लेते हैं।

इस अवस्था में हम वर्तमान में होते हैं। हम घटनाओं और दृश्यों को देखते हैं लेकिन विचारों में नहीं उलझते। यह साक्षी भाव है जो हमारे अंदर जागृत हो जाता है। सातों चक्र के अलग अलग गुण हैं। चक्र की जागृति के पश्चात यह गुण हममें स्वयं ही प्रगट होने लगते हैं।

रूढ़ियों को धूल चटाकर स्वर्ण छीनने वालीं...

नागोया में भारतीय बेटियों ने स्वर्णिम सफलताओं से ऐसा इतिहास रचा, जिसकी गूंज पदकों की खनक से कहीं आगे तक सुनाई देती है। हॉकी के मैदान पर निर्णायक गोल, शूटिंग रेंज में अचूक निशाना और गोल्फ कोर्स पर असाधारण कौशल ने एशियाई खेलों में भारत की महिला शक्ति का नया अध्याय खोल दिया। लालरेमसियामी, नीरू धांदा और प्रणवी उर्स की उपलब्धियां महज खेल विजय नहीं, बल्कि उन सपनों की शानदार परिणति हैं, जो सामाजिक रूढ़ियों और अवसरों के अभाव के बीच भी पलते रहे। इन बेटियों ने अपने दमखम, दृढ़ संकल्प और बेजोड़ प्रतिभा से साबित कर दिया कि भारतीय महिलाएं अब केवल संभावनाओं की प्रतीक नहीं, बल्कि हर चुनौती को भेदकर इतिहास रचने वाली शक्ति हैं।

चार दशक से अधिक की कसक को भारतीय महिला हॉकी टीम ने चीन के खिलाफ ऐतिहासिक गोल से स्वर्णिम विजय में बदल दिया। एशियन गेम्स के फाइनल में 1-0 की जीत के साथ भारत ने 1982 के बाद पहली बार हॉकी का स्वर्ण हासिल किया। दसवें मिनट में लालरेमसियामी के टॉमहॉक शॉट ने चीन की रक्षापंक्ति को भेदकर भारत को निर्णायक बढ़त दिलाई। इसके बाद चीन ने बराबरी के लिए पूरी ताकत झोंक दी, लेकिन गोलकीपर सविता पूनिया की शानदार सेव्स और रक्षापंक्ति की मुस्तैदी ने उसके हर वार को नाकाम कर दिया। भारतीय खिलाड़ियों का अनुशासन, तालमेल और आखिरी दम तक संघर्ष इस जीत की असली ताकत बना। इस कामयाबी ने 44 वर्षों का इंतजार खत्म करने के साथ भारत के लिए 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक का सीधा टिकट भी पक्का कर दिया।

नीरू धांदा ने ट्रैप शूटिंग में स्वर्ण जीतकर भारतीय खेल इतिहास में नया कीर्तिमान रच दिया। एशियन गेम्स की व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण हासिल करने वाली वे पहली भारतीय महिला बनीं। अटूट एकाग्रता, मानसिक दृढ़ता और अचूक निशाने के दम पर उन्होंने वर्षों की साधना को ऐतिहासिक सफलता में बदला। शूटिंग में जरा-सी चूक भी जीत छीन सकती है, लेकिन नीरू ने साबित किया कि लक्ष्य पर नजर के साथ मन पर नियंत्रण भी जरूरी है। उनकी उपलब्धि गांवों और छोटे शहरों में सीमित संसाधनों के बीच बड़े सपने देखने वाली हजारों लड़कियों के लिए प्रेरणा है। उन्होंने दिखाया कि दृढ़ संकल्प और अवसर से कठिन से कठिन लक्ष्य भी हासिल किया जा सकता है।

गोल्फ के मैदान पर प्रणवी उर्स ने अपने धैर्य, कौशल और एकाग्रता से भारतीय खेल इतिहास में स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया। एशियन गेम्स की व्यक्तिगत स्ट्रोक प्ले स्पर्धा में स्वर्ण जीतकर वे यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। हर शॉट में तकनीक, परिस्थितियों के आकलन और रणनीति की कसौटी पर खरी उतरते हुए प्रणवी ने प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ दिया। उनके प्रदर्शन ने साबित किया कि गोल्फ में ताकत से अधिक सूझबूझ, धैर्य और आत्मसंयम मायने रखते हैं। उनकी जीत ने इस धारणा को भी तोड़ा कि गोल्फ कुछ खास वर्गों तक सीमित खेल है। प्रणवी की यह उपलब्धि उन युवतियों के लिए नई राह है, जो गोल्फ में अपना भविष्य तलाश रही हैं।

स्वर्णिम सफलताओं की यह लहर तीरंदाजी से मुक्केबाजी तक पहुंची। अंकिता भकत, कीर्ति शर्मा और कुमकुम मोहोद की रिकर्व टीम ने दक्षिण कोरिया को 5-3 से हराकर पहली बार एशियन गेम्स का स्वर्ण जीता। कुमकुम ने व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। मुक्केबाजी में लवलीना बोरगोहेन ने अपने जन्मदिन पर 75 किलोग्राम वर्ग में चीन की बाओ जियी को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि परवीन हुड्डा ने 65 किलोग्राम वर्ग में चीनी ताइपेई की चेन निएन-चिन को 3-2 से हराकर खिताब पक्का किया। इन जीतों में अचूक निशाने, दमदार मुक्कों और दबाव में फैसले लेने के कौशल की झलक दिखी। इन उपलब्धियों ने साबित किया कि भारतीय बेटियां तीरंदाजी से मुक्केबाजी तक हर खेल में अपनी प्रतिभा और परिश्रम से पहचान बना रही हैं।

मैदान पर चमकते पदकों के पीछे वर्षों की मेहनत और मजबूत खेल व्यवस्था की भूमिका है। बेहतर प्रशिक्षण, सरकारी सहायता, निजी प्रायोजन, आधुनिक तकनीक और मानसिक प्रशिक्षण ने खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए तैयार किया है। अब सफलता शारीरिक क्षमता के साथ पोषण, रणनीति, अनुशासन और मानसिक मजबूती पर भी निर्भर है। हालांकि, प्रतिभा और अवसर के बीच की खाई अब भी बनी हुई है। अनेक लड़कियां सामाजिक रूढ़ियों, आर्थिक तंगी और संसाधनों की कमी से जूझ रही हैं। परिवार का प्रोत्साहन, प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन और संस्थागत सहयोग उनकी राह आसान बना सकते हैं। नागोया की उपलब्धियां बताती हैं कि बेटियों को अवसर मिलने पर उनकी जीत पदकों से आगे बढ़कर समाज की सोच भी बदल सकती है। एशियन गेम्स के स्वर्ण पदक नई मंजिलों की राह खोल रहे हैं। महिला हॉकी टीम के सामने 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में इस सफलता को विश्वस्तरीय प्रदर्शन में बदलने की चुनौती है। नीरू धांदा और प्रणवी उर्स जैसी खिलाड़ियों की उपलब्धियां नई पीढ़ी की लड़कियों को शूटिंग, गोल्फ, हॉकी, तीरंदाजी और मुक्केबाजी के लिए प्रेरित कर सकती हैं। इसके लिए सफलताओं को भविष्य की तैयारी में बदलते हुए खिलाड़ियों को निरंतर प्रशिक्षण, संसाधन और अंतरराष्ट्रीय अनुभव देना होगा। पदकों के साथ ऐसी खेल व्यवस्था बनाना भी जरूरी है, जहां अगली पीढ़ी को प्रतिभा साबित करने में अनावश्यक बाधाएं न झेलनी पड़ें। किसी भी जीत की असली ताकत उस बदलाव में होती है, जो वह अपने पीछे छोड़ती है। नागोया में भारतीय बेटियों के प्रदर्शन को भी इसी कसौटी पर परखा जाएगा। उनकी कामयाबी तभी दूरगामी असर छोड़ेगी, जब खेल को लड़कियों के लिए असाधारण विकल्प नहीं, सहज अवसर माना जाएगा। इसके लिए जरूरी है कि परिवारों का भरोसा मजबूत हो, सामाजिक सोच बदले और खेल संस्थाएं प्रतिभा को आगे बढ़ने का निष्पक्ष अवसर दें। मैदान पर बेटियों ने अपनी क्षमता का प्रमाण दे दिया है; अब उन्हें आगे बढ़ने के लिए अनुकूल माहौल देना देश की जिम्मेदारी है। यही बदलाव इन उपलब्धियों को स्थायी विरासत में बदलेगा।

-प्रो. आरके जैन

विश्व को चिंतित करने वाली घटना

भारतीय पायलट कैप्टन स्मित की बहादुरी और सूझबूझ की प्रशंसा इस समय पूरी दुनिया में हो रही है। उन्होंने जिस साहस और कौशल का परिचय देते हुए फ्लाई दुबई की फ्लाइट को एक सह-पायलट के विमान को क्रैश करने के इरादे को नाकाम किया, वह अकल्पनीय है। दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाई दुबई की फ्लाइट में ओमान मूल के सह पायलट ने अचानक कैप्टन स्मित पर हमला कर दिया।

माना जा रहा है कि हमलावर विमान का नियंत्रण अपने हाथ में लेकर उसे गिराना चाहता था। सोचिए उस समय विमान में बैठे लोगों की क्या स्थिति हुई होगी, जब काकपिट में हिंसक संघर्ष के दौरान विमान लगभग 17,400 फीट नीचे आ गया। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद कैप्टन स्मित ने अदम्य साहस से सह पायलट से संघर्ष किया और काकपिट का दरवाजा खोलने में सफल हुए। बाहर से काकपिट का दरवाजा नहीं खोला जा सकता। अगर स्मित दरवाजा नहीं खोलते तो कुछ भी हो सकता था। दरवाजा खुल जाने के कारण ही यात्री मदद के लिए अंदर आ सके और यात्री के रूप में बैठे दो पायलटों ने विमान को नियंत्रण में लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने बिल्कुल सही कहा कि कैप्टन स्मित ने बहादुरी से मुकाबला कर 9/11 जैसी एक और घटना को होने से रोक दिया। इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने भी उन्हें 9/11 की पुनरावृत्ति रोकने वाला बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भी भारतीय पायलट की प्रशंसा की। जिन्हें भी हवाई जहाज उड़ाने का अनुभव है, वे इस घटना को असाधारण बहादुरी मानते हैं। दुर्भाग्यवश भारत में कुछ ऐसे नैरेटिव निर्माता भी हैं, जो इसे इजरायल का फाल्स फ्लैग आपरेशन यानी स्वयं की ओर से की गई कार्रवाई बताकर शर्मनाक हरकत कर रहे हैं। इन कुंठित लोगों पर चर्चा की आवश्यकता नहीं, क्योंकि संपूर्ण विश्व के समाचार पत्रों ने इस पर टिप्पणियां छापी हैं। इसके अतिरिक्त जांच आरंभ हो गई है और सारी सच्चाई सामने आ जाएगी।

इस घटना से 11 सितंबर, 2001 को अमेरिका में हुए आतंकी हमले की स्वाभाविक ही चर्चा आरंभ हो गई है, जो इस सदी की पहली सबसे बड़ी और पूरी दुनिया को हिला देने वाली आतंकी घटना थी। उस दिन आतंकियों ने चार विमानों का अपहरण किया था। पहले विमान को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के उत्तरी टावर से टकराया गया। कुछ देर बाद दूसरा अपहृत विमान वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के दक्षिणी टावर से टकराया गया।

इससे वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के दोनों टावर ताश के पत्तों की तरह ढह गए। तीसरे विमान को वाशिंगटन के रक्षा मुख्यालय पेंटागन से टकराया गया। चौथा विमान पेंसिल्वेनिया के पीट्सबर्ग में ध्वस्त हो गया था। उसका निशाना कैंप डेविड था। अमेरिका उन हमलों को नहीं रोक पाया था। 9/11 हमले में शामिल आतंकी अच्छी डिग्री वाले उच्च परिवारों के थे। इनका उद्देश्य अमेरिका के अहम को ध्वस्त करना था। ओमानी सह पायलट विमान को कहां टकराना चाहता था, अभी इसकी जानकारी नहीं।

-सुनील कुमार महला

एसआईआरः लोकतंत्र की शुचिता और विश्वास की कसौटी

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसका मतदाता है और मतदाता की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पहचान उसका मताधिकार है। इसलिए मतदाता सूची केवल नामों का प्रशासनिक दस्तावेज नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है। जिस व्यक्ति का नाम पात्र होते हुए मतदाता सूची में नहीं है, उसकी लोकतांत्रिक भागीदारी अधूरी रह जाती है और जिस व्यक्ति की मृत्यु हो चुकी हो, जो स्थानांतरित हो गया हो अथवा जिसका नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज हो, उसका नाम सूची में बने रहना चुनाव की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े करता है। इसी दृष्टि से मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रक्रिया है। लेकिन इसकी सफलता केवल गलत या अपात्र नाम हटाने से नहीं, बल्कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम सुरक्षित रखने और छूटे हुए मतदाताओं को वापस जोड़ने से तय होगी। निर्वाचन आयोग ने 2026 में एसआईआर की प्रक्रिया को कई राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों तक विस्तारित किया है। आयोग के कार्यक्रम में घर-घर जाकर सत्यापन, प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन, दावे और आपत्तियां लेने तथा अंतिम सूची प्रकाशित करने जैसी प्रक्रियाएं निर्धारित की गई हैं। यह भी ध्यान देने योग्य है कि 27 मई 2026 को सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार में किए गए एसआईआर की वैधानिकता को बरकरार रखा और माना कि निर्वाचन आयोग को संविधान के अनुच्छेद 324 तथा जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत ऐसी प्रक्रिया संचालित करने का अधिकार है। न्यायालय ने यह भी माना कि प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची की शुद्धता और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों की रक्षा से जुड़ा वैध उद्देश्य है।

एसआईआर के दौरान बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने को लेकर स्वाभाविक रूप से राजनीतिक और सामाजिक बहस पैदा हुई है। लेकिन बेवजह चुनाव आयोग एवं मुख्य चुनाव आयुक्त को लेकर विवाद खड़े किये जाने की स्थितियां विडम्बनापूर्ण है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार नौ राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों की संयुक्त मतदाता सूची में एसआईआर के बाद 10.2 प्रतिशत की कमी हुई और 66,88,636 मृत मतदाताओं के नाम हटाए गए। इसी प्रक्रिया में आपत्तियों और जांच के बाद 63.16 लाख नाम भी हटाए गए। इन आंकड़ों को केवल एक राजनीतिक दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा। इनमें एक ओर मृत, स्थानांतरित या दोहराए गए नामों को हटाने की प्रशासनिक आवश्यकता दिखाई देती है, तो दूसरी ओर इतनी बड़ी संख्या में नामों में परिवर्तन यह भी बताता है कि मतदाता सूची को नियमित रूप से अद्यतन करते रहना कितना आवश्यक है। यहीं से इस पूरी प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण कसौटी सामने आती है। यदि किसी अपात्र व्यक्ति का नाम हटाना लोकतंत्र की शुचिता के लिए जरूरी है, तो किसी पात्र नागरिक का नाम गलती से हट जाना भी उतनी ही गंभीर समस्या है। मतदाता सूची को शुद्ध करने और मतदाता अधिकार को सुरक्षित रखने के बीच संतुलन ही एसआईआर की वास्तविक सफलता है। इस दृष्टि से निर्वाचन आयोग का हालिया विशेष अभियान महत्वपूर्ण है। 2 अक्टूबर 2026 को आयोग ने एसआईआर पूरी कर चुके राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में उन पात्र मतदाताओं को फिर से सूची में शामिल करने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया, जिनके नाम पुनरीक्षण के दौरान छूट गए हों। पहली बार मतदान करने वाले और नए पात्र युवा मतदाताओं के पंजीकरण पर भी जोर दिया गया है।

इस अभियान में बूथ स्तर के अधिकारियों को एसआईआर से पहले की मतदाता सूची और वर्तमान सूची का मिलान कर उन लोगों की पहचान करने को कहा गया है जिनके नाम पहले मौजूद थे लेकिन अंतिम सूची में नहीं हैं। इसके बाद घर-घर जाकर सत्यापन और पात्र पाए जाने पर मौके पर ही फॉर्म-6 प्राप्त करने की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक बूथ स्तर अधिकारी के लिए प्रति सप्ताह 20 से 25 मतदाताओं के सत्यापन और लगभग एक महीने में अभियान पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। राजनीतिक दलों के बूथ स्तर एजेंटों के साथ संबंधित सूचियां साझा करने का निर्देश भी पारदर्शिता की दृष्टि से उल्लेखनीय है। यही वह बिंदु है जहां मतदाता सूची के पुनरीक्षण को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से आगे ले जाने की आवश्यकता है।

विपक्षी दलों ने एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं और कहा है कि इससे पात्र नागरिकों के मताधिकार पर असर पड़ सकता है। दूसरी ओर निर्वाचन आयोग का कहना है कि उसका उद्देश्य मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करना है। इन दोनों पक्षों के बीच अंतिम निष्कर्ष राजनीतिक बयानबाजी से नहीं, बल्कि पारदर्शी आंकड़ों, दस्तावेजी प्रमाण, आपत्ति और अपील की प्रभावी व्यवस्था तथा स्वतंत्र जांच से निकलना चाहिए। किसी राजनीतिक दल के आरोप को स्वतः सत्य मान लेना भी उचित नहीं है और किसी शिकायत को केवल राजनीतिक आरोप कहकर खारिज कर देना भी लोकतांत्रिक दृष्टि से उचित नहीं होगा।

भारतीय लोकतंत्र में निर्वाचन आयोग की संवैधानिक भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मतदाता सूची की शुद्धता बनाए रखना उसी जिम्मेदारी का अनिवार्य हिस्सा है। आयोग के डिजिटल पोर्टल पर मतदाता अपना नाम खोज सकते हैं, अंतिम एसआईआर सूची देख सकते हैं, नया पंजीकरण करने के लिए फॉर्म-6 भर सकते हैं, आवेदन की स्थिति देख सकते हैं और शिकायत भी दर्ज कर सकते हैं। यह व्यवस्था नागरिकों को केवल प्रशासन पर निर्भर रहने के बजाय स्वयं अपने मतदाता अधिकार की जांच करने का अवसर देती है। लेकिन केवल तकनीक पर्याप्त नहीं है। भारत की सामाजिक और भौगोलिक विविधता को देखते हुए ऐसे नागरिक भी हैं जिनके पास डिजिटल साधनों की सीमित पहुंच है। गरीब, श्रमिक, प्रवासी, बेघर, वृद्ध, दिव्यांग और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक प्रशासन को स्वयं पहुंचना होगा। आयोग ने विशेष अभियान के अंतर्गत बूथ स्तर के शिविरों तथा रात के आश्रयस्थलों, श्रमिक बस्तियों, बेघर और अन्य वंचित समूहों के लिए विशेष शिविरों का निर्देश भी दिया है। यही दृष्टिकोण मतदाता सूची को केवल कागजी शुद्धता से आगे बढ़ाकर वास्तविक लोकतांत्रिक समावेशन से जोड़ता है।

यह भी समझना होगा कि मतदाता सूची में सुधार कोई एक बार होने वाला अभियान नहीं हो सकता। शहरों में तेजी से बढ़ता प्रवास, गांवों से शहरों की ओर पलायन, विवाह के बाद निवास परिवर्तन, युवाओं का 18 वर्ष की आयु पूरी करना, मृत्यु और एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरण लगातार होते रहते हैं। इसलिए आयोग स्वयं मतदाता पंजीकरण को सतत प्रक्रिया मानता है और पात्र नागरिकों के लिए फॉर्म-6 के माध्यम से पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराता है। वास्तविक चुनौती यह है कि पुनरीक्षण के दौरान हटे हुए प्रत्येक नाम के पीछे एक नागरिक हो सकता है। इसलिए हर हटाए गए नाम को संदेह की दृष्टि से देखना और हर शिकायत को गंभीरता से सुनना आवश्यक है। इसी तरह हर पुराने नाम को केवल इसलिए बनाए रखना भी उचित नहीं होगा कि वह पहले सूची में था। लोकतंत्र में मतदाता सूची का सिद्धांत स्पष्ट होना चाहिए-न पात्र व्यक्ति छूटे और न अपात्र व्यक्ति मतदान व्यवस्था में बना रहे।

लोकतंत्र की मजबूती का अर्थ केवल अधिक मतदान प्रतिशत नहीं है। उसका अर्थ यह भी है कि जो पात्र नागरिक मतदान करना चाहता है, उसे मतदाता सूची में स्थान मिले, जो व्यक्ति मतदान के योग्य नहीं है, उसका नाम नियमपूर्वक हटे, शिकायत करने वाले को सुनवाई मिले और अंतिम निर्णय पारदर्शी प्रक्रिया से हो। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा बिहार एसआईआर की वैधानिकता को स्वीकार किए जाने का अर्थ भी यही है कि मतदाता सूची की शुद्धता का संवैधानिक महत्व है, साथ ही प्रक्रिया में निर्धारित सुरक्षा उपायों का पालन आवश्यक है। इसलिए आज आवश्यकता एसआईआर के पक्ष या विपक्ष में खड़े होने से अधिक महत्वपूर्ण उस प्रक्रिया को इतना पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने की है कि किसी पात्र नागरिक को अपने मताधिकार के लिए संघर्ष न करना पड़े। भारतीय लोकतंत्र की शक्ति चुनाव कराने में ही नहीं, बल्कि हर योग्य नागरिक को चुनाव में भाग लेने का समान अवसर देने में है। मतदाता सूची का शुद्धीकरण लोकतंत्र की सफाई है, लेकिन उस सफाई में कोई निर्दोष नागरिक बाहर न रह जाए, इसकी जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी है। एसआईआर तभी अपने व्यापक उद्देश्य को पूरा करेगा जब शुद्धता और समावेश, दोनों साथ चलें।

-ललित गर्ग

गिरफ्तारी के आधार जानना मौलिक अधिकार

समाज में गिरफ्तारी को एक कलंक की तरह देखा जाता है। गिरफ्तारी का असर व्यक्ति की सेहत और दिमाग पर भी पड़ सकता है। संविधान हमें गरिमा से जीने का अधिकार देता है और उसमें कोई भी दखल कानून द्वारा तय की गई प्रक्रिया का पालन किए बिना नहीं दिया जा सकता।

संविधान के अनुच्छेद 22(1) में यह प्रविधान है कि किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार करने पर उसे जितनी जल्दी हो सके, गिरफ्तारी के आधारों के बारे में बताया जाए। हाल में सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रविधान का उल्लंघन करने पर कड़ा रुख अपनाया है। अनुच्छेद 22(2) में यह भी प्रविधान है कि किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करने और अभिरक्षा में लेने के 24 घंटे के अंदर उसे नजदीकी मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत किया जाए और बिना मजिस्ट्रेट की अनुमति के उसे 24 घंटे से अधिक की अवधि तक अभिरक्षा में न रखा जाए।

गिरफ्तारी के आधार के बारे में बताने का यही प्रविधान दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 50 (भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 47) में और 24 घंटे के अंदर मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत करने का प्रविधान सीआरपीसी की धारा 57 (भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 58) में किया गया है, परंतु यह सूचना किस प्रकार अर्थात मौखिक या लिखित स्वरूप में दी जाए, इसका स्पष्ट प्रविधान नहीं किया गया है।

आरोपित को सूचना देने का तरीका मौखिक हो या लिखित, इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट ने संविधान और कानून के प्रविधानों की व्याख्या की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि आरोपित को गिरफ्तारी के आधारों की सूचना देने का उद्देश्य उसे अपने बचाव की तैयारी करने का पर्याप्त मौका देना है, ताकि वह पुलिस रिमांड या न्यायिक अभिरक्षा का विरोध कर सके और जमानत की मांग कर सके। यह प्रविधान केवल प्रक्रियात्मक औपचारिकता नहीं है, बल्कि संविधान में प्रदत्त अधिकारों की समुचित रक्षा करने के लिए है।

कोर्ट ने कहा है कि दो कारणों से लिखित में सूचना देना आवश्यक है। प्रथम, मौखिक सूचना देने से तथ्यात्मक जानकारी के आदान-प्रदान में विवाद उत्पन्न हो सकता है। द्वितीय, लिखित में जानकारी देने से आरोपित अपना बचाव पक्ष ठीक से कर सकता है। इसीलिए संवैधानिक प्रविधानों का सही मकसद तभी पूरा होगा, जब गिरफ्तारी के आधार लिखित में उपलब्ध कराए जाएं।

ऐसे ही निर्देश हुए सुप्रीम कोर्ट ने 'प्रबीर पुरकायस्थ' (2024) प्रकरण में गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की व्याख्या करते हुए दिए और यह स्पष्ट किया कि यदि ऐसा नहीं किया जाता, तो गिरफ्तारी को गैर-कानूनी करार दिया जाएगा और आरोपित को बिना शर्त रिहा कर दिया जाएगा।

'विहान कुमार' (2025) प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संविधान, विशेष अधिनियम हो या भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत घटित अपराध, इनमें भेद नहीं करता। अर्थात सभी प्रकार के अपराधों में आरोपित को जितनी जल्दी हो सके, गिरफ्तारी के आधारों के बारे में लिखित में सूचित किया जाना जरूरी है।

'मिहिर राजेश शाह' (2025) प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट ने उपरोक्त व्याख्या को और मजबूत करते हुए चार बिंदुओं पर स्पष्ट निर्देश दिए। प्रथम, कानून कोई भी हो, गिरफ्तारी के आधार की सूचना समस्त अपराधों में आरोपित को देना अनिवार्य है। दूसरा, गिरफ्तारी के आधार लिखित में देना जरूरी है और वे गिरफ्तार व्यक्ति की भाषा में दिए जाएं।

तीसरा, गिरफ्तारी के आधार की सूचना यथासंभव गिरफ्तारी के बाद जल्द-से-जल्द दिए जाएं और जहां शीघ्र लिखित में देना संभव न हो, वहां मौखिक रूप से दिए जाएं, परंतु आरोपित को मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत करने के दो घंटे पहले आवश्यक रूप से लिखित में दिए जाएं।

चौथा, यदि उपरोक्त निर्देशों का पालन नहीं किया जाता है अर्थात आरोपित को मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत करने से दो घंटे पहले तक गिरफ्तारी के आधारों से सूचित नहीं किया जाता तो गिरफ्तारी अवैध घोषित की जाएगी और आरोपित को रिहा कर दिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि जब प्रकरण दस्तावेजी साक्ष्य पर आधारित हो या गिरफ्तारी से पहले उसे थाने में उपस्थित होने का नोटिस दिया गया हो, तो उसे गिरफ्तार करने से पहले या गिरफ्तार करते समय लिखित में गिरफ्तारी के आधारों से आवश्यक रूप से सूचित किया जाए।

यदि आरोपित को रिहा करने के बाद गिरफ्तार करने की पुनः आवश्यकता हो, तो पुलिस मजिस्ट्रेट को उसकी गिरफ्तारी के कारणों और आवश्यकता से अवगत कराएगी, पूर्व में गिरफ्तारी के आधार क्यों नहीं दिए गए, उसका भी कारण बताएगी और गिरफ्तारी तथा अभिरक्षा की मांग करेगी, जिस पर संबंधित मजिस्ट्रेट यथासंभव सात दिन के अंदर इसका निपटारा करेंगे।

उपरोक्त निर्देशों के बावजूद जब सुप्रीम कोर्ट ने हाल में 'जसकरण जीत सिंह देओल' (2026) प्रकरण में पाया कि आरोपित को गिरफ्तारी के आधार के बारे में लिखित में सूचित नहीं किया गया था, तो उसने सख्ती करते हुए कहा कि इस मामले में लापरवाह पुलिस अधिकारी के विरुद्ध विभागीय जांच की जाए।

कोर्ट ने यह भी कहा कि आपराधिक प्रकरण में अग्रिम कार्यवाही किसी दूसरे विवेचक को हस्तांतरित करनी होगी।

चूंकि गिरफ्तारी के आधारों की सूचना न देना मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है, इसलिए हाई कोर्ट आरोपित को उचित मुआवजा भी देगा।

इस प्रकार यह स्पष्ट है कि पुलिस अधिकारियों को अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों का निर्वहन और कानून का पालन ईमानदारी से करना होगा। बिना किसी चूक के गिरफ्तारी के आधारों की लिखित में सूचना तय समय-सीमा में आरोपित को देनी होगी। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को विशेष नजर रखनी होगी।

पुलिस अधिकारियों को इस विषय पर पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित करना होगा। अब चूंकि गिरफ्तारी के आधारों का लिखित में देने का सिद्धांत स्थापित हो चुका है, ऐसे में केंद्र सरकार चाहे तो भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और विशेष अधिनियमों में तदनुसार संशोधन भी कर सकती है।

-धनंजय राजौरा

अमलतास इंस्टीट्यूट में नवप्रवेशित एमबीबीएस विद्यार्थियों के लिए तनाव प्रबंधन कार्यशाला आयोजित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस में नवप्रवेशित एमबीबीएस विद्यार्थियों के लिए एक विशेष तनाव प्रबंधन कार्यशाला (स्ट्रेस मैनेजमेंट वर्कशॉप) का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता एवं स्ट्रेस मैनेजमेंट कोच डॉ. एम. एस. होरा ने विद्यार्थियों को चिकित्सा शिक्षा की चुनौतियों का सफलता एवं सहजता से सामना करने के लिए अनेक व्यावहारिक तकनीकों की जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य वक्ता डॉ. होरा ने धीमी व गहरी उदर श्वसन तकनीकों, हल्की स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज और लाफ्टर थेरेपी के जरिए शरीर व मन को शांत रखने तथा मांसपेशियों के तनाव को दूर करने के उपाय बताए। मानसिक स्वास्थ्य पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने विचारों के प्रति सजगता, पॉजिटिव इमेजिंग, मेडिटेशन (ध्यान) और पॉजिटिव मेंटल डाइट अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने समझाया कि हम जो देखते, सुनते और पढ़ते हैं, उसका सीधा असर हमारी भावनाओं पर पड़ता है, इसलिए प्रेरणादायक व सकारात्मक सामग्री का चयन करना आवश्यक है। इसके साथ ही आध्यात्मिक जागरूकता और आत्मचिंतन के माध्यम से आंतरिक शक्ति विकसित करने के महत्व को रेखांकित किया गया।

डॉ. होरा ने विद्यार्थियों को पढ़ाई के प्रभावी तरीकों के बारे में बताते हुए कहा कि अध्ययन को छोटे हिस्सों में बाँटकर, समय का सही नियोजन कर, नियमित पुनरावृत्ति और बीच-बीच में छोटे विराम लेकर तनावमुक्त पढ़ाई की जा सकती है। उन्होंने अच्छी सेहत के लिए नियमित व्यायाम, योग, पैदल चलने और पर्याप्त नींद को अनिवार्य बताया तथा बार-बार नींद का त्याग करने से बचने की सलाह दी।

इस अवसर पर अमलतास समूह के चेयरमैन श्री मयंकराज सिंह भदौरिया ने अपने संदेश में नवप्रवेशित विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा, ÷चिकित्सा क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए ज्ञान के साथ-साथ मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहना अत्यंत आवश्यक है। यह कार्यशाला हमारे विद्यार्थियों को पढ़ाई के दबाव से मुक्त रखकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने में मददगार साबित होगी। संस्थान का सदैव यही प्रयास रहता है कि विद्यार्थियों को न केवल उत्कृष्ट शिक्षा मिले, बल्कि उनके सर्वांगीण विकास के लिए एक सकारात्मक वातावरण भी प्रदान किया जाए।

कर्म, ज्ञान और भक्ति का समन्वय ही श्रीकृष्ण का सम्पूर्ण जीवन-संदेश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के षष्ठ दिवस शनिवार को कथा व्यास डॉ. सर्वेश्वर शर्मा (सर्वेश गुरुजी) ने भगवान श्रीकृष्ण के व्यापक व्यक्तित्व एवं जीवन-दर्शन पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन केवल भक्ति का संदेश नहीं देता, बल्कि कर्म, ज्ञान, नीति, प्रेम और लोककल्याण के समन्वय की प्रेरणा देता है। सर्वेश गुरुजी ने कहा कि मनुष्य जीवन में केवल ज्ञान पर्याप्त नहीं है और न ही केवल कर्म से जीवन पूर्ण होता है। कर्म में विवेक, ज्ञान में विनम्रता और भक्ति में समर्पण का समन्वय होने पर ही जीवन को सार्थक दिशा मिलती है। व्यासपीठ की आरती भाजपा जिला महामंत्री मनीष सोलंकी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य पंकज सिंह धारू, नगर उपाध्यक्ष भाजपा कुणाल जोशी, ओम प्रकाश जायसवाल नगर महामंत्री हिमांशु राजोले, नगर उपाध्यक्ष शंकर भोले प्रवेश पंचोली ने करते हुए गुरु महाराज का आशीर्वाद लिया। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से परिवार, समाज, कर्तव्य और मानवीय संबंधों के महत्व को भी समझाया गया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में श्रीकृष्ण को समझने का वास्तविक अर्थ उनके जीवन-संदेश को परिस्थितियों के अनुरूप अपने आचरण में उतारना है। श्रीकृष्ण का दर्शन मनुष्य को जीवन से पलायन नहीं, बल्कि प्रत्येक परिस्थिति का धैर्य और विवेक के साथ सामना करते हुए जीवन को पूर्णता के साथ जीने की कला सिखाता है। षष्ठ दिवस का केंद्रीय संदेश रहा कि कर्म, ज्ञान और भक्ति का संतुलन ही मनुष्य के जीवन को सार्थक बनाता है। कथा के दौरान श्रद्धालुओं ने श्रीकृष्ण के जीवन-दर्शन से जुड़े प्रसंगों को श्रद्धापूर्वक सुना। आयोजन को सफल बनाने में गुरप्रीत ईशर, हेमंत उपाध्याय, हेमंत बिसोरे, अंकित सिंह, राकेश मनी गोस्वामी, भावेश पालीवाल, संजय सिंह चौहान सहित आयोजन समिति के अन्य सदस्य व्यवस्थाओं में जुटे रहे।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान एवं सेवा सेतु अभियान के तहत जिले की सभी जनपदों में शिविर आयोजित

सीहोर / दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान तथा सेवा सेतु अभियान के अंतर्गत जिले की सभी जनपद पंचायतों में शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने ग्रामवासियों की समस्याएं सुनीं तथा उनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। शिविरों के माध्यम से आमजन को शासन की योजनाओं और सेवाओं का लाभ उनके क्षेत्र में ही उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया।

शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल के माध्यम से नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी एवं विकास योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया गया। अधिकारियों ने शिविर स्थल पर लगाए गए विभागीय स्टॉल का निरीक्षण कर योजनाओं के क्रियान्वयन और हितग्राहियों को दी जा रही सेवाओं की जानकारी ली।

आष्टा में आयोजित शिविर में विधायक श्री गोपाल सिंह इंजीनियर तथा बुधनी में आयोजित शिविर में विधायक श्री रमाकांत भार्गव शामिल हुए। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को लाभान्वित किया। उन्होंने नागरिकों को शासन द्वारा संचालित विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र हितग्राहियों से योजनाओं का लाभ लेने का आग्रह किया।

शिविरों में प्राप्त शिकायतों और समस्याओं को संबंधित विभागों के अधिकारियों के समक्ष रखा गया तथा उनके निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई की गई। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने कहा कि अभियान के माध्यम से शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के साथ ही नागरिकों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है।

ब्रह्माकुमारी संस्था ने मुखर्जी नगर में किया शिव ध्वजारोहण

आध्यात्मिक ज्ञान से जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का दिया संदेश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुखर्जी नगर क्षेत्र में ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा शिव ध्वजारोहण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में आध्यात्मिक जागरूकता बढ़ाने के साथ ही लोगों को सकारात्मक सोच, आत्मचिंतन एवं मूल्य-आधारित जीवन के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में क्षेत्र के नागरिकों, युवाओं एवं महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत शिव ध्वजारोहण के साथ हुआ। उपस्थित श्रद्धालुओं ने ध्वजारोहण में सहभागिता करते हुए आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव किया। इसके पश्चात ब्रह्माकुमारी भगवती दीदी एवं ब्रह्माकुमारी ऋतु दीदी ने उपस्थितजनों को आध्यात्मिक जीवन के महत्व एवं राजयोग के प्रभाव के बारे में जानकारी दी। मुख्य वक्ता ब्रह्माकुमारी भगवती दीदी ने कहा कि आध्यात्मिक ज्ञान मनुष्य को जीवन की सही दिशा प्रदान करता है। वर्तमान समय की भागदौड़ और तनावपूर्ण जीवनशैली के बीच मानसिक शांति एवं संतुलन बनाए रखने के लिए आध्यात्मिकता का विशेष महत्व है। आध्यात्मिक चिंतन से व्यक्ति अपने भीतर सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है। ब्रह्माकुमारी ऋतु दीदी ने 'आध्यात्मिक ज्ञान का जीवन में प्रभाव' विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सकारात्मक सोच, आत्मचिंतन और राजयोग के नियमित अभ्यास से व्यक्ति अपने जीवन में सुख, शांति और संतुलन का अनुभव कर सकता है। उन्होंने सभी से नशे से दूर रहने, तनावमुक्त जीवन जीने तथा जीवन में अच्छे संस्कार एवं मानवीय मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि आध्यात्मिकता केवल धार्मिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के विचारों, व्यवहार और जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम है। जब व्यक्ति अपने विचारों पर नियंत्रण रखते हुए सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाता है, तो उसका प्रभाव परिवार और समाज पर भी पड़ता है। कार्यक्रम में मुखर्जी नगर क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिकों, युवाओं एवं महिलाओं ने सहभागिता की। अंत में उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं का किया सम्मान

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस से प्रारंभ हुए सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 35 स्थित संत रविदास भवन में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं का अभिनंदन कर उनके सेवा, समर्पण और योगदान के लिए सम्मान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित मातृशक्ति को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के प्रत्येक परिवार तक पहुंचाने में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जनसेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सभी से अपना योगदान देने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में अजय पहाड़िया, भाजपा सद्गुरु श्री शीलनाथ मंडल के महामंत्री सोनू परमार, वार्ड क्रमांक 35 के पार्षद सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं नन्हे-मुन्ने बच्चे उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी गईं।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे राज्यसभा सांसद व भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बंशीलाल गुर्जर

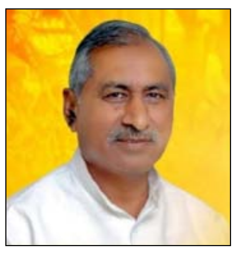

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्यसभा सांसद एवं भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बंशीलाल गुर्जर संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र की बैठकों में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक पत्र के अनुसार, भारत सरकार के सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति मिलने के बाद लोकसभा और राज्यसभा सांसदों के गैर-सरकारी प्रतिनिधिमंडल का गठन किया गया है। सांसद बंशीलाल गुर्जर 5 से 9 अक्टूबर 2026 तक न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित प्रथम चरण के कार्यक्रमों में भाग लेंगे। इस दौरान वे भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में विभिन्न बहुपक्षीय वैश्विक बैठकों, अंतरराष्ट्रीय नीतियों और विकासशील देशों के प्राथमिक मुद्दों पर भारत का दृष्टिकोण प्रमुखता से रखेंगे। वैश्विक मंच पर किसान कल्याण और भारत के प्राथमिक मुद्दों की गूंज भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में देश के करोड़ों किसानों का प्रतिनिधित्व कर रहे श्री गुर्जर का इस महत्वपूर्ण प्रतिनिधिमंडल में चयन कृषि और ग्रामीण भारत की प्राथमिकताओं को वैश्विक पटल पर रेखांकित करने का एक बड़ा अवसर है।

रौरा में जन-विश्वास शिविर : 129 ग्रामीणों ने दिए आवेदन, 98 प्रकरणों का मौके पर निराकरण

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत प्रत्येक सप्ताह जिले में आयोजित किए जा रहे जन-विश्वास शिविरों की कड़ी में शनिवार को जिला स्तरीय शिविर मुरार विकासखंड के ग्राम पंचायत रौरा में आयोजित किया गया। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने शिविर में उपस्थित होकर शासकीय कार्यालयों का निरीक्षण किया। इसके साथ ही आमजनों की समस्याओं को सुनकर उनका निराकरण भी किया। शिविर में शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों के तहत हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण भी किया गया। 60 से अधिक किसानों को खसरा-खतौनी में संशोधन कर उसकी नकल भी शिविर में प्रदान की गई। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत शनिवार को ग्राम पंचायत रौरा में आयोजित शिविर में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान जिले के अधिकारियों के साथ पहुँचीं और उन्होंने ग्राम पंचायत में निर्माणाधीन सामुदायिक भवन, आंगनबाड़ी केन्द्रों, शासकीय विद्यालय के साथ-साथ पंचायत द्वारा किए जा रहे कार्यों का भी अवलोकन किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। स्कूल प्रांगण में आयोजित शिविर में 129 ग्रामीणजनों द्वारा आवेदन प्रस्तुत किए गए जिनमें से 98 प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया गया। शेष प्रकरणों के निराकरण के लिये समय-सीमा निर्धारित कर विभागीय अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री जन-विश्वास शिविर में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुँवर सिंह जाटव, उपाध्यक्ष श्रीमती प्रियंका सिंह घुरैया, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री अतुल सिंह सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने शिविर में उपस्थित ग्रामीणों से कहा कि शासन की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु अनेक प्रकार की सहायता मुहैया कराई जा रही है।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत कलेक्टर सुश्री बाफना ने मक्सी क्षेत्र का भ्रमण कर कार्यों का निरीक्षण किया

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान 2026 के तहत कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने आज मक्सी के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर शासकीय संस्थाओं, निर्माणाधीन भवनों एवं शासन की योजनाओं के तहत संचालित विकास कार्यों का स्थल निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान अंतर्गत कलेक्टर सुश्री बाफना ने आज मक्सी में वार्ड क्रमांक 15 में स्वच्छ भारत मिशन योजनांतर्गत एस.टी.पी. निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने संबंधित ऐजेंसी को एसटीपी प्लांट का निर्धारित मापदण्ड अनुसार गुणवत्तायुक्त निर्माण कार्य करने के निर्देश दिये। कलेक्टर सुश्री बाफना ने मक्सी के वार्ड नंबर 02 में अमृत 2.0 जलप्रदाय योजना अंतर्गत डब्ल्यूटीपी निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। कलेक्टर ने उक्त निर्माण कार्य को निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने मक्सी में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (गड़रोली) के निरीक्षण के दौरानएएनसी, एनसीडी रजिस्टरों एवं दवा वितरण केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां एएनसी और एचआरपी की ऑनलाइन एन्ट्री कराने तथा एचआरपी के मरीजों का फालोअप लेने के निर्देश दिये।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने मक्सी में निर्माणाधीन सिविल अस्पताल के निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य को गुणवत्तायुक्त एवं निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश संबंधित निर्माण ऐजेंसी को दिये। कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारी के माध्यम से निर्माण कार्य, सामग्रियों की गुणवत्ता की जाँच करने, लैब के माध्यम से ब्लॉक की जाँच कराने के निर्देश भी दिये।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने मक्सी के आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 14 में ईसीसी गतिविधियों का निरीक्षण किया। उक्त आंगनवाड़ी केन्द्र का संचालन सही तरीके से नहीं करने पर कलेक्टर सुश्री बाफना ने संबंधितों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने एवं परियोजना अधिकारी का दो दिन, पर्यवेक्षक का 05 दिन और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का 10 दिन का वेतन काटने के? निर्देश दिये।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने शासकीय प्राथमिक शाला गड़रोली का निरीक्षण कर एफएलएन गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने बच्चों से किताबें पढ़वाकर एवं जोड़ के सवाल हल कर सीखने के स्तर का आंकलन किया। कलेक्टर ने संबंधित शिक्षकों को बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने, वर्कबुक अनुसार गतिविधियां संचालित करने, जादुई पिटारे का उपयोग करने के निर्देश दिये। विद्यालय में अनियमितताएं पायी जाने पर कलेक्टर ने विद्यालय के प्रभारी प्राधानाध्यापक को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर निलंबन की कार्रवाई करने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी को दिये।

इस दौरान कलेक्टर सुश्री बाफना ने वार्ड क्रमांक 07 में अमृत 2.0 अंतर्गत वॉटर बॉडी रैजुवेनेशन कार्य एवं ग्रीन स्पैस डेवलपमेंट कार्य का भी निरीक्षण किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, अनुविभागीय अधिकारी शाजापुर सुश्री मनीषा वास्कले सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

शुजालपुर संभाग अंतर्गत सेवा सेतु अभियान के तहत लगेगा सोलर कैंप

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत घरेलू उपभोक्ताओं को सोलर रूफ टॉप लगाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से एमपीईबी द्वारा विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। शिविर का आयोजन 5 अक्टूबर को नगर परिषद कार्यालय परिसर अकोदिया, 6 अक्टूबर को जनपद पंचायत कार्यालय परिसर कालापीपल एंव 7 अक्टूबर को एमपीईबी संभागीय कार्यालय पोल फेक्ट्री परिसर शुजालपुर में किया जाएगा।

ग्राम थूना में मुख्यमंत्री जन-विश्वास एवं सेवा संकल्प अभियान के तहत शिविर आयोजित

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीहोर विकासखंड के ग्राम थूना में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान तथा सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा सेतु शिविर आयोजित किया गया। शिविर में राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने आम नागरिकों से वन-टू-वन चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का गंभीरता से परीक्षण कर समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा नागरिकों के कल्याण एवं विकास के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, लाड़ली लक्ष्मी योजना, लाड़ली बहना योजना तथा सामाजिक सुरक्षा पेंशन सहित अनेक योजनाओं के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा विकास के लिए भी विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ पात्र नागरिकों तक पहुंचाना आवश्यक है।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे शिविर में आने वाले प्रत्येक नागरिक की समस्या को पूरी गंभीरता से सुनें और उसके समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई करें। शासकीय सेवक जनता की सेवा के लिए हैं, इसलिए उन्हें अपने दायित्वों का पूरी संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा के साथ निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पात्र व्यक्ति किसी भी योजना के लाभ से वंचित न रहे, इसके लिए अधिकारी ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार भी करें। इस अवसर पर पौधा रोपण भी किया गया। शिविर में जिला भाजपा अध्यक्ष श्री नरेश मेवाड़ा, कलेक्टर श्री बालागुरू के., पुलिस अधीक्षक श्रीमती सोनाक्षी सक्सेना, डीएफओ श्रीमती अर्चना पटेल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान एवं सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इस शिविर के माध्यम से प्रशासन और ग्रामीणों के बीच सीधा संवाद स्थापित हुआ तथा नागरिकों को शासन की योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी के साथ उनके लाभ प्राप्त करने का अवसर मिला।

शिकायतकर्ताओं से वन-टू-वन चर्चा कर सुनी समस्याएं- शिविर में राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने शिकायतकर्ताओं से व्यक्तिगत रूप से चर्चा की। उन्होंने नागरिकों की समस्याओं को विस्तार से सुना तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों से समस्या के संबंध में जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान केवल आवेदन लेने तक सीमित न रहे, बल्कि संबंधित विभाग समस्या के निराकरण की कार्रवाई सुनिश्चित करें।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने भी शिविर में उपस्थित नागरिकों की समस्याओं को सुना और अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों पर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक श्रीमती सोनाक्षी सक्सेना ने भी नागरिकों से चर्चा कर पुलिस से संबंधित समस्याओं की जानकारी ली।

विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण कर योजनाओं की जानकारी ली- राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने शिविर परिसर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से हितग्राहीमूलक योजनाओं, पात्रता तथा अब तक लाभान्वित हितग्राहियों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि योजनाओं की जानकारी सरल भाषा में आम नागरिकों तक पहुंचाई जाए, ताकि पात्र व्यक्ति स्वयं आगे आकर योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने ग्रामवासियों को अपने-अपने विभाग की हितग्राहीमूलक योजनाओं की जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि कौन-कौन से व्यक्ति योजनाओं के लिए पात्र हैं, योजना का लाभ लेने के लिए आवश्यक दस्तावेज क्या हैं तथा आवेदन की प्रक्रिया क्या है।

श्री महावीर विद्यालय के उमेश नारायण पांडे ने जीता रजत पदक, नेशनल के लिए चयन - नगर में हर्ष

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानीय श्री महावीर विद्यालय, आलोट के होनहार छात्र एवं उभरते एथलीट उमेश नारायण पांडे ने खेल के क्षेत्र में संस्था और नगर का नाम गौरवान्वित किया है।

उमेश पांडे ने भोपाल में आयोजित सीबीएसई क्लस्टर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 3000 मीटर दौड़ में रजत पदक (सिल्वर मेडल) हासिल किया है। प्रतियोगिता के दौरान कड़े मुकाबले में उमेश ने अनुशासन, धैर्य और बेहतरीन तकनीक का परिचय देते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर चयन समिति ने उमेश पांडे का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए किया है। यह नेशनल प्रतियोगिता 15 अक्टूबर से 19 अक्टूबर 2026 के बीच पटियाला, पंजाब में आयोजित होगी।

उमेश की इस गौरवमयी उपलब्धि पर श्री महावीर विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ. शिखर जैन, उपाध्यक्ष श्री सत्यनारायण जी काकानी, सचिव श्री सिरेमल जी जैन, कोषाध्यक्ष श्री धर्मचंद जी जैन सहित समस्त प्रबंध समिति सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया है।

विद्यालय के प्राचार्य श्री मनोज शर्मा, उपप्राचार्य श्री लखनलाल मालाकार, खेल विभाग से श्री रिक्की मेथवासा, खेल प्रशिक्षिका सुश्री शालू राठौर एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने छात्र को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

प्रबंधन समिति ने कहा कि उमेश ने अपनी कड़ी मेहनत, नियमित अभ्यास और समर्पण से यह सफलता अर्जित की है और राष्ट्रीय स्तर पर भी उससे श्रेष्ठ प्रदर्शन की पूरी उम्मीद है। उसके नेशनल के लिए चयनित होने पर नगर के खेल प्रेमियों, शिक्षाविदों और गणमान्य नागरिकों ने भी बधाई प्रेषित की है।

मनोज पटेल के विश्वास से संगठन की सीढ़ियां चढ़े प्रणव जायसवाल, भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष की दौड़ में मजबूत दावेदारी

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजनीति केवल पद और प्रतिष्ठा का नाम नहीं, बल्कि विश्वास, समर्पण और संगठन के प्रति निष्ठा की वह लंबी यात्रा है, जिसमें व्यक्ति अपने कर्मों से अपनी पहचान गढ़ता है। देपालपुर विधानसभा की राजनीतिक परिपाटी में भी ऐसे कई उदाहरण देखने को मिलते हैं, जहां नेतृत्व ने केवल राजनीतिक समीकरणों को नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं की क्षमता, समर्पण और जमीनी सक्रियता को महत्व देते हुए उन्हें आगे बढ़ने के अवसर दिए। इसी क्रम में देपालपुर विधानसभा क्षेत्र के युवा भाजपा नेता प्रणव जायसवाल का नाम संगठनात्मक सक्रियता और लगातार बढ़ती जिम्मेदारियों के संदर्भ में सामने आता है। विधायक मनोज पटेल के करीबी कार्यकर्ताओं में शामिल प्रणव जायसवाल ने संगठन में अपनी यात्रा एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में शुरू की और समय के साथ अलग-अलग दायित्वों का निर्वहन करते हुए अपनी सक्रिय पहचान बनाई। प्रणव जायसवाल को सबसे पहले अटाहेड़ा बूथ अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली। इसके बाद संगठन ने उनकी सक्रियता और कार्यक्षमता को देखते हुए उन्हें भारतीय जनता युवा मोर्चा श्री 24 अवतार मंडल में महामंत्री का दायित्व सौंपा। संगठन के प्रति उनकी सक्रियता का सिलसिला यहीं नहीं रुका और आगे चलकर उन्हें भारतीय जनता युवा मोर्चा श्री 24 अवतार मंडल अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी मिली। इन दायित्वों की कड़ी को केवल पदों की सूची के रूप में नहीं देखा जा सकता। भाजपा की संगठनात्मक राजनीति में बूथ स्तर से लेकर मंडल स्तर तक लगातार जिम्मेदारियां मिलना किसी भी युवा कार्यकर्ता के लिए संगठन के भीतर उसके काम और सक्रियता का महत्वपूर्ण अध्याय माना जाता है। प्रणव जायसवाल युवा हैं, ऊर्जा से भरपूर हैं और संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रियता के साथ अपनी भूमिका निभाते रहे हैं। उनके समर्थकों का कहना है कि विधायक मनोज पटेल के प्रति उनकी निष्ठा और संगठन के प्रति समर्पण ने उन्हें देपालपुर की युवा राजनीति में अलग पहचान दी है। वहीं, मनोज पटेल के नेतृत्व में काम करते हुए उन्होंने बूथ से मंडल तक संगठनात्मक जिम्मेदारियों का अनुभव भी हासिल किया है।

अब जिला स्तर पर दावेदारी की चर्चा- इसी संगठनात्मक पृष्ठभूमि के बीच अब भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष पद के लिए प्रणव जायसवाल की दावेदारी चर्चा में है। संगठनात्मक चुनावों के दौर में उनका नाम जिला अध्यक्ष पद के संभावित दावेदारों में लिया जा रहा है। उनकी दावेदारी को सबसे महत्वपूर्ण आधार उनके अब तक के संगठनात्मक अनुभव और देपालपुर विधानसभा में विधायक मनोज पटेल के साथ उनके लंबे राजनीतिक समन्वय को माना जा रहा है। राजनीतिक और संगठनात्मक हलकों में यह चर्चा भी है कि जिस नेतृत्व ने किसी कार्यकर्ता को बूथ से मंडल स्तर तक आगे बढ़ते हुए देखा हो, उस कार्यकर्ता के प्रति विश्वास का अपना अलग महत्व होता है। प्रणव जायसवाल की वर्तमान दावेदारी को भी इसी विश्वास और संगठनात्मक यात्रा के संदर्भ में देखा जा रहा है। विधायक मनोज पटेल की राजनीति में संगठन और कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलने की शैली की चर्चा लंबे समय से देपालपुर क्षेत्र में होती रही है। उनके नेतृत्व में कई युवा कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक जिम्मेदारियां मिली हैं। ऐसे में प्रणव जायसवाल का नाम भी उसी कार्यकर्ता परंपरा की एक कड़ी के रूप में सामने आता है।

विश्वास से दावेदारी तक का सफर- प्रणव जायसवाल की कहानी को यदि एक वाक्य में कहा जाए तो यह विश्वास से जिम्मेदारी और जिम्मेदारी से दावेदारी तक पहुंचने की यात्रा है। अटाहेड़ा बूथ से शुरू हुआ संगठनात्मक सफर मंडल महामंत्री और फिर मंडल अध्यक्ष के दायित्व तक पहुंचा और अब जिला अध्यक्ष पद की संभावित दावेदारी तक चर्चा में है। हालांकि अंतिम निर्णय संगठनात्मक प्रक्रिया और पार्टी नेतृत्व द्वारा ही किया जाएगा, लेकिन वर्तमान में प्रणव जायसवाल का नाम युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष पद के लिए चर्चा में होना उनके संगठनात्मक सफर का एक महत्वपूर्ण पड़ाव जरूर है।

देपालपुर की राजनीति में विधायक मनोज पटेल और उनके समर्थक कार्यकर्ताओं के बीच विश्वास का संबंध अक्सर चर्चा का विषय रहा है। प्रणव जायसवाल इसी विश्वास की राजनीति में उभरता हुआ युवा चेहरा हैं। अब देखना यह होगा कि संगठनात्मक प्रक्रिया के अगले चरण में उनकी राजनीतिक और संगठनात्मक यात्रा किस नए दायित्व की ओर आगे बढ़ती है। एक बूथ की जिम्मेदारी से शुरू हुआ सफर यदि जिला संगठन की दहलीज तक पहुंचता है, तो उसके पीछे केवल पदों का क्रम नहीं, बल्कि वर्षों की सक्रियता, संगठन के प्रति प्रतिबद्धता और नेतृत्व के विश्वास की कहानी भी होती है। प्रणव जायसवाल की वर्तमान दावेदारी को इसी नजरिए से देखा जा रहा है।

यातायात पुलिस, आगर द्वारा विशेष सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का आयोजन

आगर मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी के निर्देशन में आगर यातायात पुलिस द्वारा जिले के विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों में लगातार सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में शनिवार को यातायात थाना प्रभारी सौरभ सिंह चौहान ने मालीखेड़ी रोड स्थित संस्कार स्कूल पहुँचकर विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम की प्रमुख बातें

यातायात नियमों की जानकारी- थाना प्रभारी ने छात्रों को दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने और चार पहिया वाहन में सीटबेल्ट लगाने के जीवनरक्षक महत्व के बारे में विस्तार से समझाया।

शासकीय योजनाओं का प्रचार- विद्यार्थियों को मध्य प्रदेश शासन द्वारा सड़क दुर्घटना पीड़ितों की मदद के लिए चलाई जा रही महत्वपूर्ण योजनाओं, जैसे राहवीर योजना और पीएम राहत योजना, के बारे में जागरूक किया गया ताकि वे आपातस्थिति में सही कदम उठा सकें।

सुरक्षित भविष्य का संकल्प- कार्यक्रम के अंत में सभी छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने और अपने परिवार व आसपास के लोगों को भी जागरूक करने की शपथ दिलाई गई।

खाचरौद में गांधी-शास्त्री जयंती एवं आईसीडीएस स्थापना दिवस पर आंगन मिलन कार्यक्रम सम्पन्न

खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/ दैनिक मालावा हेराल्ड। खाचरौद महिला एवं बाल विकास विभाग खाचरौद द्वारा आज 2 अक्टूबर को गांधी-शास्त्री जयंती एवं आईसीडीएस के स्थापना दिवस के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आंगन मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम जिला कार्यक्रम अधिकारी बृजेश त्रिपाठी के नेतृत्व में आंगनबाड़ी केंद्र वार्ड क्रमांक 8, सामुदायिक भवन पर आयोजित हुआ, जिसका आयोजन आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अर्चना निगम, पायल नेमा, ज्योति धाकड़ एवं महिमा बैरागी द्वारा किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक तेजबहादुरसिंह चौहान,नगर मंडल अध्यक्ष मनीषा शर्मा,वार्ड पार्षद कविता नंदेडा,संगीता किलोरिया,सौरभ जैन, विनोद चतुर्वेदी,जगदीश मंडावलिया,शिलाजी शर्मा, चंदा बाबू नगर,रेखा सेन सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे कार्यक्रम में सेक्टर सुपरवाइजर गायत्री वर्मा, मंगला राठौड़ सहित समस्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिकाएं सम्मिलित हुई कार्यक्रम में विधायक ने सर्वप्रथम बच्चों से गीत-कविता सुनी, तत्पश्चात महिलाओं से चर्चा कर आंगनबाड़ी योजनाओं की जानकारी ली महिलाओं ने कहा कि हमारी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता यशोदा माँ की तरह हैं इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली कार्यकर्ता अर्चना निगम,महिमा बैरागी,पायल नायमा,ज्योति धाकड़,सहायिका गीता कश्यप,मांगू बैरागी आरती सोलंकी,गट्टा सोनी,योगिता चौहान,को शाल-श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। अंत में आभार परियोजना अधिकारी मनोज जाट ने माना

अपनी जन्मभूमि बदनावर पहुँच रहे महामंडलेश्वर स्वामी सत्यश्रेयानंद गिरिजी

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बदनावर की माटी में जन्मे और हरिद्वार के पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के महामंडलेश्वर स्वामी सत्यश्रेयानंद गिरिजी महाराज का आज रविवार को महामंडलेश्वर की उपाधि प्राप्त करने के पश्चात पहली बार अपनी जन्मभूमि आगमन हो रहा है। संतश्री के प्रथम नगर आगमन को लेकर गुरु भक्त मंडल, विभिन्न सामाजिक संगठनों और नगरवासियों में भारी उत्साह का माहौल है। पूरे नगर को भगवा पताकाओं, स्वागत द्वारों और स्वागत मंचों से दुल्हन की तरह सजाया गया है।

महामंडलेश्वर स्वामी सत्यश्रेयानंद गिरिजी महाराज उज्जैन से बदनावर पहुँचेंगे। नगर में प्रवेश के पश्चात वे सर्वप्रथम श्री बैजनाथ महादेव मंदिर पहुँचकर भगवान भोलेनाथ का पूजन-अर्चन व दर्शन करेंगे। इसके पश्चात दोपहर 1 बजे बैजनाथ महादेव मंदिर से बैंड-बाजों और ढोल-ढमाकों के साथ भव्य चल समारोह (शोभायात्रा) प्रारंभ होगा। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई पेटलावद रोड स्थित संजोग गार्डन पहुँचेगी, जहाँ मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पवर्षा कर संतश्री का भव्य अभिनंदन किया जाएगा। संजोग गार्डन में महामंडलेश्वर जी के अमृत वचन (धर्मसभा) और नागरिक अभिनंदन का कार्यक्रम आयोजित होगा। धर्मसभा के समापन के पश्चात महाप्रसादी विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। आयोजन की पूर्व संध्या पर शनिवार को गुरु सेवा मंडल के कार्यकर्ताओं ने पूरे नगर में घूमकर घर-घर आमंत्रण पत्र वितरित किए। वहीं विप्र नारी शक्ति सनातनी संगठन की महिलाओं ने बड़ी चौपाटी क्षेत्र सहित विभिन्न वार्डों में सघन जनसंपर्क कर नागरिकों से परिवार सहित संत दर्शन और आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की। संगठन की जिला प्रभारी शिवानी अग्निहोत्री ने बताया कि महामंडलेश्वर जी के प्रथम नगर आगमन को लेकर नारी शक्ति में विशेष उत्साह है। जनसंपर्क के दौरान वरिष्ठ संरक्षक जयश्री भट्ट, शिक्षा प्रकोष्ठ संयोजक नेहा शर्मा, तहसील अध्यक्ष नीता पाटीदार, चिकित्सा प्रकोष्ठ संयोजक विद्या शर्मा सहित बड़ी संख्या में महिलाएँ उपस्थित थीं।

स्वामी सत्यश्रेयानंद गिरिजी महाराज का जन्म बदनावर में ही हुआ था। बाल्यकाल से ही उन्होंने सांसारिक जीवन का त्याग कर आध्यात्मिक मार्ग चुन लिया था। लगभग दो माह पूर्व हरिद्वार में साध्वी दीदी माँ ऋतंभरा सहित देशभर के प्रमुख संत-महात्माओं की उपस्थिति में उन्हें पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के महामंडलेश्वर पद की उपाधि से विभूषित किया गया था। उपाधि मिलने के बाद प्रथम बार अपनी जन्मभूमि पहुँच रहे संतश्री के स्वागत में पूरा बदनावर शहर पलक-पावड़े बिछाकर तैयार है। जानकारी मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र अग्निहोत्री एवं मनोज सोलंकी ने दी।

कृष्णा बोराजालिया बने फाउंडेशन के बदनावर नगर अध्यक्ष

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एच.आर.एच. श्रीमंत राजमाता विजयाराजे सिंधिया फाउंडेशन, भारत द्वारा श्री कृष्णा बोराजालिया को बदनावर नगर अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया है। फाउंडेशन के संस्थापक एवं अध्यक्ष/सीईओ श्री दिलीप चंद यादव द्वारा जारी नियुक्ति पत्र में बताया गया कि फाउंडेशन के संरक्षक श्री दीपकवंत यादव की सहमति तथा प्रदेश अध्यक्ष श्री लोकेश जी एवं प्रदेश महामंत्री श्री मोहित कुमार पांचाल के माध्यम से संगठन कार्य हेतु यह नियुक्ति की गई है। नियुक्ति की अवधि 3 वर्ष निर्धारित की गई है। फाउंडेशन ने श्री बोराजालिया से संगठन के दायित्व का निर्वहन पूर्ण ऊर्जा, निष्ठा एवं समर्पण के साथ करने की अपेक्षा व्यक्त की है। श्री कृष्णा बोराजालिया की नियुक्ति पर संगठन से जुड़े पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल एवं उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

बिना पानी की एक बूँद पिए, 7 घंटे 30 मिनट की जल-तपस्या

जब बदनावर के हक के लिए 20 किमी पैदल चल पड़ा एक किसान

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जब गला प्यास से सूख रहा हो और होंठ पपड़ा रहे हों, तब पानी का एक-एक कतरा सोने से भी ज्यादा कीमती लगता है। बदनावर क्षेत्र में गहराते भयावह जल संकट और सूखे के दर्द को हुकमरानों तक पहुँचाने के लिए 2 अक्टूबर गांधी जयंती का दिन एक ऐतिहासिक नज़ारे का साक्षी बना। यहाँ राजनीति का ढोल नहीं बजा, बल्कि सत्याग्रह की वो गूंज सुनाई दी जो सालों पहले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने सिखाई थी। किसान प्रतिनिधि सचिन वासुदेव पाटीदार ने अपने साथियों के साथ अन्न और जल की एक बूँद का त्याग कर 20 किलोमीटर लंबी बदनावर सूखाग्रस्त अधिकार पदयात्रा पूरी की। 7 घंटे 30 मिनट तक बिना पानी पिए चलना केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि सोए हुए प्रशासन को जगाने की एक कठोर जल-तपस्या थी।

सत्याग्रह का आगाज़ सुबह कोद स्थित लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। तपती धूप और सूखी ज़मीन पर कदम दर कदम आगे बढ़ते सत्याग्रहियों का काफिला जब बदनावर जनपद पंचायत परिसर पहुँचा, तो वहाँ महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर इस 20 किमी की कठिन यात्रा का समापन किया गया। 20 किलोमीटर के इस लंबे रास्ते में सत्याग्रहियों का हौसला डगमगाया नहीं, क्योंकि हर गाँव में किसान और ग्रामीण उनके साथ खड़े नजर आए। ग्राम जलोदखेता में रंजीत पाटीदार और अंतिम पटेल की टीम ने यात्रा का गर्मजोशी से स्वागत किया, तो वही रेशमगरा में नरेंद्र पाटीदार और श्रीराम पाटीदार की अगुवाई में ग्रामीणों ने पुष्पवर्षा की। इसी प्रकार ग्राम पिपलिया में भारतीय मजदूर किसान महासंघ के रामचंद्र जाट, गोपाल, ग्राम बखतगढ़ में पंकज पाटीदार और युवाओं की टोली ने पुष्पमाला, नारों के साथ सत्याग्रहियों में नया जोश फूँका।

यात्रा के अंत में अनुविभागीय अधिकारी प्रियंका मिमरोट के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम एक कड़ा ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन का वचन करते हुवे सचिन पाटीदार ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी की हमने 20 किलोमीटर तक प्यासे रहकर शासन को यह एहसास कराने की कोशिश की है कि आने वाले दिनों में पानी की कमी कैसी तबाही लाएगी। यदि 15 दिनों के भीतर हमारी दोनों माँगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो किसान चुप नहीं बैठेंगे और अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने को मजबूर होंगे। बदनावर को तत्काल सूखाग्रस्त घोषित करो, अल्प वर्षा से क्षेत्र में फसलें जल चुकी हैं। किसानों की रीढ़ टूट चुकी है, इसलिए तुरंत मुआवजा और फसल बीमा की राशि वितरित की जाए। जब नर्मदा का पानी पड़ोसी सरदारपुर विधानसभा के मिंडा गाँव तक पहुँच सकता है, तो इच्छाशक्ति दिखाई जाए तो मिंडा से आगे लाकर बदनावर के सभी छोटे-बड़े तालाबों को भरा जा सकता है। इससे मवेशी और इंसान दोनों प्यास से बचेंगे।

इस कठिन तपस्यारूपी पदयात्रा में सचिन पाटीदार के साथ रवि राव, संदीप भगत, हेमंत पाटीदार, भेरूलाल पाटीदार, जितेंद्र पाटीदार, मोहन लोहार, वैदिक शर्मा, चीनू, सचिन बाबूलाल, विश्वजीत, उमाशंकर पाटीदार, सुनील और शांतिलाल सहित बड़ी संख्या में युवा व किसान लगातार 20 किलोमीटर तक कदम से कदम मिलाकर चलते रहे।

श्राद्ध पक्ष में भी जारी रही आस्था की यात्रा, देपालपुर में हुआ भव्य स्वागत

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पितृ पक्ष (श्राद्ध) के दौरान भी आस्था और भक्ति का सैलाब देपालपुर में देखने को मिला। इंदौर के प्रसिद्ध बड़े गणपति से प्रारंभ हुई मां जोगणिया माता की पावन साइकिल यात्रा का श्री 24 अवतार भगवान की तीर्थ नगरी देपालपुर में प्रथम पड़ाव पर भव्य स्वागत किया गया। यह यात्रा इंदौर से प्रारंभ होकर मां जोगणिया माता के धाम चित्तौड़ में संपन्न होती है। यात्रा का पहला पड़ाव देपालपुर होता है, जहां लगातार 16 वर्षों से तुलसीराम गुर्जर के सानिध्य में यात्रियों के स्वागत एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष भी परंपरा का निर्वहन करते हुए देपालपुर में यात्रा का आत्मीय स्वागत किया गया। यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के लिए प्रसादी एवं जलपान की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर पप्पू यादव, कैलाश चौहान, अशोक सोनी, शिव शर्मा, केदार पंड्या, सोमिल माली, वीरेंद्र गुर्जर, मनोज माली सहित अनेक श्रद्धालु यात्रा में शामिल हुए और जगह-जगह यात्रा की अगवानी कर उसकी शोभा बढ़ाई। स्वागत के दौरान आयोजित आरती में श्रद्धालुओं ने भजनों पर नृत्य कर भक्ति का उत्सव मनाया।

8-लेन एक्सप्रेस-वे पर पत्थरबाजी की घटनाओं की रोकथाम को लेकर कुकड़ीपाड़ा में बैठक आयोजित

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले से गुजरने वाले 8-लेन एक्सप्रेस-वे पर पत्थरबाजी की घटनाओं की रोकथाम एवं प्रभावी नियंत्रण को लेकर कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट एवं पुलिस अधीक्षक श्री देवेंद्र पाटीदार ने कुकड़ीपाड़ा रेस्ट एरिया में एक्सप्रेस-वे के आसपास स्थित 21 गांवों के फ्रंटलाइन वर्कर्स, तड़वी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों के साथ बैठक की। बैठक में कलेक्टर ने उपस्थित सदस्यों से एक-एक कर चर्चा करते हुए क्षेत्र की समस्याओं एवं पत्थरबाजी की घटनाओं के कारणों की जानकारी ली। कलेक्टर डॉ. भरसट ने कहा कि जिले से गुजरने वाला लगभग 50 किलोमीटर का 8-लेन एक्सप्रेस-वे जिले के लिए महत्वपूर्ण सौगात है। इसके आसपास 21 गांव स्थित हैं। एक्सप्रेस-वे पर पत्थरबाजी जैसी घटनाएं जिले की छवि को प्रभावित करती हैं। उन्होंने कहा कि एक्सप्रेस-वे पर वाहनों की गति एवं आवागमन से संबंधित निर्धारित नियमों को ध्यान में रखते हुए आसपास के नागरिकों को सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाए और सामान्य नागरिक दायित्वों का पालन सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि बच्चों को जागरूक करने में शिक्षकों के साथ अभिभावकों की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। संबंधित गांवों में शाला से बाहर बच्चों की सूची तैयार कर उन्हें शिक्षा से जोड़ने की कार्यवाही की जाए। प्रत्येक गांव में सरपंच, तड़वी, शिक्षक, फ्रंटलाइन वर्कर्स एवं शासकीय कर्मचारियों को सम्मिलित करते हुए दल गठित किए जाएं। किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा पत्थरबाजी की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस-प्रशासन को सूचित किया जाए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की स्थानीय समस्याओं के निराकरण के लिए प्रशासन द्वारा निरंतर संवाद किया जा रहा है। युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार से जोड़ने के प्रयास भी किए जाएंगे। दौलतपुरा के युवाओं को रेस्ट एरिया में रोजगार उपलब्ध कराया गया है और इसी प्रकार अन्य युवाओं को भी रोजगार के अवसरों से जोड़ने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्वास्थ्य शिविर आयोजन

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। ब्लाक मेडिकल ऑफिसर इगोरिया, डॉ. विजेंद्र सिंह अजनार द्रारा बताया गया है कि 3 अक्टूबर 2026 को इंद्रप्रस्थ गार्डन में मेगा सेवा सेतु कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्वास्थ्य शिविर आयोजन किया गया शिविर मे जनसमस्या क समाधान किया गया वहीं स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया एवं दवाई वितरण का कार्य हुआ इस अवसर पर डॉ.विजेंद्र अजनार दिनेश कुमार पंचोली जगदीश अजमेरी जगदीश परमार आयुष्मान मित्र विशाल ठाकुर किरण वर्मा वर्षा संडे डॉक्टर नामदेव महिला चिकित्सक द्वारास्वास्थ सेवा दी गए शिविर मे 11 आयुष्मान कार्ड 7 आभा आईडी 6 हितग्राही को जननी सुरक्षा का लाभ दिया गया 110 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्र के विधायक श्री जितेंद्र उदय सिंह पंड्या द्वारा किया गया विशेष अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं जनपद पंचायत के अध्यक्ष प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सेवा संकल्प अभियान खाचरोद में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में लंबे समय से अटके आयुष्मान कार्ड तत्काल बने हितग्राहियों ने विधायक एवं मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया

खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/ दैनिक मालावा हेराल्ड। सेवा संकल्प एवं सेवा सेतु योजना के अंतर्गत सरकार आपके द्वार अभियान के तहत खाचरोद ब्लॉक स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक विशाल स्वास्थ्य एवं आयुष्मान कार्ड शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर के माध्यम से लंबे समय से भटक रहे कई परिवारों एवं नागरिकों को तत्काल आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध कराई गई, जिससे ग्रामीणों में भारी उत्साह और प्रसन्नता देखी गई वर्षों से लंबित आयुष्मान कार्ड का हुआ तत्काल निर्माण शिविर में आयुष्मान कार्ड बनने से वंचित कई हितग्राहियों को मौके पर ही लाभ प्रदान किया गया माया चौहान एवं सृष्टि चौहान खाचरोद निवासी माँ-बेटी पिछले दो वर्षों से आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए परेशान थीं शिविर में पहुँचते ही दोनों का कार्ड तत्काल बन गया जिस पर उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए विधायक व मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया मुकेश चौहान एवं अथर्व चौहान- दादा मुकेश चौहान का बीते तीन वर्षों से कार्ड नहीं बन पा रहा था शिविर में न केवल दादा का बल्कि लगे हाथ उनके पोते अथर्व का भी आयुष्मान कार्ड आसानी से बन गया पूजा पडियार- शादी के पूर्व से आवेदन देने के बाद भी कार्ड लंबित था जो शिविर में तत्काल तैयार होकर प्राप्त हुआ अशोक सेन एवं रेखा राठौड़ खाचरोद निवासी अशोक सेन तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रेखा राठौड़ का कार्ड भी सरलता से बन गया अशोक सेन ने शिविर की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं की सराहना की अन्य लाभान्वित नागरिक- पृथ्वीराज सिंह पंवार (भुवासा), जितेंद्र पडियार (खाचरोद), जगदीशचंद्र प्रजापति, भूली बाई गोरवी पडियार एवं हर्ष सहित अनेक हितग्राहियों का सहजता से आयुष्मान कार्ड बनाया गया एसडीएम ने बीपी-शुगर टेस्ट कराकर किया शुभारंभ,विधायक ने कराया ब्लड टेस्ट शिविर का विधिवत शुभारंभ एसडीएम नेहा साहू ने स्वयं का बीपी एवं शुगर परीक्षण कराकर किया निरीक्षण के दौरान विधायक ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा की गई व्यवस्थाओं एवं जनसेवा के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस अवसर पर विधायक महोदय ने स्वयं भी बीपी परीक्षण एवं ब्लड टेस्ट करवाकर नागरिकों को स्वास्थ्य जांच के प्रति जागरूक किया ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर (ब्ल्ह्ल) डॉ. संजीव कुमरावत ने स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं एवं आयुष्मान भारत योजना के फायदों की विस्तृत जानकारी दी वहीं,डॉ.शिवराज कौशल ने शिविर में आए हितग्राहियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया स्वास्थ्य अमले का सराहनीय योगदान शिविर के सफल संचालन में डॉ. आशुतोष वैष्णव,सीएचओ ललित धाकड़,मोना शर्मा, पूजा राठौड़,एसटीएलएस नीतू शर्मा,सुपरवाइजर घनश्याम अहीरवाल,एलटी सुखराम बारिया,आयुष्मान मित्र आयुष लहरी,ऑपरेटर योगेंद्र,आशा सुपरवाइजर छाया रावल,श्यामू हेमावत,वार्ड बाय अनिल करें सहित स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम ने निष्ठापूर्वक सेवाएं प्रदान कीं।

थांदला में सेवा सेतु एवं मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का जिला स्तरीय आयोजन

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शनिवार को थांदला की नवीन कृषि उपज मंडी, सुतरेटी मार्ग में जिला स्तरीय सेवा सेतु अभियान-सरकार आपके द्वार एवं मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी दी गई तथा नागरिकों से प्राप्त आवेदनों और समस्याओं के निराकरण की कार्यवाही की गई।

कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने कहा कि शासन के प्रति जनविश्वास तभी और अधिक मजबूत होगा, जब अधिकारी, जनप्रतिनिधि और नागरिक एक मंच पर एकत्रित होकर समस्याओं पर सीधे संवाद करें और उनका समयबद्ध एवं संवेदनशील निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों से संवाद कर उनके अनुभवों को सामने लाया जा रहा है, जिससे अन्य पात्र नागरिक भी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित हों।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने क्षेत्र में कम वर्षा की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि पेयजल संबंधी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए हैंडपंपों के लिए आवश्यक पाइप एवं अन्य संसाधनों की उपलब्धता समय पर सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने किसान भाइयों से कहा कि कम वर्षा की स्थिति में स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप कृषि पद्धति में आवश्यक बदलाव के लिए तैयार रहें।

मिल्क रैपिड टेस्टिंग अभियानः महिदपुर में दूध एवं दुग्ध उत्पादों के नमूने लिए, संदिग्ध सामग्री जप्त

महिदपुर/ यश असावरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा, मध्यप्रदेश, भोपाल एवं कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के निर्देशानुसार आमजन को शुद्ध, सुरक्षित एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने तथा अमानक एवं मिलावटी खाद्य सामग्री का विक्रय करने वाले खाद्य कारोबारियों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा निरंतर कार्यवाही की जा रही है। शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण के साथ नमूनाकरण की कार्रवाई भी जारी है।

इसी क्रम में विभाग द्वारा मिल्क रैपिड टेस्टिंग अभियान शुरू किया गया है। रैपिड किट की सहायता से दूध की प्राथमिक जांच मौके पर ही तत्काल की जाती है। किट में उपलब्ध विशेष पेपर को दूध के नमूने में डुबोया जाता है। दूध में मौजूद मिलावट के अनुसार पेपर का रंग बदलता है, जिससे यह तुरंत पता चल जाता है कि दूध में किस प्रकार की मिलावट है। इस किट से स्टार्च, शक्कर, नमक, न्यूट्रलाइजर एवं माल्टोडेक्सट्रिन आदि की मिलावट का पता लगाया जा सकता है। प्राथमिक जांच में मिलावट पाए जाने पर विभागीय दल द्वारा मौके पर इन्फॉर्मेंट नमूना संग्रहित कर राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजा जाता है। प्रयोगशाला रिपोर्ट प्राप्त होने पर संबंधित खाद्य कारोबारी के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अंतर्गत नियमानुसार कार्रवाई की जाती है।

उक्त अभियान के तहत तहसील महिदपुर में निम्नानुसार दूध डेयरियों की रैपिड किट से जांच कर नमूने लिए गए- भागीरथ मिल्क प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, नारायणा रोड, महिदपुर से स्किम्ड मिल्क एवं क्रीम का नमूना।

- कृष्णा दूध भण्डार, ग्राम सगवाली, तहसील महिदपुर से पनीर, घी एवं क्रीम के नमूने।
- राजा फूड्स, इंडस्ट्रियल एस्टेट, महिदपुर से घी, बटर एवं मिक्स मिल्क के नमूने।

इसके अतिरिक्त कृष्णा दूध भण्डार, ग्राम सगवाली, तहसील महिदपुर में अवमानक होने के संदेह के आधार पर 94.5 किलोग्राम पनीर, 50 किलोग्राम घी एवं 40 किलोग्राम क्रीम जप्त की गई। उपरोक्त सभी नमूने जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन आमजन से अपील करता है कि वे केवल वैध लाइसेंस अथवा पंजीयन वाले प्रतिष्ठानों से ही खाद्य सामग्री क्रय करें तथा किसी भी संदिग्ध मिलावट या अमानक सामग्री की शिकायत संबंधित विभाग को तुरंत करें

आयुक्त, खाद्य सुरक्षा, मध्यप्रदेश, भोपाल एवं कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह से - नागरिकों एवं ग्रामीणों का कहना है कि जो बियर प्लांट में से वेस्ट सामग्री जिसको बियर बाटा बोलते हैं उसका वेस्टेज भी बहुत से लोगों को सस्ते दामों में बेचा जा रहा है जिससे पशुओं का गर्भ भी बैठने में समस्या हो रही है व जान पर बन आई और बहुत सी बड़ी बीमारी हो सकती हैं कही ऐसा ना हो कि पशुओं के दूध से हमारे देश के नागरिकों की सेहत खराब ना हो जाए।

सेवा संकल्प अभियान के तहत बड़नगर में मेगा सेवा सेतु शिविर आयोजित

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान के तहत विकासखंड स्तरीय मेगा सेवा सेतु शिविर का आयोजन स्थानीय इन्द्रप्रस्थ गार्डन, बड़नगर में किया गया। शिविर में विधायक जितेंद्रसिंह पंड्या, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि अंतरसिंह देवड़ा, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि उमरावसिंह राठौर, जनपद उपाध्यक्ष अजबासिंह देवड़ा सहित जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे

कार्यक्रम में विधायक जितेंद्रसिंह पंड्या ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य आम नागरिकों को शासन की योजनाओं का लाभ पारदर्शी, संवेदनशील एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराना है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि पात्र हितग्राही किसी भी योजना के लाभ से वंचित न रहें।शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल एवं प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। विभागों की योजनाओं की जानकारी देने के साथ सेल्फी प्वाइंट भी बनाए गए।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए स्वास्थ्य शिविर में 113 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें स्कूली छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण भी शामिल रहा। जनपद पंचायत बड़नगर द्वारा ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव, सहायक सचिव एवं जनपद पंचायत के अधिकारियों के सहयोग से रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, जिसमें 30 लोगों ने रक्तदान किया। मेगा शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित योजनाओं के लिए 806 हितग्राहियों के आवेदन पंजीकृत किए गए तथा सभी 806 आवेदनों का निराकरण किया गया। विधायक द्वारा प्रतीकात्मक रूप से स्कूली छात्र-छात्राओं को लैपटॉप, साइकिल एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन जैसी योजनाओं के स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि मांगीलाल मोहरी, जनपद सदस्य शंभूलाल मालवीय, अखिलेश बारोड़, जुझारसिंह, रोनक जैन, मंडल अध्यक्ष महेश हारोड़ सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व धीरेन्द्र पाराशर के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में तहसीलदार रूपाली जैन, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गोवर्धन मालवीय सहित विभिन्न विभागों के खंड स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी, सरपंच, सचिव एवं सहायक सचिव उपस्थित रहे।

सिंगोली में दिखा भाजपा कार्यकर्ताओं का भारी उत्साह

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जावद विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक और पूर्व कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश सखलेचा का जन्म दिवस सिंगोली नगर में सेवा और समर्पण दिवस के रूप में बेहद भव्यता के साथ मनाया गया। उनके कुशल नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं के विशाल हुजूम ने विभिन्न रचनात्मक और सामाजिक कार्यों के जरिए अपने नेता के प्रति निष्ठा व्यक्त की और उनकी दीर्घायु की कामना की। शनिवार सुबह पुराना बस स्टैंड स्थित पानी की टंकी और प्याऊ परिसर में सघन स्वच्छता अभियान चलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। नगर परिषद अध्यक्ष के तत्वाधान में जुटे वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने खुद हाथों में झाड़ू थामकर पूरे चौराहे को चमकाया। इस दौरान कार्यकर्ताओं का उत्साह चरम पर था और पूरा परिसर सखलेचा जिंदाबाद तथा चप्पा-चप्पा भाजपा के गगनभेदी नारों से गूंज उठा। नगर में स्वच्छता का संदेश देने के बाद कार्यकर्ताओं का विशाल कड़ों का काफिला कतारबद्ध होकर स्थानीय नारायण गौशाला पहुंचा। यहाँ सेवा और जीव-दया की अनूठी मिसाल पेश की गई। कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में एकत्रित होकर गौमाताओं को अपने हाथों से हरा चारा खिलाया।

नीमच प्रशासन की ऐतिहासिक कार्रवाईः 5 लाख वर्ग फीट सरकारी जमीन भू-माफिया के कब्जे से मुक्त, जर्जर भवन जमींदोज

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के हृदय स्थल सिंधी कॉलोनी-ग्वालटोली रोड पर स्थित जीवाजीराव छात्रावास की लगभग 5 लाख स्क्वायर फीट की बहुमूल्य सरकारी जमीन को जिला प्रशासन ने पूरी तरह से अतिक्रमण मुक्त करा लिया है। नीमच जिला प्रशासन के प्रमुख कलेक्टर हिमांशु चंद्र के कुशल नेतृत्व और रणनीतिक दृढ़ता का ही परिणाम है कि जिस भूमि पर शिक्षा की आड़ में निजी स्वार्थों का अवैध साम्राज्य चल रहा था, उसे भारी पुलिस बल की मौजूदगी में ढहा दिया गया। लोक-कल्याण के मुखौटे में बहुमूल्य सरकारी संपत्तियों को अपनी जागीर समझने वाले तत्वों के लिए प्रशासन की यह कार्रवाई एक कड़ा सबक है।

गोपनीय ब्लूप्रिंट और त्वरित सरप्राइज एक्शन- इस हाई-प्रोफाइल मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रशासन ने अभूतपूर्व गोपनीयता बरती। बीते पूरे हफ्ते की प्रशासनिक पड़ताल के बाद शुक्रवार शाम को आला अधिकारियों की गोपनीय बैठक में कार्रवाई का अंतिम ब्लूप्रिंट तैयार किया गया था। शनिवार अलसुबह रणनीतिक रूप से भारी पुलिस बल को केंट थाने पर एकत्रित किया गया, जहाँ से अमले ने अचानक मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाल लिया।

खड़े हनुमान मंदिर यथास्थान रहेगा - डॉ. प्रवीण भाई तोगड़िया जी का आश्वासन

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। अन्तरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद मालवा प्रांत संगठन महामंत्री श्री संजय यादव ने बताया कि आज खड़े हनुमान मंदिर के पुजारी महेश बैरागी के निज निवास पर खड़े हनुमान मंदिर समिति के सदस्य आशीष चौहान की उपस्थिति में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान प्रांत संगठन महामंत्री संजय यादव ने पुजारी के सामने ही फोन पर अन्तरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद, राष्ट्रीय बजरंग दल के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रवीण भाई तोगड़िया से खड़े हनुमान मंदिर के विषय पर विस्तृत चर्चा करवाई।

चर्चा के दौरान डॉ. तोगड़िया जी भाई साहब ने बड़े ही स्पष्ट शब्दों में कहा कि - चिंता का कोई विषय नहीं है। खड़े हनुमान बाबा का मंदिर अपने यथास्थान पर ही विराजमान रहेगा। यह हिन्दू आस्था का केंद्र है, इसकी रक्षा के लिए पूरा संगठन, हिन्दू समाज और मैं स्वयं आपके साथ खड़ा हूँ।

उन्होंने पुजारी को आश्वस्त करते हुए कहा कि मंदिर के संदर्भ में किसी भी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। अन्तरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद, राष्ट्रीय बजरंग दल, उज्जैन जिला, मालवा प्रांत के सभी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं सकल हिन्दू समाज तन-मन-धन से आपके साथ है। जो भी आवश्यकता होगी, संगठन हर कदम पर साथ देगा।

यह बैठक पुजारी महेश बैरागी गुरुदेव के निज निवास पर अल्पाहार एवं चाय पर संपन्न हुई।

बैठक में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे :-

संजय यादव - प्रांत संगठन महामंत्री, अन्तरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद, मालवा प्रांत

आकाश माली - जिला अध्यक्ष, राष्ट्रीय बजरंग दल, उज्जैन आशीष चौहान- सदस्य, खड़े हनुमान मंदिर समिति सभी ने एक स्वर में खड़े हनुमान मंदिर की रक्षा एवं सम्मान के लिए संकल्प लिया। बाबा खड़े हनुमान जी की कृपा हम सभी पर बनी रहे। उक्त जानकारी राष्ट्रीय बजरंग दल उज्जैन जिला अध्यक्ष आकाश माली द्वारा दी गई ।

चपरासी बन बैठा बाबू, कुर्सी पर बैठकर कर रहा तकनीकी कार्य

जिसे मेहमानों की खातिरदारी करनी थी, वह अब तकनीकी काम में दिखा रहा 'हुनर'

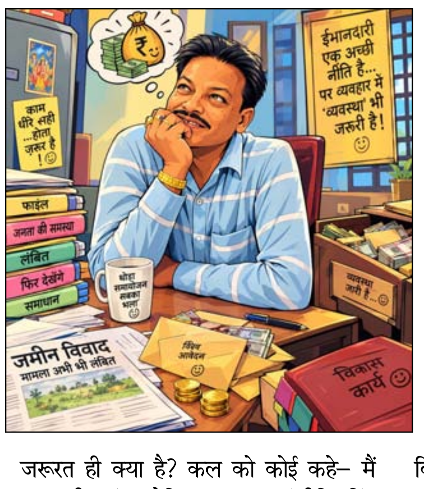

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सरकारी दफ्तरों में पद और जिम्मेदारियों का अपना एक नियम-कायदा होता है। किसी की ड्यूटी फाइल देखने की होती है, किसी की कंप्यूटर संभालने की और किसी की कार्यालय में आने वाले मेहमानों की व्यवस्था और खातिरदारी करने की।

लेकिन जब जिम्मेदारियों की कुर्सियां आपस में बदल जाएं, तो फिर सरकारी दफ्तर भी किसी फिल्म की कहानी से कम नजर नहीं आते। कहते हैं कि जिस कर्मचारी की जिम्मेदारी मेहमानों की खातिरदारी और व्यवस्था संभालने की बताई जाती है, वही अब बाकायदा कुर्सी पर बैठकर तकनीकी कार्य करता नजर आ रहा है। सवाल यह नहीं कि तकनीकी काम कितना कठिन है। सवाल यह है कि तकनीकी काम करने का अधिकार और जिम्मेदारी उसे किस आदेश के तहत मिली? क्योंकि अगर हर कर्मचारी अपनी पसंद का काम करने लगे तो फिर सरकारी पदों की जरूरत ही क्या है? कल को कोई कहे– मैं चपरासी हूं, लेकिन आज इंजीनियरिंग संभालूंगा!

परसों कोई बोले- मेरा पद कुछ भी हो, कंप्यूटर तो मैं ही चलाऊंगा! और फिर दफ्तर का बोर्ड भी शायद बदलना पड़े–यहां पद के अनुसार नहीं, कुर्सी के अनुसार काम होता है! लगता है कि साहब को खातिरदारी से तकनीकी ज्ञान की ऐसी छलांग लगी कि मेहमान पीछे छूट गए और कंप्यूटर आगे निकल गया।

मेहमान आएं तो इंतजार करें, अधिकारी बुलाएं तो इंतजार करें, लेकिन कुर्सी पर बैठकर तकनीकी कार्य जरूर चलता रहे! मामला तब गंभीर हो जाता है जब तकनीकी कार्य ऐसा हो जिसमें दस्तावेज, सरकारी रिकॉर्ड, ऑनलाइन प्रविष्टियां या महत्वपूर्ण विभागीय जानकारी शामिल हो। ऐसे में यह जानना जरूरी हो जाता है कि संबंधित कर्मचारी को यह काम करने के लिए विधिवत अधिकृत किया गया है या नहीं।

यदि विभाग ने लिखित आदेश देकर अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी है, तो बात साफ है–आदेश दिखाइए और मामला खत्म। लेकिन यदि कोई अधिकृत आदेश नहीं है, तो फिर सवाल उठना स्वाभाविक है कि–तकनीकी कार्य कौन कर रहा है? किसके निर्देश पर कर रहा है? किस अधिकार से कर रहा है?और इसकी जिम्मेदारी आखिर किसकी होगी? सरकारी व्यवस्था में कुर्सी सिर्फ बैठने के लिए नहीं, जिम्मेदारी निभाने के लिए होती है। पद चाहे छोटा हो या बड़ा, अधिकार नियमों से मिलते हैं, कुर्सी पर बैठ जाने से नहीं। अब देखने वाली बात यह है कि विभाग इस 'कुर्सी वाले तकनीकी विशेषज्ञ' की भूमिका पर क्या स्पष्टीकरण देता है। क्योंकि सवाल बिल्कुल सीधा है–जिसे मेहमानों की खातिरदारी करनी थी, वह तकनीकी काम कैसे करने लगा?और अगर जवाब में सिर्फ इतना कहा गया कि साहब, काम तो काम होता हैज, तो फिर अगला सवाल होगा–अगर ऐसा ही है तो फिर सरकारी पद, जिम्मेदारी और नियम-कायदे आखिर किसलिए? फिलहाल दफ्तर में एक नई कहावत खूब फिट बैठती दिखाई दे रही है–

पद भले चपरासी का हो, अगर कुर्सी मिल जाए तो बाबू बनने में देर कितनी?

सुंदराबाद में भूमि पूजन के साथ दिलाई गई स्वच्छता व पॉलीथिन मुक्त वातावरण की शपथ

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री के जन्म दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत सुंदराबाद द्वारा श्री अंबा माता परिसर नयापुरा सुंदराबाद में सीमेंट कांक्रीट निर्माण कार्य हेतु भूमि पूजन कार्यक्रम उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। प्रारंभ में अंबा माता का पूजन अर्चन किया गया। सरपंच श्रीमती ज्योति पंड्या अजय पंड्या सजग, उप सरपंच यदुराज यादव, मप्र जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक व सेवा संकल्प अभियान के संभाग सह प्रभारी श्री सचिन शिंपी, विकासखंड समन्वयक श्रीमती रेणुका श्रोत्रिय, प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष घनश्याम सिंह पंड्या, आदर्श क्रिकेट क्लब अध्यक्ष बंटी पंड्या, पंकज पंड्या ने भूमि पूजन कर कुदाली चलाई एवम इस शानदार सौगात के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। अतिथि स्वागत अविनाश राठौर, जितेंद्र राठौर, गिरधारीलाल कटारिया, हर्षित पंड्या, नवांकुर संस्था के मुकेश शर्मा उंटवास, अमरलाल परमार, दीनदयाल परमार, मोहनलाल मकवाना, कृष्णा परमार, संपतबाई चौहान आदि उपस्थित रहे। इस निर्माण कार्य के हो जाने से धार्मिक सामाजिक आयोजन करना और सुलभ हो जाएगा। इस भूमि पूजन कार्यक्रम के साथ ही सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा मेरा अभियान को लेकर उपस्थित जनों को स्वच्छता एवं पॉलीथिन मुक्त वातावरण की शपथ दिलाई गई, साथ ही टंकी परिसर स्थित महाकाल वाटिका में व्यापक पौधारोपण स्थल अवलोकन व श्रमदान के साथ स्वच्छता का कार्यक्रम आयोजित हुआ, इस दौरान वॉलमेन हरियाली मित्र दातार सिंह पवार का स्वागत किया गया। संकल्प सेवा अभियान के संभाग सह प्रभारी श्री सचिन शिंपी ने ग्राम पंचायत भवन में लगाए गए वंदे मातरम चित्र पटल का अवलोकन कर प्रसन्नता व्यक्त की। ग्राम पंचायत द्वारा आपका स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत अभिनंदन किया गया। आभार ग्राम पंचायत सचिव धर्मेंद्र बैरागी ने माना।

19वें सेवा सम्मान एवं अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में देशभर से पहुंचे कवि, गीतकार जगदीश सोलंकी को स्व. दुलेसिंह सिकरवार स्मृति सम्मान 2026

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सवैया सम्राट स्व. दुलेसिंह सिकरवार की स्मृति में आयोजित 19वां सेवा सम्मान एवं अखिल भारतीय कवि सम्मेलन गुरुवार रात पं. सूर्यनारायण व्यास संकुल, कालिदास संस्कृत अकादमी में हुआ। रात करीब 8 बजे शुरू हुई काव्य संध्या में देश के विभिन्न शहरों से पहुंचे कवियों ने हास्य-व्यंग्य, वीर रस, ओज, श्रृंगार, गीत और गजल की प्रस्तुतियों से देर रात तक श्रोताओं को बांधे रखा। रचनाओं पर सभागार तालियों और ठहाकों से गूंजता रहा।

समारोह में कोटा के सुप्रसिद्ध गीतकार जगदीश सोलंकी को स्व. दुलेसिंह सिकरवार स्मृति सम्मान 2026 प्रदान किया गया। उन्हें सम्मान के साथ अभिनंदन पत्र भी भेंट किया गया। वहीं अखिल विश्व क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठा. जोगेंद्रसिंह भदौरिया का भी सम्मान किया गया। कवि सम्मेलन में हास्य-व्यंग्य की प्रस्तुतियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। एक कवि ने पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति और भारतीय युवाओं के मोबाइल रिचार्ज पर चुटीला व्यंग्य करते हुए कहा कि जितना पाकिस्तान का सालाना बजट है, उतना तो भारत में लड़के-लड़कियां मोबाइल में रिचार्ज करवा देते हैं। इस पर सभागार ठहाकों से गूंज उठा। वहीं वीर रस और ओज की कविताओं ने श्रोताओं में जोश भरा, जबकि गीत, गजल और श्रृंगार रस की प्रस्तुतियों ने माहौल को भावपूर्ण बनाया।

कार्यक्रम में उज्जैन के सतीश सागर, वाराणसी की विभा सिंह, इटावा के गौरव चौहान, देवास के कुलदीप रंगीला, आगरा की निभा चौधरी, खरगोन के कुमार संभव, गाजियाबाद के मोहित शौर्य तथा रामगंजमंडी के अर्जुन अल्हड़ सहित कवियों ने रचनाएं प्रस्तुत कीं। मंच संचालन कवि दिनेश दिग्गज ने किया। कार्यक्रम के संरक्षक एवं मार्गदर्शक राजेशसिंह कुशवाह तथा संयोजक श्यामसिंह सिकरवार रहे। आयोजन मध्यप्रदेश संस्कृति संचालनालय एवं स्व. दुलेसिंह सिकरवार स्मृति मंच के तत्वावधान में हुआ। समारोह में नगर निगम अध्यक्ष कलावती यादव, सोसायटी फॉर प्रेस क्लब अध्यक्ष नंदू यादव, भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल, संपादक राजेंद्र आगाल सहित सामाजिक, राजनीतिक और पत्रकारिता क्षेत्र से जुड़े लोग मौजूद रहे। आयोजन समिति के सदस्यों ने अतिथियों और सम्मानित विभूतियों का स्वागत किया।

पी.एम. सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के शिविर 3 से 17 अक्टूबर तक

आगर-मालवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी आगर के अधीक्षण यंत्री रत्नेश अयाची ने बताया कि सेवा सेतु अभियान (17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026) के तहत म.प्र.प.क्षे.वि.वि.कं.लि. आगर वृत्त द्वारा 3 से 17 अक्टूबर 2026 तक पी.एम. सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। ?शिविर में सोलर पैनल लगवाने के लिए आवेदन करने पर शासन की सब्सिडी योजना का लाभ मिलेगा एवं बिजली के बिल में राहत मिलेगी। शिविर प्रातः 11: 00 बजे से सायं 4:00 बजे तक रहेगा।

अधीक्षण यंत्री रत्नेश अयाची ने उपभोक्ताओं से अपील है कि वे अधिकाधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर पी.एम. सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में पंजीयन करवाएं एवं छूट का लाभ उठाएं।

अधीक्षण यंत्री- रत्नेश अयाची ने बताया कि पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा 3 अक्टूबर शनिवार को ग्रामीण क्षेत्र जनपद आगर, बड़ौद - आगर-पाल्याखेड़ी आगर, बड़ौद- मेला ग्राउण्ड जहांगीरपुरा पीएम सूर्य घर योजना के तहत शिविर आयोजित किया गया।

रविवार 4 अक्टूबर को - शहरी क्षेत्र आगर, कानड़, बड़ौद - आगर-नई नगर पालिका प्रांगण, कानड़-झंडा चौक गोदी चौराहा, बड़ौद-कृषि उपज मंडी तथा 5 अक्टूबर को वितरण केन्द्र आगर शहर - छावनी झंडा चौक आगर एवं वितरण केन्द्र तनोडिया - आगर/बड़ौद पंचायत कार्यालय में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

इसी तरह 6 अक्टूबर को - वितरण केन्द्र कानड़ - आगर/नलखेड़ा ग्राम पचौरा एवं वितरण केन्द्र बड़ौद - बड़ौद गांधी चौक बड़ौद में 7 अक्टूबर को वितरण केन्द्र आगर ग्रामीण आगर ग्राम नरवल, वितरण केन्द्र जयसिंहपुरा - बड़ौद ग्राम दाबड़िया, 8 अक्टूबर को वितरण केन्द्र आगर शहर - आगर, सरकार वाड़ा आगर एवं वितरण केन्द्र तनोडिया - आगर/बड़ौद, पुरानी पंचायत पिपलोनकलां, 9 अक्टूबर को - वितरण केन्द्र आगर ग्रामीण - आगर, आगर ग्रामीण कार्यालय परिसर में, 12 अक्टूबर को वितरण केन्द्र बड़ौद - बड़ौद ग्राम पंचायत गुराडिया एवं वितरण केन्द्र जयसिंहपुरा - बड़ौद ग्राम पंचायत हरनावदा एवं 14 अक्टूबर 2026 को - वितरण केन्द्र कानड़ आगर ग्राम पालड़ा मैं शिविर आयोजित किए जाएंगे।

श्री अयाची ने बताया कि सुसनेर क्षेत्र में शनिवार 3 अक्टूबर को ग्रामीण क्षेत्र जनपद सुसनेर, नलखेड़ा - सुसनेर-बामनियाखेड़ी, नलखेड़ा-कृषि उपज मंडी सुईगांव मैं शिविर आयोजित किए गए हैं। रविवार 4 अक्टूबर को - शहरी क्षेत्र सुसनेर, नलखेड़ा, सोयत, बड़ागांव - सुसनेर-पुरानी नगर पालिका प्रांगण, नलखेड़ा-कृषि उपज मंडी प्रांगण, सोयत-कन्या शाला हाई सेकेंडरी स्कूल भवन बस स्टेण्ड, बड़ागांव-नवीन मांगलिक भवन मैं शिविर लगेंगे। 5. अक्टूबर2026 को - वितरण केन्द्र सुसनेर सुसनेर कार्यालय परिसर में एवं वितरण केन्द्र मोड़ी - सुसनेर/नलखेड़ा एवं

06 अक्टूबर 2026 को - वितरण केन्द्र नलखेड़ा शहर - नलखेड़ा कार्यालय परिसर में एवं वितरण केन्द्र सोयत - सुसनेर, सोयत कार्यालय परिसर, 7 अक्टूबर को - वितरण केन्द्र नलखेड़ा ग्रामीण नलखेड़ा कार्यालय परिसर 13 अक्टूबर 2026 को - वितरण केन्द्र सुसनेर - सुसनेर, ग्राम आमला-14 अक्टूबर को वितरण केन्द्र मोड़ी - सुसनेर/नलखेड़ा, ग्राम ताखला,

15 अक्टूबर 2026 को - वितरण केन्द्र सोयत सुसनेर, ग्राम देहरिया,- 16 अक्टूबर 2026 को - नलखेड़ा शहर - नलखेड़ा, ग्राम गुदरावन एवं 17 अक्टूबर2026 को - नलखेड़ा ग्रामीण - नलखेड़ा, ग्राम गोदलामउ में यह शिविर आयोजित किया जा रहे हैं।

उन्होंने सभी विद्युत उपभोक्ताओं से इन शिविरों में उपस्थित होकर इनका लाभ उठाने का आग्रह किया है।

दिल्ली से लेकर जिला संगठन तक दिखा कद्दावर धाकड़ परिवार का राजनैतिक वर्चस्व

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंगोली अंचल के राजनैतिक और सामाजिक क्षितिज पर अपनी गहरी पैठ रखने वाले जनप्रिय धाकड़ परिवार के प्रभाव की गूंज दिल्ली के शीर्ष नेतृत्व से लेकर जिला संगठन तक साफ़ देखी जा रही है। सिंगोली भाजपा महिला मंडल मोर्चा की मंडल उपाध्यक्ष और क्षेत्र की बेहद कद्दावर व प्रखर महिला नेत्री श्रीमती संतोष धाकड़ के दोनों घुटनों का सफल ऑपरेशन हाल ही में अहमदाबाद के सुप्रसिद्ध कृष्णा शेलबी हॉस्पिटल में संपन्न हुआ। अस्पताल में इलाज के दौरान बिताए एक सप्ताह के समय जैसे ही इस गंभीर ऑपरेशन की सूचना मिली, भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान एवं उनकी धर्मपत्नी व अखिल भारतीय किरार क्षत्रिय महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती साधना सिंह चौहान ने तत्काल अहमदाबाद दूरभाष (फ़ोन) पर संपर्क साधा। केंद्रीय मंत्री व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सीधे श्रीमती संतोष धाकड़ एवं उनके परिजनों से बात कर आत्मीयता के साथ उनके हाल-चाल और कुशलक्षेम को जाना तथा उनके शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने की मंगलकामना की। राष्ट्रीय स्तर के इन शीर्ष नेताओं का स्वयं फोन पर सुध लेना श्रीमती धाकड़ के व्यापक राजनैतिक कद को बयां करता है। श्रीमती संतोष धाकड़ का सफल ऑपरेशन होने और अस्पताल से डिस्चार्ज होकर सिंगोली आगमन पर नीमच जिला भाजपा अध्यक्ष श्रीमती वंदना खंडेलवाल ने सिंगोली वार्ड 2 स्थित उनके निज आवास पर पहुंचीं। जिला अध्यक्ष श्रीमती खंडेलवाल ने कद्दावर भाजपा नेत्री के गृह निवास पर पहुंचकर आत्मीयता के साथ उनकी कुशलक्षेम जानी। उन्होंने ऑपरेशन के बाद स्वास्थ्य में हो रहे सुधार व डॉक्टरों की सलाह के बारे में विस्तार से चर्चा की और उनके जल्द से जल्द पूर्ण स्वस्थ होकर पुनः संगठन के कार्यों में सक्रिय होने की कामना की।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण, स्वच्छता सम्मान एवं सेवा संकल्प कार्यक्रम संपन्न

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी के सेवा संकल्प अभियान के तहत भाजपा जिला उज्जैन ग्रामीण में नगर पालिका परिषद नागदा एवं महिदपुर ग्रामीण मंडल में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

नगर पालिका परिषद नागदा द्वारा आयोजित 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत अटल गार्डन, नागदा में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में सहभागिता कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा स्वच्छता एवं नगर की सेवा में निरंतर समर्पित सफाई मित्रों का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर भाजपा उज्जैन ग्रामीण जिलाध्यक्ष राजेश धाकड़, विधायक डॉ. तेज बहादुर सिंह चौहान, जिला महामंत्री राकेश यादव, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती संतोष ओ.पी. गेहलोत, मंडल अध्यक्ष विजय पटेल,प्रकाश जैन सहित पार्टी पदाधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं नगरवासी उपस्थित रहे।

भाजपा महिदपुर ग्रामीण मण्डल के ग्राम जगोटी में सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा आयोजित

'मोदी सेवा संकल्प अभियान - 25 संकल्प, एक उद्देश्य - सेवा' में सहभागिता की गई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 25 वर्षों के समर्पित सेवा संकल्प से प्रेरणा लेते हुए वंचित एवं निर्धन विद्यार्थियों को शिक्षा हेतु पाठ्य-सामग्री वितरण का संकल्प लिया गया। इसी क्रम में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष राजेश धाकड़ ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का 25 वर्षों का सार्वजनिक जीवन त्याग, तपस्या, सेवा और राष्ट्र के प्रति समर्पण का जीवंत उदाहरण है। एक कार्यकर्ता से लेकर देश के प्रधानमंत्री तक की उनकी यात्रा हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा का मूल मंत्र ही सेवा ही संगठन है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से हम सभी को समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचकर सेवा का संकल्प लेना है। 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान केवल एक पौधा लगाने का कार्यक्रम नहीं है, यह माँ के प्रति सम्मान और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण देने का संकल्प है। हर कार्यकर्ता एक पेड़ लगाए और उसकी देखभाल माँ की तरह करे।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि स्वच्छता के प्रति हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने जो आह्वान किया था, उसे हमारे सफाई मित्र धरातल पर साकार कर रहे हैं। वे सही अर्थों में स्वच्छ भारत मिशन के सच्चे सिपाही हैं। उनका सम्मान करना हम सभी का दायित्व है। 'सेवा मेरा योगदान' और '25 संकल्प, एक उद्देश्य' के माध्यम से प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी क्षमता अनुसार शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और स्वच्छता के क्षेत्र में अपना योगदान दे। यही प्रधानमंत्री जी के प्रति सच्ची निष्ठा होगी और यही राष्ट्र निर्माण में हमारी भागीदारी होगी।

जिला मीडिया प्रभारी गजेंद्र परमार ने बताया कि ग्राम जगोटी में प्रतिकल्पा सांस्कृतिक संस्था द्वारा आयोजित मालवी संस्कृति, लोकपरम्परा एवं कला की समृद्ध विरासत को समर्पित अखिल भारतीय संजा लोकोत्सव में सभी अतिथियों व कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की।

मालवा की परंपरा और पहचान को जीवंत बनाए रखने तथा हमारी लोकसंस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए जिलाध्यक्ष राजेश धाकड़ ने प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष राजेश धाकड़, भाजपा अजा मोर्चा प्रदेश महामंत्री गणपतलाल डाबी, पूर्व विधायक बहादुर सिंह चौहान, पूर्व जिलाध्यक्ष बहादुर सिंह बोरमुंडला, जिला महामंत्री राकेश यादव, मोर्चों के जिलाध्यक्ष,जनप्रतिनिधि, मंडल अध्यक्ष किशोर शर्मा सहित जिला पदाधिकारी, समस्त मंडल पदाधिकारी एवं प्रभारी उपस्थित रहे। जगोटी में महिदपुर ग्रामीण मंडल अध्यक्ष किशोर शर्मा के नेतृत्व में महिदपुर ग्रामीण मंडल द्वारा सभी पदाधिकारियों का सम्मान किया गया।

माचिस की तीली जलाते ही कमरे में धमाका

रातभर सिलेंडर से गैस रिसने की आशंका- धमाके से कमरे की दीवार गिरी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कानीपुरा स्थित तिरुपति धाम कॉलोनी में शनिवार सुबह गैस रिसाव के बाद माचिस की तीली जलाना एक युवक के लिए जानलेवा साबित हुआ। कमरे में भरी एलपीजी गैस ने माचिस जलाते ही आग पकड़ ली और जोरदार धमाका हो गया।

इस हादसे में 24 वर्षीय युवक संदीप करीब 70 प्रतिशत झुलस गया। धमाका इतना तेज था कि कमरे की एक तरफ की दीवार भरभराकर गिर गई, जबकि खिड़की और दरवाजे भी क्षतिग्रस्त हो गए। गंभीर हालत में संदीप को इंदौर रेफर किया गया है।

ानकारी के अनुसार संदीप अपने साथी देवीलाल के साथ किराए के कमरे में रहता था। आशंका है कि रातभर एलपीजी सिलेंडर से गैस रिसती रही और कमरे में गैस भर गई। सुबह संदीप ने सिगरेट पीने के लिए माचिस जलाई। तीली जलते ही कमरे में जमा गैस ने आग पकड़ ली और तेज धमाका हो गया। संदीप आग की चपेट में आ गया।

बाथरूम में था साथी, इसलिए बच गया- धमाके के समय संदीप का साथी देवीलाल बाथरूम में था। इस कारण वह सीधे आग और धमाके की चपेट में आने से बच गया। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग भी घबरा गए और मौके पर पहुंचे। लोगों ने परिचितों की मदद से संदीप को जिला अस्पताल पहुंचाया।

20 दिन पहले ही आया था उज्जैन- संदीप मूल रूप से राजस्थान का रहने वाला है। वह करीब 20 दिन पहले ही उज्जैन आया था और तिरुपति धाम कॉलोनी में किराए से रह रहा था। वह शिप्रा गैस एजेंसी में सिलेंडर की डिलीवरी और फिटिंग का काम करता था।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शुरू की जांच- हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। प्रारंभिक तौर पर गैस रिसाव के बाद माचिस जलाने से आग पकड़ने की बात सामने आई है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

देवास रोड पर युवती को अज्ञात वाहन ने कुचला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास रोड पर एक बार फिर देर रात हुई दुर्घटना में युवती की मौत हो गई। सड़क पार करते समय हुए हादसे में अज्ञात वाहन होना सामने आया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है युवती का पोस्टमार्टम कराया गया है। नरवर थाना पुलिस ने बताया कि रात 11 बजे के लगभग नरवर के मोड पर सड़क दुर्घटना होने की सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची थी। इस दौरान सामने आया कि दुर्घटना में पायल पिता फूल सिंह शाक्य 21 साल निवासी कल्याणपुरा की मौत हुई है। मामले की जांच शुरू की गई तो पता चला कि पायल खेत पर बने मकान में परिवार के साथ रहती थी रात में कुछ काम से वह निकली थी और वापस घर लौटते समय सड़क पार करने के दौरान दुर्घटना हुई है। थाना प्रभारी बल्लू मंडलोई के अनुसार मामले में मर्ग कायम कर युवती का पोस्टमार्टम कराया गया है रात का समय होने पर अज्ञात वाहन की जानकारी सामने नहीं आ पाई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज देखे जा रहे हैं जल्द ही वाहन का पता लगा लिया जाएगा। विदित हो कि देवास रोड पर आए दिन दुर्घटना के मामले सामने आ रहे हैं पिछले माह भी हुई दुर्घटना के बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा था उन्होंने करीब 3 घंटे तक इंदौर उज्जैन देवास हाईवे पर चक्का जाम कर दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था के लिए पुलिस और प्रशासन से चर्चा की थी, लेकिन देवास रोड पर दुर्घटनाओं का ग्राफ काम नहीं हो रहा है।

कानीपुरा में फटा गैस सिलेंडर, 70 प्रतिशत झुलसा युवक

मकान की दीवार हुई क्षतिग्रस्त, इंदौर किया गया रेफर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शनिवार सुबह कानीपुरा मार्ग पर गैस सिलेंडर फटने से बड़ा हादसा हो गया। एक युवक 70 प्रतिशत झुलसा है जिसे उपचार के लिए इंदौर रेफर किया गया है। मकान में उसका साथी भी था लेकिन बाथरूम में होने की वजह से उसकी जान बच गई। हादसे में मकान की दीवार क्षतिग्रस्त हुई है।

चिमनगंज थाना क्षेत्र के कनीपुरा में राजस्थान के दो युवक संदीप पिता मिश्रीलाल 22 साल और देवीलाल किराए का मकान लेकर रहते हैं और शिप्रा गैस एजेंसी पर गैस सिलेंडर लगाने का काम करते हैं। आज सुबह देवीलाल नहाने के लिए बाथरुम में गया था। संदीप ने नींद से जागने के बाद बीड़ी जलाई इस दौरान पूरे घर में आग लग गई और गैस सिलेंडर में धमाका हो गया। संदीप बुरी तरह झुलत गया मकान की एक दीवार भी क्षतिग्रस्त होकर गिर गई। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग दहशत में आ गए।

सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी 70 प्रतिशत झूलस चुके संदीप को चरक अस्पताल लाया गया जहां से डॉक्टर ने इंदौर रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि गैस सिलेंडर लीकेज था और रात भर में उसकी गैस पूरे घर में फैल गई थी। देवीलाल बाथरूम में होने की वजह से बच गया। उप निरीक्षक लक्ष्मण उइके ने बताया कि घटनाक्रम की जांच की जा रही है घटनास्थल पर फटा हुआ गैस सिलेंडर मिला है। देवीलाल ने पूछताछ में बताया कि वह राजस्थान से 20 दिन पहले ही उज्जैन आए थे और किराए का मकान लेकर शिप्रा गैस एजेंसी पर काम कर रहे थे।

मक्सी रोड जीरो पॉइंट ब्रिज पर प्रतिदिन लग रहा जाम

चौड़ाई अत्यंत कम होने के कारण हो रही परेशानी

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के विस्तार के साथ मक्सी रोड जीरो पॉइंट ओवरब्रिज पर यातायात का दबाव लगातार बढ़ रहा है। ब्रिज की सीमित चौड़ाई के कारण यहां रोज जाम के हालात बन रहे हैं। समस्या के स्थायी समाधान के लिए फ्रीगंज वाली साइट पर मौजूदा ब्रिज के समानांतर नया ब्रिज बनाने की जरूरत है। सिंहस्थ 2028 को देखते हुए इसकी जरूरत और बढ़ गई है।

उल्लेखनीय है कि पिछले सिंहस्थ 2016 के दौरान ढांचा भवन-हीरा मिल की चाल होते हुए रेलवे क्रॉसिंग के ऊपर इस ओवरब्रिज का निर्माण कराया गया था। उस समय के यातायात को देखते हुए यह पर्याप्त था, लेकिन करीब 8 साल में शहर का विस्तार होने के साथ वाहनों की संख्या भी बढ़ी है। इसका सीधा असर ब्रिज पर दिखाई दे रहा है।

लंबाई 727 से 756 मीटर, चौड़ाई 7.5 से 10 मीटर- ओवरब्रिज की कुल लंबाई पहुंच मार्ग और सर्विस रोड सहित करीब 727 से 756 मीटर है। इसके मुकाबले वाहनों के आवागमन के लिए कैरेजवे की सामान्य चौड़ाई 7.5 से 10 मीटर ही है। फुटपाथ और साइड स्ट्रक्चर मिलाकर ब्रिज की कुल चौड़ाई करीब 12 मीटर है। इस प्रकार कम चौड़ाई और बढ़ते ट्रैफिक के कारण पीक समय में वाहनों की रफ्तार थम जाती है। दोनों दिशाओं से आने वाले वाहनों का दबाव बढ़ने पर जाम की स्थिति बनती है।

फ्रीगंज साइड समानांतर भुजा से बंटेगा ट्रैफिक- जानकारों के अनुसार मौजूदा ब्रिज की समानांतर भुजा बनने से यातायात को अलग-अलग मार्गों में बांटा जा सकेगा। इससे मौजूदा ब्रिज पर वाहनों का दबाव कम होगा और आवाजाही सुगम हो सकेगी। फ्रीगंज वाली साइट पर इसके लिए जगह और कनेक्टिविटी की संभावनाओं का परीक्षण किया जा सकता है।

सिंहस्थ से पहले जरूरी है तैयारी- सिंहस्थ 2028 के दौरान शहर में वाहनों और श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ेगी। ऐसे में पहले से ही दबाव झेल रहे इस ब्रिज पर ट्रैफिक मैनेजमेंट बड़ी चुनौती बन सकता है। इसलिए समानांतर भुजा की योजना पर अभी से काम शुरू करने की जरूरत है, ताकि भविष्य में रोजाना लगने वाले जाम के साथ बड़े आयोजनों के दौरान भी यातायात को व्यवस्थित रखा जा सके।

घर को दुकान बनाने वालों को हाउसिंग बोर्ड से फिलहाल राहत

कमेटी करेगी मास्टर प्लान और भूमि निर्वतन अधिनियम की समीक्षा- रिपोर्ट के बाद तय होगा लीज निरस्तीकरण का फैसला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड की आवासीय संपत्तियों का व्यावसायिक उपयोग करने वाले लीजधारकों को फिलहाल राहत मिल गई है। बोर्ड ने लीज निरस्तीकरण की कार्रवाई को कुछ समय के लिए रोक दिया है। अब पहले यह जांच होगी कि संबंधित कॉलोनी और मुख्य सड़कों का उपयोग मास्टर प्लान और भूमि निर्वतन अधिनियम में किस श्रेणी में दर्ज है। इसके लिए विभागीय स्तर पर कमेटी गठित की गई है। कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद ही लीज निरस्तीकरण पर अंतिम फैसला होगा।

मामला शहर की इंदिरानगर, लक्ष्मीनगर, देसाईनगर, विश्व बैंक कॉलोनी और अतिरिक्त विश्व बैंक कॉलोनी सहित अन्य क्षेत्रों की संपत्तियों से जुड़ा है। इन इलाकों में कई लोगों ने हाउसिंग बोर्ड से आवासीय उपयोग के लिए संपत्ति ली, लेकिन बाद में मुख्य मार्गों पर इनका व्यावसायिक उपयोग शुरू कर दिया। बोर्ड ने ऐसे लीजधारकों को नोटिस जारी किए थे। इंदिरानगर में तो 7 संपत्तियों की लीज निरस्त भी की जा चुकी थी।

पहले उपयोग की श्रेणी देखी जाएगी- हाउसिंग बोर्ड और यूडीए से संपत्ति लेते समय उसका निर्धारित उपयोग तय होता है। आवासीय संपत्ति का उपयोग आवासीय, व्यावसायिक संपत्ति का व्यावसायिक और मिश्रित उपयोग वाली संपत्ति का उसी अनुरूप उपयोग किया जाना होता है। विवाद उन संपत्तियों को लेकर है, जहां आवासीय उपयोग के लिए आवंटित संपत्तियों में दुकान, कार्यालय या अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही हैं। अब कमेटी यह देखेगी कि संबंधित कॉलोनी या सड़क का उपयोग मास्टर प्लान में क्या निर्धारित है। साथ ही भूमि निर्वतन अधिनियम के प्रावधानों का भी परीक्षण किया जाएगा। यदि किसी क्षेत्र का उपयोग व्यावसायिक पाया जाता है तो वहां व्यावसायिक गतिविधि करने वाले लीजधारकों को राहत मिल सकती है। वहीं आवासीय उपयोग वाली संपत्ति का व्यावसायिक उपयोग पाए जाने पर लीज निरस्तीकरण की कार्रवाई आगे बढ़ेगी।

कमेटी की रिपोर्ट के बाद ही अगला कदम- विभागीय स्तर पर गठित कमेटी अपनी रिपोर्ट तैयार करेगी। रिपोर्ट के आधार पर ही पहले जारी नोटिस और लीज निरस्तीकरण की कार्रवाई की समीक्षा की जाएगी। हाउसिंग बोर्ड का कहना है कि रिपोर्ट जल्द प्राप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। इस मामले में मप्र हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष ओम जैन ने कहा कि कमेटी भूमि निर्वतन अधिनियम और मास्टर प्लान के प्रावधानों के अनुसार योजनाओं की संपत्तियों का अध्ययन करेगी। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

8 दिन की पैरोल पर उज्जैन आया आतंकी शफीक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अहमदाबाद सीरियल बम ब्लास्ट में आजीवन कारावास की सजा काट रहा आतंकी 8 दिनों की पैरोल पर उज्जैन आया है। सुरक्षा में गुजरात और उज्जैन की पुलिस टीम लगाई गई है।

चिमनगंज थाना क्षेत्र के मित्र नगर में रहने वाला मोहम्मद शफीक उर्फ दादा भाई उर्फ ठाकुर पिता अब्दुल अंसारी (48) अहमदाबाद सीरियल बम ब्लास्ट का आतंकी है। पिछले 18 सालों से वहां गुजरात की साबरमती जेल में बंद है उसे उम्रकैद की सजा हुई है। गुरुवार रात गुजरात पुलिस उसे 8 दिनों की पैरोल पर उज्जैन लेकर पहुंची है। आतंकी के आने की खबर मिलने के बाद मित्र नगर में चिमनगंज थाना पुलिस का बल भी तैनात कर दिया गया था। बताया जा रहा है कि 8 अक्टूबर को उसे वापस गुजरात ले जाया जाएगा। चिमनगंज थाना प्रभारी विवेक कनोडिया ने आतंकी को पैरोल पर उज्जैन ले जाने की पुष्टि की है। आतंकी शफी पिछले वर्ष भी जून माह में अपनी बेटी की शादी होने पर चार दिनों की पैरोल पर उज्जैन आया था।

जमानत के लिए पैसे जुटाने का प्रयास- बताया जा रहा है कि 18 साल से साबरमती जेल में बंद आतंकी शफीक अंसारी ने गुजरात हाईकोर्ट से अपनी जमानत के पैसों का इंतजाम करने के लिए पैरोल मांगा है वह अपने परिवार और रिश्तेदारों से इसी संबंध में चर्चा के लिए उज्जैन आया है। 18 साल में चौथी बार उसे पेरोल पर उज्जैन लाया गया है। पहली बार उसे 8 दिन का पैरोल मिला है।

दो माह पहले आतंकी अबरार को मिला था पेरोल- अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट में उज्जैन का रहने वाला आतंकी मोहम्मद अबरार भी शामिल है। दो माह पहले जुलाई में अबरार भी पैरोल पर अपनी बेटी की शादी में बेगमबाग आया था। उज्जैन के आतंकियों में सफदर नागौरी कमरुद्दीन नागोरी और आमिल परवेज भी शामिल है। सीरियल बम ब्लास्ट में 38 आरोपियों को सजा सुनाई गई है जिसमें उज्जैन के सफदर नागौरी, कमरुद्दीन नागोरी और आमिल को फांसी की सजा हुई है। शेष आरोपियों को आजीवन सजा हुई है।

छात्रों-आदिवासियों के बाद अब कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे राहुल गांधी

ब्लॉक-मंडल अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में हो सकते हैं शामिल-छह जिलों के कार्यकर्ताओं से भी करेंगे चर्चा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नवंबर में उज्जैन आने की चर्चा तेज हो गई है। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक उनका दौरा अक्टूबर के अंतिम सप्ताह या नवंबर में प्रस्तावित है। उज्जैन में वे ब्लॉक-मंडल अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में शामिल होने के साथ संगठन सृजन अभियान के तहत नियुक्त नए पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से संवाद कर सकते हैं।

राहुल गांधी के प्रस्तावित दौरे में उज्जैन संभाग के संगठन को मजबूत करने पर फोकस रहने की बात सामने आ रही है। वे उज्जैन के अलावा रतलाम, शाजापुर, देवास, आगर मालवा, मंदसौर और नीमच जिले के कांग्रेस कार्यकर्ताओं से भी चर्चा कर सकते हैं। संभाग के पदाधिकारियों के साथ बैठक में संगठन की आगामी गतिविधियों और चुनावी तैयारियों को लेकर भी चर्चा प्रस्तावित है।

एक महीने में तीसरी बार एमपी आने की चर्चा- राहुल गांधी पिछले कुछ समय में मध्यप्रदेश में लगातार सक्रिय नजर आए हैं। 19 सितंबर को उन्होंने इंदौर में छात्रों की गूंज कार्यक्रम में विद्यार्थियों के बीच शिक्षा और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दे उठाए थे। इसके बाद बालाघाट के बैहर क्षेत्र के जगला गांव में बैगा आदिवासी परिवारों से मुलाकात की और स्वास्थ्य, कुपोषण व बच्चों की मौत के मुद्दे पर सरकार को घेरा था। अब उज्जैन दौरे की चर्चा है। प्रस्तावित कार्यक्रम हुआ तो यह एक महीने में उनका मध्यप्रदेश का तीसरा दौरा होगा।

संगठन पर फोकस, मालवा में सक्रियता बढ़ाने की तैयारी- उज्जैन में कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद के जरिए कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर सक्रिय करने की तैयारी में है। 2028 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए पार्टी की गतिविधियां अभी से तेज होने लगी हैं। उज्जैन को इस लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि यह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का गृह जिला भी है।

मध्यप्रदेश में विधानसभा की 230 सीटें हैं। 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 163 और कांग्रेस ने 66 सीटें जीती थीं। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने प्रदेश की सभी 29 सीटों पर जीत दर्ज की थी। ऐसे राजनीतिक परिदृश्य में राहुल गांधी का लगातार मध्यप्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में दौरा कांग्रेस के संगठनात्मक विस्तार और कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद पर बढ़ते जोर को दर्शाता है।

सिंहस्थ में स्काउट-गाइड भी संभालेंगे व्यवस्था

प्रशिक्षण से लेकर उपकरणों तक की तैयारी

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2028 में श्रद्धालुओं की मदद और व्यवस्थाओं को संभालने के लिए स्काउट-गाइड दल भी मैदान में रहेंगे। इन दलों को सिंहस्थ के दौरान आने वाली जरूरतों के अनुसार प्रशिक्षण दिया जाएगा।

संभागायुक्त आशीष सिंह ने अधिकारियों से कहा है कि प्रशिक्षण, मानव संसाधन और जरूरी उपकरणों की तैयारी अभी से पूरी कर ली जाए, ताकि मेले के समय किसी तरह की कमी न रहे।

सिंहस्थ की समन्वय बैठक में संभागायुक्त ने होमगार्ड को भी उपकरणों की जरूरत का आकलन कर सूची तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन उपकरणों की आवश्यकता सिंहस्थ में पड़ेगी, उनकी खरीदी की प्रक्रिया समय-सीमा में पूरी की जाए। व्यवस्थाओं में केवल पर्याप्त बल जुटाना ही नहीं, बल्कि उसके पास जरूरी संसाधन उपलब्ध होना भी जरूरी है।

निर्माण कार्यों की भी ली जानकारी- बैठक में सिंहस्थ से जुड़े निर्माण और विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। घाट चौड़ीकरण, एलिवेटेड ब्रिज समेत अन्य प्रमुख परियोजनाओं की स्थिति जानी गई। अधिकारियों को तय समय में काम पूरा करने के साथ गुणवत्ता पर भी नजर रखने को कहा गया।

संभागायुक्त ने विभागों के बीच समन्वय बनाए रखने और सिंहस्थ से जुड़े कामों की नियमित निगरानी के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा, स्मार्ट सिटी सीईओ नेहा जैन, जिला पंचायत सीईओ श्रेयांस कूमट सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

वृंदावनधाम कालोनी में 4 मकानों पर चोरो का धावा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नानाखेड़ा क्षेत्र के वृंदावनधाम में शुक्रवार शनिवार रात को चोरों ने धावा बोला और तीन मकान में चोरी की वारदात करने के साथ एक मकान में प्रयास किया। सुबह 4 मकान के ताले टूटे दिखाई दिए तो पुलिस जांच के लिए पहुंची।

वृंदावन धाम कॉलोनी में रहवासी सुबह नींद से जागे तो आसपास के 3 से 4 मकान के ताले टूटे होने की जानकारी मिली मकान में रहने वाले परिवार बाहर गए हुए थे मामले की सूचना पुलिस को दी गई। जांच के दौरान सामने आया कि चोरों ने अजय मालवीय के मकान से सोने की चेन, कान के टॉप, चांदी की पायल और कुछ नगद रुपए चोरी किए हैं। अजय मालवीय प्राइवेट अकाउंटेंट है और परिवार के साथ इंदौर गए हुए थे। चोरों ने प्रदीप पिता दिनेश पांडे के मकान का भी ताला तोड़ा जो अपने पैतृक गांव तराना तहसील के ग्राम बघेरा गए हुए थे चोरों ने उनके यहां से सोने चांदी के कुछ आभूषण चोरी किए हैं। तीसरा मकान सेवानिवृत्त आर्मी मैन का होना सामने आया चोरों ने उनके मकान से 4000 नगद चोरी किए थे बदमाशों ने उनके घर में राखी 12 बोर की बंदूक भी चुराने का प्रयास किया लेकिन बंदूक लेकर नहीं गए। चोरी के समय सेवानिवृत्त आर्मी तिरुपति हाइट्स स्थित अपने ससुराल गए हुए थे। चोरों ने एक अन्य मकान में भी चोरी का प्रयास किया। थाना प्रभारी नरेंद्र यादव ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरे देखे जा रहे हैं। मकान में रहने वाले परिवार के आने पर चोरी गए सामान आकलन करने के बाद मामले में शिकायत दर्ज की जाएगी।

आंगन मिलन सेवा में राज्य सभा सांसद की अध्यक्षता और नगरनिगम सभापति के मुख्य आतिथ्य में सेवा संकल्प के तहत वृहद आयोजन हुए

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के मार्ग दर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग के आंगन मिलन कार्यक्रम के तहत जिले भर में जनप्रतिधियों के आतिथ्य में समारोह पूर्वक विभागीय प्रदर्शनी, स्वास्थ्य परीक्षण, पौध रोपण सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका आशा को सम्मानित किया जा रहा है। जिला स्तरीय कार्यक्रम गीता कालोनी मे म राज्य सभा सांसद स्वामी उमेनाथ योगी की अध्यक्षता और नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव जी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया जिसमें 20 से अधिक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका आशा एएनएम को सम्मानित किया गया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बताय कि कार्यक्रम में बाल योगी श्री उमेशनाथ जी महाराज राज्य सभा सांसद ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका आशा के महिला स्वास्थ्य बाल पोषण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान की सराहना करते हुए कहा कि कुपोषण निवारण में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्य अतिथि नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव ने सुपोषित उज्जैन की दिशा में आंगनबाड़ी की सेवाओं को मील का पत्थर बताते हुए जन सामान्य से इनका लाभ उठाने की अपील की। मंचासीन अतिथियों में श्री संजय अग्रवाल ने भी अपने उद्बोधन में स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के संयुक्त प्रयासों को उपयोगी बताते हुए आंगन मिलन कार्यक्रम को सेवा संकल्प अभियान का संवेदन शील हिस्सा बताया। यह स्वास्थ्य पोषण, स्वच्छता व पर्यावरण के लिए मप्र शासन का नवाचार है। सभी अतिथि गणों ने पोषण प्रदर्शनी के रूप में प्रधानमंत्री के मोटे अनाज श्री अन्न के समावेश से तैयार व्यंजनों को पोषण सुधार के लिए लाभ दायक बताकर पोषण प्रदर्शनी की तारीफ की।